@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 22 नवंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 20 अंक 14 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में की 34,470 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरुआत

वैशाली के जन्दाहा-राजापाकर औद्योगिक क्षेत्र से 227 परियोजनाओं का उद्घाटन

शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पण-नीतीश सेतु, सड़क, बिजली, जलापूर्ति, सीवरेज, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र की परियोजनाएं शामिल

गमछा लहराया: कहा- जिस बिहार में घोटालों की गिनती होती थी, वहां अब निवेश के आंकड़े आते हैं

एजेंसी

वैशाली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को विश्व के पहले गणतंत्र की धरती वैशाली के जन्दाहा-राजापाकर औद्योगिक क्षेत्र स्थित जाफरपट्टी से बिहार को 34,470 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। उन्होंने 227 बुनियादी ढांचा एवं विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पण किया। प्रधानमंत्री ने जिन परियोजनाओं की शुरुआत की उनमें सड़क, रेल, बिजली, जलापूर्ति, सीवरेज, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और शहरी विकास से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। गंगा नदी पर



बने कच्ची दरगाह-बिदुपुर पुल (नीतीश सेतु) समेत कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का भी लोकार्पण किया गया।प्रधानमंत्री ने प्रमुख सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इनमें राष्ट्रीय राजमार्ग-19 के औरंगाबाद-चरदाहा खंड को छह लेन का बनाना, एनएच-227 एफ के चोरमा-बैरागनिया खंड और एनएच-327 के उमगांव-सहरसा खंड से संबंधित परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने 1,320 मेगावाट की बक्सर ताप विद्युत परियोजना की दूसरी इकाई (660 मेगावाट) का उद्घाटन भी किया। इसके साथ ही बिजली वितरण और पारेषण से जुड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया गया। नवादा के फुलवरिया बांध पर फ्लोटिंग सोलर परियोजना समेत ऊर्जा क्षेत्र की अन्य योजनाएं भी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने एनएच-139 डब्ल्यू के साहेबगंज-अरेराज-बेतिया खंड को चार लेन बनाने की परियोजना की आधारशिला रखी। इस पर 3,800 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होने का अनुमान है। इसके अलावा पीरपैंती सुपर थर्मल पावर परियोजना (3म800 मेगावाट) से बिजली निकासी संबंधी बुनियादी ढांचे की आधारशिला भी रखी गई, जिसकी अनुमानित लागत करीब 3,350 करोड़ रुपये है। प्रधानमंत्री ने बेगूसराय, बिहारशरीफ, पूर्णिया, हाजीपुर, मोतिहारी, दानापुर, खगड़िया, समस्तीपुर, बोधगया, सीतामढ़ी और सहरसा समेत विभिन्न शहरी क्षेत्रों में सीवरेज एवं जलापूर्ति परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इन परियोजनाओं में नहर प्रणालियों का आधुनिकीकरण, शहरी जल निकासी, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं से संबंधित योजनाएं शामिल हैं। कहलगांव में करीब 17.47 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सीवरेज अवसंरचना परियोजना का भी उद्घाटन किया गया।

माता भगवती देवी शर्मा की स्मृति में स्मारक डाक टिकट का विमोचन



एजेंसी

हरिद्वार। शांतिकुंज में आयोजित माता भगवती देवी शर्मा के जन्मशताब्दी समारोह के अवसर पर उनके तप, त्याग, सेवा और मातृत्व से ओतप्रोत जीवन की स्मृति में विशेष स्मारक डाक टिकट का विमोचन किया गया।

समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, स्वामी राजराजेश्वराश्रम व जन्मशताब्दी समारोह के दलनायक डॉ. चिन्मय पण्ड्या सहित उपस्थित अतिथियों ने स्मारक डाक टिकट का संयुक्त रूप से अनावरण किया। इस अवसर पर सभी वक्ताओं ने माता भगवती देवी शर्मा के तप, त्याग, करुणा और मातृत्व को स्मरण करते हुए उनके जीवन को नारी जागरण, सेवा और सामाजिक चेतना का प्रेरक उदाहरण बताया। जन्मशताब्दी वर्ष में जारी स्मारक डाक टिकट उनके विचारों, जीवन मूल्यों और समाज निर्माण में दिए गए योगदान को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने का प्रतीक बनेगा। डाक टिकट के अनावरण के साथ समारोह में उपस्थित हजारों परिजनों ने श्रद्धा और भावनाओं के साथ माता भगवती देवी को नमन किया।

सार संक्षेप

नितिन नवीन रविवार को चंडीगढ़ दौरे पर

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन रविवार को चंडीगढ़ के एक दिवसीय प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे पार्टी के विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों में शामिल होंगे और कार्यकर्ताओं एवं प्रदेश संगठन के पदाधिकारियों के साथ संवाद करेंगे। भाजपा के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष रविवार दोपहर 3:30 बजे चंडीगढ़ के सेक्टर-27 स्थित रामलीला मैदान में आयोजित 'बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन' को संबोधित करेंगे। इस सम्मेलन में वे बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से संवाद कर संगठनात्मक गतिविधियों और पार्टी के विस्तार से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन देंगे।

मुख्यमंत्री योगी की मां के निधन पर जूना अखाड़े ने स्थगित किए सभी धार्मिक अनुष्ठान

हरिद्वार। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ की माता सावित्री देवी के निधन पर श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े ने तीन दिन तक देशभर के अपने सभी प्रमुख मठों, मंदिरों और आश्रमों में होने वाले धार्मिक अनुष्ठान व अन्य कार्यक्रम स्थगित कर दिए हैं। अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्रीमहंत हरि गिरि महाराज के निर्देश पर इन तीन दिनों में सावित्री देवी की आत्मा की शांति के लिए शांति पाठ, विशेष पूजा-अर्चना और हवन का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में शनिवार को हरिद्वार की अधिष्ठात्री देवी मां माया देवी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई।

अगर किसानों को मुआवजा नहीं मिला, तो बेलगावी सत्र नहीं चलने देंगे - कर्नाटक भाजपा

बेंगलुरु। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेंद्र ने शनिवार को राज्य सरकार को चुनौती दी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर भीषण सूखे से प्रभावित किसानों को सत्र शुरू होने से पहले पूरा मुआवजा नहीं दिया गया, तो विपक्ष बेलगावी शीतकालीन सत्र को सुचारू रूप से नहीं चलने देगा। बेलगावी के सुवर्ण विधान सौधा में कर्नाटक विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 2 दिसंबर से 11 दिसंबर, 2026 तक आयोजित होना है। बेंगलुरु में भाजपा के प्रदेश मुख्यालय 'जगन्नाथ भवन' में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए विजयेंद्र ने कहा कि किसान बहुत ज्यादा हताश हो रहे हैं।

पीएम मोदी बोले- 50 साल पहले सेमीकंडक्टर कंपनी का विरोध हुआ

लाल झंडा दिखाया गया, फिर मैंने पहल शुरू की, देश में आज 12 प्लांट

एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने शनिवार को IIT खड़गपुर में कहा, 'भारत में 50 साल पहले एक कंपनी सेमीकंडक्टर बनाने आई थी, उसे लाल झंडा दिखाकर रोक दिया गया। सवाल उठे कि इसकी क्या जरूरत है, यह देश भी बना रहा है, वो देश भी बना रहा। हम बनाकर क्या हासिल कर लेंगे।'

उन्होंने बताया, 'मैंने परवाह नहीं की। जब मैं आया तो खुद अफसरों के साथ बैठकर फाइलें तैयार करवाईं। आज चार सालों में ढेर सारी सेमीकंडक्टर कंपनियां आई हैं और प्रोडक्शन शुरू किया है।' मोदी ने IIT खड़गपुर के प्लेटिनम जुबली यानी स्थापना के



75 साल पूरे होने के मौके पर 23 मिनट स्पीच दी। इनोवेशन, डेवलपमेंट और IIT खड़गपुर के बारे में बात की। देश में सेमीकंडकटर के 12 प्लांट फैसिलिटीज हैं। इनमें से माइक्रोन टेक्नोलॉजी, केन्स सेमीकॉन, सीजी सेमी, कॉन्टिनेंटल डिवाइस इंडिया और सुचि सेमीकॉन में प्रोडक्शन शुरू हो चुका है।

पीएम ने कहा- IIT खड़गपुर ने बैलगाड़ी से बुलेट ट्रेन तक बदलाव देखा

पीएम ने कहा, बंगाल की वो धरती है, जहां से नेशनल मूवमेंट बने। यह संस्थान वहीं पर बना है जो स्वंत्रता सेनानियों का डिटेंशन कैंप हुआ करता था। उस समय उनकी गतिविधि आज भी मंत्र की तरह गूंजती होगी।

IIT खड़गपुर ने यहां बहुत से माइल स्टोन बनाए। 75 सालों में भारत ने बैलगाड़ी से बुलेट ट्रेन तक, डाकपत्रों से सोशल मीडिया तक बहुत कुछ बदलते देखा है।

मैं चुनौतियों को चुनौती देता हूं

पीएम ने कहा- आज हमारा सामर्थ्य इससे तय होता है कि हम कितनी चुनौतियों को चुनौती देने का साहस करते हैं।

ब्रिक्स किसी देश के लिए चुनौती नहीं, साझा समृद्धि का मंच है: ओम बिरला

'भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम' अर्थात संपूर्ण विश्व एक परिवार है'

एजेंसी

टोंक (राजस्थान)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि ब्रिक्स किसी भी देश के लिए चुनौती नहीं, भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना के अनुरूप यह सभी राष्ट्रों की साझा समृद्धि और कल्याण का मंच है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने यह बात राजस्थान के टोंक स्थित वनस्थली विद्यापीठ में आयोजित 'ब्रिक्स महिला नेतृत्व शिखर सम्मेलन' के उद्घाटन के अवसर पर कही। भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम' अर्थात संपूर्ण विश्व एक परिवार है- की अवधारणा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा ब्रिक्स किसी भी देश के लिए चुनौती नहीं है और न ही



इसका उद्देश्य किसी को चुनौती देना है। इसके विपरीत, इसका मार्गदर्शक दर्शन सभी राष्ट्रों की साझा समृद्धि और कल्याण में निहित है। भारत का दृष्टिकोण ब्रिक्स से भी व्यापक है तथा वैश्विक कल्याण और सहयोग के प्रयासों में प्रत्येक देश का अपना विशिष्ट महत्व है। उन्होंने कहा कि भौगोलिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों में भिन्नता के बावजूद सभी देश कई ऐसी साझा चुनौतियों का सामना कर रहे हैं जिनके लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। ब्रिक्स संवाद, सहयोग तथा विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है, जिससे देशों को साझा हितों और सर्वसम्मत समाधानों की दिशा में कार्य करने में सहायता मिलती है।

अरुणाचल प्रदेश में विकास, सुरक्षा और शांति पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण : अमित शाह

अरुणाचल प्रदेश पुलिस को राष्ट्रपति का ध्वज प्रदान किया, 932 नवनियुक्त कर्मियों को सौंपे गए नियुक्ति पत्र- सियांग परियोजना पर स्थानीय लोगों की सहमति से ही आगे बढ़ेगी सरकार, प्रभावितों को मिलेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। इटानगर, 21 नवंबर (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि अरुणाचल प्रदेश का विकास, वहां कानून-व्यवस्था बनाए रखना और शांति कायम रखना पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश पुलिस को प्रतिष्ठित राष्ट्रपति का ध्वज (प्रेसिडेंट्स कलर) प्रदान किया जाना राज्य के लोगों के लिए गर्व का विषय है। अमित शाह बंदरदेवा स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में अरुणाचल प्रदेश पुलिस को राष्ट्रपति का ध्वज प्रदान करने के लिए आयोजित समारोह को



संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अरुणाचल प्रदेश पुलिस, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), असम राइफल्स और अन्य सुरक्षा बलों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि ये बल अरुणाचल प्रदेश और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात रहकर देश की सुरक्षा और शांति बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने भाजपा सरकार के कार्यकाल में राज्य में स्वीकृत और पूरी की गई विभिन्न विकास परियोजनाओं का भी उल्लेख किया। इनमें सेला सुरंग, ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा, सड़क, रेलवे और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शामिल हैं। प्रस्तावित सियांग अपर बहुउद्देशीय परियोजना (एसयूएमपी) का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि यह राष्ट्रीय महत्व की परियोजना है। इसे अरुणाचल प्रदेश के विकास, देश की ऊर्जा सुरक्षा, राज्य की आय बढ़ाने, रणनीतिक हितों और युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखकर प्रस्तावित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार स्थानीय लोगों को विश्वास में लेकर ही इस परियोजना को आगे बढ़ाएगी। इसके लिए स्थानीय समुदायों की संस्कृति, परंपराओं और भावनाओं का सम्मान करते हुए बातचीत और परामर्श के जरिए रास्ता निकाला जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा-

वे स्वयं और भारत सरकार स्थानीय लोगों, खासकर आदि समुदाय की परंपराओं का गहरा सम्मान करते हैं। भविष्य में परियोजना को लेकर उठाए जाने वाले सभी कदम स्थानीय निवासियों के विश्वास और सहमति से ही तय किए जाएंगे। अमित शाह ने यह भी आश्वासन दिया कि परियोजना से प्रभावित लोगों को देश का सर्वश्रेष्ठ पुनर्वास और पुनर्स्थापन पैकेज दिया जाएगा। उन्होंने परियोजना का विरोध कर रहे स्थानीय निवासियों और संगठनों से राज्य सरकार के साथ बातचीत करने की अपील की।

यूपी में घना कोहरा, माउंट आबू में तापमान जीरो डिग्री



एजेंसी

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में अब ठंड और कोहरे का असर बढ़ने लगा है। यूपी के 12 जिलों में बारिश का अलर्ट है। प्रयागराज, गोरखपुर समेत कई शहरों में घना कोहरा छाया। राजस्थान में भी सर्दी बढ़ रही है। माउंट आबू में शनिवार को तापमान जीरो डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इस कारण ठिठुरन बढ़ गई है। सीकर में पारा 6.5 और जयपुर में 13.3 डिग्री रहा। हालांकि, दिन में गर्मी का असर बना हुआ है। बाड़मेर में अधिकतम तापमान 33.3 डिग्री दर्ज किया गया। चक्रवात अकवान के असर से बिहार, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में बारिश हो रही है। उधर दिल्ली में शनिवार सुबह हवा की गुणवत्ता यानी AQI 369 रिकॉर्ड की गई। यह गंभीर कैटेगरी में आती है।

2037 तक समृद्ध बिहार की कल्पना को जमीन पर उतारना लक्ष्य : सम्राट चौधरी

एजेंसी

वैशाली। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि वर्ष 2037 में जब बिहार अपनी स्थापना के 125 वर्ष पूरे करेगा, तब तक राज्य को समृद्ध बनाने की कल्पना को जमीन पर उतारना सरकार का लक्ष्य है। देश का विकास तभी संभव है, जब बिहार समृद्ध होगा। वैशाली जिले के जन्दाहा-राजापाकर औद्योगिक क्षेत्र के जाफरापट्टी में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बातें कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शनिवार को करीब 34 हजार करोड़ रुपये की विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास और



उद्घाटन किया गया है। इन योजनाओं से बिहार में विकास और समृद्धि का नया रास्ता खुलेगा। उन्होंने कहा कि बिहार में अब लोगों का रुझान वापस लौटने की ओर बढ़ रहा है। इस बार छठ पर्व के दौरान केंद्र सरकार ने रेलवे से लेकर विमान सेवाओं तक में सहयोग किया, जिससे बाहर रहने वाले बिहार के लोगों को अपने घर पहुंचकर छठी मैया की पूजा करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि सबसे गर्व की बात यह रही कि एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशनों पर छठी मैया के गीत गूंज रहे थे।

शिक्षा **'बल साउथ के देशों के लिए भारत एक विश्वसनीय विकास साझेदार के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है'**

'शिक्षा को विभिन्न देशों, संस्कृतियों और समुदायों के बीच एक सेतु का काम करना चाहिए'

एजेंसी

मुंबई। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि शिक्षा को विभिन्न देशों, संस्कृतियों और समुदायों के बीच एक सेतु का काम करना चाहिए, जो भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम' (पूरा विश्व एक परिवार है) की भावना को दर्शाता है। उप राष्ट्रपति राधाकृष्णन आज पुणे के सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड) यूनिवर्सिटी के 23वें दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।उन्होंने विद्यार्थियों से अपने



समारोह में महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, राज्य के उच्च एवं तकनीकि शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल, सिम्बायोसिस विश्वविद्यालय की चांसलर डाक्टर विद्या येरवडकर, विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं अध्यक्ष प्रोफेसर डाक्टर एस बी मुजूमदार, वाइस चांसलर डाक्टर रामकृष्णन रमण उपस्थित थे।

ज्ञान, कौशल और उपलब्धियों का उपयोग समाज हित में करने तथा वैश्विक विकास में सार्थक योदान देने का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने युवाओं से नशीले पदार्थों से दूर रहने और नशामुक्त समाज के निर्माण के महत्व के संबंध में दूसरों को भी जागरूककरने का आग्रह किया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि ग्लोबल साउथ के देशों के लिए भारत एक विश्वसनीय विकास साझेदार के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है और वर्ष 2014 से साझेदार देशों के 80 हजार से अधिक पेशेवरों को भारत के उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लाभ मिल चुका है। इनमें 30 हजार महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यूपीआई और इंडिया स्टैक जैसी पहलें साझेदार देशों में वित्तीय समावेशन, नवाचार और सुशासन को बढावा नक्शे देखेंदेने में मदद कर रही हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न संस्कृतियों का स्वागत करने, उनका सम्मान करने और उन्हें अपनाने में भारत में ताकत निहित है। उन्होंने स्नातकों को बधाई देते हुए सिम्बायोसिस के वैश्विक स्वरूप की सराहना की।

दिल्ली पुलिस ने पंजाब में टिंडर-आधारित 6.55 लाख की साइबर धोखाधड़ी के मास्टरमाइंड को किया गिरफ्तार



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को बताया कि द्वारका जिले के साइबर पुलिस स्टेशन ने पंजाब के फाजिल्का जिले के अबोहर से एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो टिंडर के जरिए हुए 6.55 लाख रुपये के ऑनलाइन फॉड मामले का मास्टरमाइंड था। आरोपी ने टिंडर डेटिंग ऐप के जरिए एक महिला से दोस्ती की, ऑनलाइन बातचीत से उसका भरोसा जीता और फिर फर्जी ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए उससे लगभग 6.55 लाख रुपये की ठगी की। आरोपी की पहचान पंजाब के अबोहर स्थित सिद्धू नगर के रहने वाले 30 वर्षीय विपुल पवार के रूप में हुई है। पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल किए गए दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, यह गिरफ्तारी द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) कुशल पाल सिंह और अतिरिक्त डीसीपी-1 विकास मीणा के निर्देश पर की गई है। एक महिला की शिकायत पर 20 मार्च को द्वारका के साइबर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि एक साइबर जालसाज ने उससे लगभग 6.55 लाख रुपए की ठगी की है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी ने टिंडर ऐप के जरिए महिला से संपर्क किया और धीरे-धीरे उसका भरोसा जीत लिया। इसके बाद उसने महिला को फर्जी तरीके से पैसे ट्रांसफर करने के लिए राजी कर लिया, जिससे उसे आर्थिक नुकसान हुआ। पुलिस ने बताया कि आरोपी का काम करने का तरीका यह था कि वह डेटिंग ऐप के जरिए महिलाओं से दोस्ती करता था और ऑनलाइन बातचीत से उनका विश्वास जीत लेता था। पीड़ितों के साथ अच्छी जान-पहचान होने के बाद, वह उन्हें बहला-फुसलाकर फर्जी ट्रांजेक्शन के जरिए पैसे ट्रांसफर करवा लेता था।

दिल्ली के विकासपुरी में करंट लगने से मासूम बच्चे की मौत, मां ने बिजली विभाग पर लगाया लापरवाही आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के विकासपुरी इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां खेलते समय एक 10 साल के मासूम बच्चे की करंट लगने से मौत हो गई। बच्चा खेलते-खेलते ट्रांसफॉर्मर के अंदर चला गया और करंट की चपेट में आ गया। इस हादसे के बाद इलाके में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बच्चे की मां ने बताया कि घटना के समय वहां मौजूद कॉलोनी के लोग खड़े थे और वीडियो बना रहे थे। लोग कह रहे थे कि झुग्गी के बच्चे को करंट लग गया है। उन्होंने कहा कि जितनी देर में लोग वीडियो बना रहे थे, उतनी देर में वे बिजली विभाग को फोन करके लाइट कटवा सकते थे और उनके बेटे को बचा सकते थे। लेकिन किसी ने ऐसा नहीं किया। मां ने आरोप लगाया कि वहां बैठे गार्ड ने भी बच्चे को बचाने का कोई प्रयास नहीं किया। उन्होंने कहा कि घटना शुक्रवार शाम करीब 7 बजे की है। बेटा दुकान से बिस्कुट लेकर खेलने के लिए गया था और फिर यह हादसा हो गया। परिजनों का कहना है कि ट्रांसफॉर्मर के आगे सिर्फ एक पर्दा लगा हुआ है, वहां कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। उन्होंने बिजली विभाग पर आरोप लगाते हुए कहा कि बिजली विभाग की लापरवाही ने उनके बेटे की जान ले ली। वहीं, पड़ोसी महिला राजकुमारी ने कहा कि बच्चे दौड़ते हुए आए और बोले कि बच्चा बिजली में चिपक गया है। यह सुनते ही वह भागते-भागते मौके पर पहुंचीं। उन्होंने बताया कि जब वह अंदर गईं तो देखा कि ट्रांसफॉर्मर का बॉक्स ठीक से ढका हुआ नहीं था। उस पर ताला भी बंद नहीं था, सिर्फ एक चादर से उसे ढक दिया गया था। राजकुमारी ने कहा कि बच्चे आंख-मिचौली खेल रहे थे। इसी दौरान बच्चा ट्रांसफॉर्मर के अंदर घुस गया। उसका पूरा शरीर अंदर था और सिर्फ पैर बाहर दिखाई दे रहे थे। जब उन्होंने परिजनों को सूचना दी तो बच्चे की मां, पिता और दादी भागते हुए मौके पर पहुंचे। आसपास के लड़के भी वहां इकट्ठा हो गए। इसके बाद पुलिस और बिजली विभाग को फोन किया गया।



15 दिन की अनुमति पर भारत आए, डेढ़ महीने से ज्यादा रुके ; तीन बांग्लादेशी पकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की फॉरेनर सेल और स्पेशल स्टाफ ने वीजा नियमों का उल्लंघन कर तय समय से अधिक रुकने के आरोप में तीन बांग्लादेशी नागरिकों को पहाड़गंज के एक होटल से पकड़ा है। तीनों 6 अक्टूबर को डबल एंट्री वीजा पर भारत आए थे। उनके वीजा की वैधता 14 दिसंबर तक थी, लेकिन भारत में ठहरने की अनुमति केवल 15 दिन की थी। इसके बावजूद तीनों तय अवधि से अधिक समय तक यहां रुके हुए थे। पुलिस ने तीनों को पकड़कर डिपोर्टेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर सेंट्रल जिले के होटलों और गेस्ट हाउसों में विदेशी नागरिकों के वीजा दस्तावेजों की जांच के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत फॉरेनर सेल और स्पेशल स्टाफ की टीम पहाड़गंज स्थित होटल सुदर्शन पैलेस, शोरा कोठी पहुंची। वहां ठहरे तीन बांग्लादेशी नागरिकों के पासपोर्ट और वीजा की जांच की गई तो उनके वीजा नियमों के उल्लंघन का पता चला। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए आरोपियों की पहचान साला उद्दीन (53), शौकत अली (40) और कमरुल हसन (25) के रूप में हुई है। तीनों बांग्लादेश के नोआखाली जिले के सोनाइमुड़ी के रहने वाले हैं। जांच में सामने आया कि तीनों 6 अक्टूबर को भारत आए थे। उनके पास डबल एंट्री वीजा था, जो 14 दिसंबर 2026 तक वैध था। हालांकि, इस वीजा पर भारत में रहने की अधिकतम अवधि 15 दिन ही निर्धारित थी। इसके बाद भी वे बिना अनुमति भारत में रह रहे थे। पुलिस ने जांच के दौरान कागजात सही नहीं मिलने पर तीनों को हिरासत में लिया और लोकनायक अस्पताल में मेडिकल जांच कराई। इसके बाद उन्हें फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) के सामने पेश किया गया। एफआरआरओ ने तीनों के खिलाफ प्रतिबंध आदेश जारी किए। इसके बाद उन्हें आगे की कार्रवाई और बांग्लादेश डिपोर्ट किए जाने की प्रक्रिया पूरी होने तक दिल्ली के सेवा धाम स्थित डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अभियान के दौरान होटलों और गेस्ट हाउसों में ठहरे विदेशी नागरिकों के दस्तावेजों की जांच जारी रहेगी, ताकि वीजा और इमिग्रेशन नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

रोहित गोदारा गैंग की रंगदारी साजिश का पर्दाफाश, तीन शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कारोबारी से रंगदारी वसूलने के लिए पीतमपुरा में उसके घर के बाहर ताबड़तोड़ गोलियां चलाने वाले रोहित गोदारा गैंग के तीन आरोपियों को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान निखिल कुमार (24), शुभम (23) और मोक्ष (24) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, विदेश में बैठे गैंग के गुर्गे विवेक ने स्थानीय नेटवर्क के जरिये फायरिंग की साजिश को अंजाम दिलाया था। आरोपियों के कब्जे से दो सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल, एक देसी पिस्टल और 12 कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल बाइक भी बरामद कर ली है। क्राइम ब्रांच के मुताबिक, 28 अक्तूबर की सुबह करीब पांच बजे बाइक सवार दो बदमाशों ने पीतमपुरा निवासी कारोबारी साहिल जैन उर्फ गूगल के घर के बाहर गोलियां चलाई थीं। हमलावरों ने उनकी कार को भी निशाना बनाया था। मामले में सुभाष प्लेस थाने में रंगदारी और आर्म्स एक्ट समेत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान विदेश में बैठे गैंगस्टर रोहित गोदारा का नाम सामने आया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई। एआरएससी की टीम ने आरोपियों की तलाश में लगातार पीछा किया। 500 किलोमीटर से अधिक दूरी तक सुराग जुटाने के बाद पुलिस ने तीनों को रोहिणी से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी दिल्ली में एक और बड़ी वारदात को अंजाम देने के इरादे से आए थे।

दिल्ली की छात्राओं को बड़ी सौगात: सीएम रेखा गुप्ता ने शुरू की दो नई 'यूनिवर्सिटी लेडीज स्पेशल' बसें

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में पढ़ने वाली छात्राओं के लिए कॉलेज का सफर अब और भी सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक होने जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कमला नेहरू कॉलेज (KNC) के 'कॉलेज डे' समारोह में शिरकत करते हुए छात्राओं को बड़ी सौगात दी और दो नई 'यूनिवर्सिटी लेडीज स्पेशल' बस सेवाओं का शुभारंभ किया।
इस पहल का मुख्य उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय (खासकर साउथ कैंपस) की छात्राओं को सुरक्षित और डायरेक्ट पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा मुहैया कराना है, ताकि उन्हें सफर में किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

लेडीज स्पेशल बसों के नए रूट

छात्राओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इन बसों को दो प्रमुख मेट्रो स्टेशनों से सीधे कॉलेजों तक जोड़ा गया है।
पहला रूट: लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टेशन से गार्गी कॉलेज तक।
दूसरा रूट: ग्रीन पार्क मेट्रो स्टेशन से कमला नेहरू कॉलेज तक।

'वंदे मातरम्' अकादमिक भवन का उद्घाटन

इस खास अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सिर्फ बस सेवाओं को ही हरी झंडी नहीं दिखाई, बल्कि कमला नेहरू कॉलेज परिसर में नवनिर्मित 'वंदे मातरम्' अकादमिक भवन का भी उद्घाटन किया। यह नया ब्लॉक छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक माहौल और आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है।
कार्यक्रम में मौजूद रहे कई गणमान्य लोग
कमला नेहरू कॉलेज के इस समारोह में राजनीति और शिक्षा जगत की कई बड़ी हस्तियां मौजूद रहीं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ विधायक अनिल शर्मा और विधायक नीरज बसोया शामिल हुए। इसके अलावा, शिक्षा क्षेत्र से गुजरात सेंट्रल यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. विजेता सिंह और दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी ने भी अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज कराई।



देवोत्थान एकादशी पर दो जरूरतमंद कन्याओं का सामूहिक विवाह संपन्न

नई दिल्ली, एजेंसी।
देवोत्थान एकादशी के पावन अवसर पर शाहदरा के गोरख पार्क स्थित श्री राजमाता झंडेवाला मंदिर में दो जरूरतमंद परिवारों की कन्याओं का सामूहिक विवाह संपन्न कराया गया। इस अवसर पर स्वामी राजेश्वरानंद राजगुरु जी महाराज ने कन्यादान कर नवदंपतियों को आशीर्वाद दिया।
सतगुरु राजदरबार के प्रबंधक राम वोहरा ने बताया कि तुलसी विवाह के अवसर पर आयोजित समारोह में सपना-उदित और दुर्गा-आशीष विवाह बंधन में बंधे। वैदिक मंत्रोच्चार और सनातन परंपराओं के अनुसार पंडित रोहित कौशिक ने विवाह संपन्न कराया। दोनों बारातों का मंदिर परिसर में स्वागत किया



गया तथा वर-वधू ने एक-दूसरे को जयमाला पहनाई।
विदाई के समय नवदंपतियों को कपड़े, बिस्तर, आभूषण, घड़ी, घरेलू उपकरण और दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएं उपहार स्वरूप भेंट की गईं। स्थानीय पार्षद प्रियंका सक्सेना और प्रेम बाबू सक्सेना ने कन्यादान किया। समारोह में दोनों परिवारों के अतिथियों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई।
इस अवसर पर स्वामी राजेश्वरानंद राजगुरु जी महाराज ने कहा कि हमारे तीज-त्योहारों पर पूजा-पाठ और शुभ कार्य ऐसे होने चाहिए, जिनसे स्वयं को आनंद मिलने के साथ किसी अभावग्रस्त परिवार की सहायता भी हो सके। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद कन्याओं का विवाह कराना तुलसी-शालिग्राम विवाह के अवसर पर सच्ची सेवा का अनुभव कराता है। उन्होंने आर्थिक रूप से असमर्थ परिवारों से अपनी बेटियों के विवाह के लिए वर्षभर संपर्क करने और सेवा का अवसर देने का आग्रह किया। कार्यक्रम में मुकेश गौड़, यशपाल भारद्वाज, विश्वास शुक्ल, मोहिंदर शर्मा और वीके शर्मा सहित अनेक सेवादारों ने सहयोग किया।

पुल मिठाई-पीली कोठी क्षेत्र में एमसीडी का अभियान, सड़क और फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के पुरानी दिल्ली जोन ने शनिवार को पुल मिठाई-पीली कोठी क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए वार्ड संख्या 72, 73 और 74 में अभियान चलाया। यह कार्रवाई दिल्ली पुलिस के उत्तरी जिले के डीसीपी कार्यालय की टीम के समन्वय से की गई, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में अस्थायी एवं स्थायी अतिक्रमण हटाकर सार्वजनिक मार्गों को बाधामुक्त करना तथा यातायात और पैदल यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाना है।
इस अभियान को एमसीडी ने आज सुबह 8 बजे शुरू किया। इसमें 4 ट्रक, 3 जेसीबी मशीनें, लाइसेंसिंग विभाग एवं स्वच्छता विभाग की टीमें तथा दिल्ली पुलिस का अतिरिक्त बल तैनात किया गया। अभियान के दौरान संबंधित क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई।
एमसीडी ने स्पष्ट किया है कि पुल मिठाई रेलवे पुल के आसपास का क्षेत्र निर्धारित रूप से नॉन-स्कटिंग जोन है। इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की वेंडिंग गतिविधि की अनुमति नहीं है। एमसीडी ने सभी सर्टिफिकेट ऑफ वेंडिंग धारकों को सूचित किया गया है कि वे इस निर्धारित क्षेत्र में अपना कारोबार न करें और नियमों का पालन सुनिश्चित करें।
एमसीडी ने स्पष्ट किया कि अतिक्रमण हटाने की यह कार्रवाई



केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि क्षेत्र को स्थायी रूप से अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने के लिए निरंतर निगरानी और प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। एमसीडी ने बताया कि यह अभियान कल भी जारी रखा जाएगा, ताकि पूरे क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया जा सके।

मतदाता सूची से नाम काटने और मुख्य चुनाव अधिकारी के तबादले पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से नाम हटाने और मुख्य चुनाव अधिकारी के तबादले को लेकर कांग्रेस ने भाजपा और दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आरोप लगाया कि पुनरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम हटाए गए और मुस्तफाबाद क्षेत्र में फर्जी प्रपत्र भरकर जीवित लोगों को मृत घोषित करने की शिकायतें सामने आई हैं।
देवेन्द्र यादव ने दावा किया कि दिल्ली में 47.56 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के कुछ बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं ने फर्जी प्रपत्र भरकर मतदाताओं के नाम कटवाने की कोशिश की। उन्होंने सवाल उठाया कि नाम हटाने से पहले संबंधित अधिकारियों ने मतदाताओं की वास्तविक स्थिति का सत्यापन क्यों नहीं किया।
कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्य चुनाव अधिकारी अशोक कुमार के तबादले पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जब हटाए गए वैध मतदाताओं के नाम दोबारा जोड़ने की प्रक्रिया चल रही है, तब अधिकारी का स्थानांतरण संदेह पैदा करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे पुनरीक्षण प्रक्रिया की पारदर्शिता और जवाबदेही प्रभावित हो सकती है।
उन्होंने कहा कि दिल्ली की लगभग 1.45 करोड़ मतदाता आबादी में से हटाए गए नामों को अनुपस्थित, स्थायी रूप से स्थानांतरित, मृत और दोहरे पंजीकरण जैसी श्रेणियों में रखा गया है। ऐसे समय में मुख्य चुनाव अधिकारी का तबादला प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर सवाल खड़े करता है
देवेन्द्र यादव ने भाजपा और दिल्ली सरकार से पूरे मामले में जवाबदेही तय करने तथा मतदाता सूची से हटाए गए पात्र नागरिकों के नाम पुनः जोड़ने की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मामले को लेकर चुनाव आयोग के समक्ष अपनी आपत्तियां उठाती रहेगी।

ड्रोन के जरिए पानी के छिड़काव का प्रायोगिक प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और धूल से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए पूर्वी जिले के नोडल सचिव वीके बिधूड़ी ने शनिवार को अक्षरधाम क्षेत्र का दौरा कर वहां प्रदूषण नियंत्रण के लिए किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया। यह क्षेत्र कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज प्रदूषण हॉटस्पॉट का हिस्सा है। निरीक्षण के दौरान अक्षरधाम के धोबीघाट के पास रेलवे के निर्माण कार्य का एक लंबा हिस्सा धूल उड़ने की समस्या के लिहाज से संवेदनशील पाया गया। इस समस्या के समाधान के लिए आज यहां ड्रोन के माध्यम से पानी के छिड़काव का प्रायोगिक प्रदर्शन किया गया। इस तकनीक के तहत ड्रोन जमीन पर रखे पानी के टैंक से पानी लेकर उड़ान भरता है और टैंक के दोनों ओर लगभग सौ-सौ मीटर तक पानी का छिड़काव कर सकता है। इससे रेलवे निर्माण स्थल के आसपास के बड़े क्षेत्र में पानी का छिड़काव कर उड़ती धूल को कम करने में मदद मिल सकती है। यह पहल प्रदूषण नियंत्रण के लिए आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इसके माध्यम से धूल प्रभावित क्षेत्रों में कम समय में अधिक प्रभावी ढंग से पानी का छिड़काव करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। विभिन्न विभागों के आपसी सहयोग से ऐसे नए उपायों को अपनाकर क्षेत्र में वायु प्रदूषण कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस दौरान एमसीडी, राजस्व विभाग, दिल्ली पुलिस, पीडब्ल्यूडी, डीएमआरसी, रेलवे सहित विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी और प्रतिनिधि मौजूद रहे। अधिकारियों ने प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए सभी विभागों के बीच बेहतर तालमेल और समय पर आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया।

दिल्ली में वीएचपी के 'हिंदू हितचिंतक अभियान' का शुभारंभ, एक करोड़ लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य : सुधांशु महाराज



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने 'हिंदू हितचिंतक अभियान' की शुरुआत की। संगठन ने इस बार एक करोड़ लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार और आध्यात्मिक गुरु सुधांशु महाराज मौजूद रहे। उन्हीं की उपस्थिति में इस अभियान का शुभारंभ किया गया। आध्यात्मिक गुरु सुधांशु महाराज ने इस अवसर पर कहा कि पूरे समाज में प्रेम, सद्भाव और एकता की भावना के साथ एक करोड़ लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि आज सभी हितचिंतकों को एकजुट करने और सद्भावना के साथ एक झंडे तले मिलकर काम करने का संकल्प लिया गया है। इसमें तन, मन, संसाधन और भावनाएं समर्पित की जाएंगी। इस संकल्प के लिए उन्होंने आलोक कुमार को हार्दिक बधाई दी। वहीं, वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने अभियान की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह वर्ष अशोक सिंघल का जन्मशताब्दी वर्ष है। हिंदू हित-चिंतक लोग हैं। हम हिंदू, विश्व हिंदू परिषद और हिंदू काम के भी हितचिंतक हैं। इसी सोच के साथ हम एक करोड़ लोगों के पास जाएंगे। आलोक कुमार ने कहा कि कार्यकर्ता लोगों से शुभकामनाएं, आशीर्वाद और सहयोग मांगेंगे। यह सहयोग केवल तन-मन का नहीं, बल्कि धन का भी होगा। अभियान के तहत 20 रुपये का समर्पण प्राप्त किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस राशि का उपयोग हिंदू संगठन के लिए, हिंदू की शक्ति के लिए, हिंदू की संपन्नता के लिए, समाज की एकात्मता के लिए, गाय, संस्कृत और वेद के लिए किया जाएगा। आलोक कुमार ने अभियान के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू परिषद का काम हिंदुओं का काम है। इसलिए हिंदुओं के पास जाना, तीन साल में एक बार दरवाजा खटखटाना, यह महत्वपूर्ण काम है। इससे सारे समाज का आशीर्वाद जुड़ता है और सारे समाज की भावना जुड़ती है।

उत्तराखंड के अधिकारों को लेकर जारी हुआ श्वेत पत्र, केंद्र से हस्तक्षेप की मांग



नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड राज्य गठन के 26 वर्ष बाद भी राज्य और उसके लोगों को अपेक्षित अधिकार नहीं मिलने का मुद्दा एक बार फिर उठाया गया है। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों, पूर्व सैन्य अधिकारियों और समाज के वरिष्ठजनों ने प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में श्वेत पत्र जारी कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्र सरकार से राज्य के अधिकारों की रक्षा के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की। श्वेत पत्र प्रस्तुत करते हुए वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी जगदीश ममगाई ने कहा कि राज्य गठन के बाद भी उत्तराखंड की परिसंपत्तियों, जमीन, जल संसाधनों और राजस्व पर पूरा अधिकार नहीं मिल पाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रभावी भू-कानून के अभाव में कृषि भूमि का हस्तांतरण हुआ और विभिन्न परियोजनाओं के नाम पर किसानों की जमीन दीर्घकालीन पट्टे पर दी जा रही है। उन्होंने सरकारी भर्तियों में अनियमितताओं, परीक्षा प्रश्नपत्र लीक, स्थानीय युवाओं की उपेक्षा और बेरोजगारी का मुद्दा भी उठाया। साथ ही वन कानूनों के प्रावधानों, पर्यावरणीय नुकसान और हिमालयी क्षेत्र में अनियंत्रित निर्माण गतिविधियों पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे राज्य की प्राकृतिक संपदा और जनजीवन प्रभावित हो रहा है। राज्य गठन आंदोलनकारी संगठनों की समन्वय समिति के संयोजक देव सिंह रावत ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों ने उत्तराखंड के स्वाभिमान और अधिकारों से जुड़े सवालों को केंद्र सरकार तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह श्वेत पत्र जारी किया है। उन्होंने खटीमा, मसूरी और मुजफ्फरनगर कांड के पीड़ितों को न्याय दिलाने में विफलता तथा आंदोलनकारियों की अपेक्षाओं की अनदेखी का मुद्दा भी उठाया। इस अवसर पर उत्तराखंड क्रांति दल के उपाध्यक्ष प्रताप सिंह शाही, विजय सत्ती और अनिल पंत सहित कई वरिष्ठ आंदोलनकारी नेताओं ने राज्य की परिसंपत्तियों, रोजगार, भू-कानून और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विषयों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने केंद्र सरकार से श्वेत पत्र में उठाए गए मुद्दों पर गंभीरता से विचार कर उत्तराखंड के हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने का आग्रह किया।

दिल्ली के वजीरपुर में एक व्यक्ति की चाकू से गोदकर हत्या, हत्यारों की तलाश में जुटी पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाहरी दिल्ली में अशोक विहार थाना क्षेत्र के वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में एक 45 वर्षीय व्यक्ति की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान जगदीश (45 वर्ष) निवासी एसएस नगर वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र के रूप में हुई है। उसके गले और शरीर पर चाकू के कई निशान मिले हैं। पुलिस के अनुसार, 20 नवंबर की रात करीब 10:15 बजे सूचना मिली कि फैक्ट्री नंबर ए-134 के सामने एक व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा है।

तुलसी विवाह प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश देता है: श्याम सुंदर अग्रवाल

नई दिल्ली, एजेंसी।
पूर्व महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल ने कहा कि तुलसी विवाह केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण संरक्षण और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का पर्व भी है। उन्होंने लोगों से प्रत्येक परिवार में तुलसी का पौधा लगाने और उसकी नियमित देखभाल करने की अपील की।
श्याम सुंदर अग्रवाल ने तुलसी के धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में तुलसी को मां के समान पूजनीय स्थान प्राप्त है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु ने तुलसी को वरदान दिया था कि उनकी पूजा तुलसी दल के बिना अधूरी मानी जाएगी। इसी परंपरा के तहत कार्तिक मास में तुलसी और शालिग्राम विवाह का आयोजन किया जाता है।
उन्होंने कहा कि मान्यता के अनुसार तुलसी विवाह संपन्न कराने से कन्यादान के समान पुण्य प्राप्त होता है। यह पर्व श्रद्धा, समर्पण, त्याग और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश देता है। धार्मिक आयोजनों को सामाजिक सरोकारों और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना आज के समय की आवश्यकता है।
इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष विपिन जैन, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष दिनेश बघेल, संस्था अध्यक्ष गौरव जैन, नरेश चंद जैन, सचिव रुचि जैन, मनोज कंसल, नितिन जैन, अशोक आहूजा, मोहित अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, अशोक सरीन, यमुनापार जैन समाज के प्रधान विराग जैन, अमित वर्मा, संजय गुप्ता, अजय शर्मा और केके शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।
कार्यक्रम में लोगों से अपने घरों में तुलसी के पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के साथ आने वाली पीढ़ियों को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया गया।



रंजिश में युवक पर चलाई गोली, बाल बाल बचा

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ति की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीड़ति की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ति ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ति ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने वहां से कुछ साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने पीड़ति के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़ति दसवीं तक पढ़ा है और फिलहाल कोई काम नहीं करता है। वहीं, गोलीबारी करने वाले सभी आरोपी नाबालिग हैं। जिस जगह पर घटना हुई है वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। घटना के बाद से नामजद सभी आरोपी अपने घर से गायब हैं। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए इनके ठिकानों पर दबिश दे रही है।

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए, पुलिस ने दो को दबोचा

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीड़ति को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि इलाका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहने को एक रुमाल में डालने के लिए कहा। उसके बाद पीड़ति कान के दोनों टॉप्स, मोती का माला और एक सोने का लॉकेट रुमाल में रख दिया। युवक ने उसमें गांठ लगाकर पीड़ति को सौंप दिया। उसके बाद दोनों युवक वहां से भाग गए। जांच करने पर रुमाल से गहने गायब पाया। महिला ने पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान कर ली। दोनों आरोपी के बी और सी ब्लॉक में मौजूद होने की जानकारी पर पुलिस ने वहां दबिश देकर दोनों को पकड़ लिया।

युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीपुरी इलाके में रविवार को युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर तमंचे को देख रहे थे, इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, पुलिस पंकज की बात पर यकीन करने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे आलम और आकाश के पकड़े जाने के बाद हकीकत सामने आएगी। वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पता लगा रही है कि तमंचा कहां से लाया गया था।

पुलिस के मुताबिक रविवार को बाबू जग जीवन राम अस्पताल से वारदात की सूचना मिली थी। रोहित सरदार कॉलोनी, रोहिणी, सेक्टर-16 में रहता था। पुलिस तभी से आरोपियों की तलाश कर रही है।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर संदीपा विर्क की न्यायिक हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली। तीस हजारी कोर्ट ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर संदीपा विर्क की न्यायिक हिरासत अवधि को 15 सितंबर तक बढ़ा दिया है। उनकी पिछली न्यायिक हिरासत खत्म होने पर उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। उसके बाद अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विजय शंकर की अदालत ने 14 दिन और न्यायिक हिरासत बढ़ाने का आदेश दिया। संदीपा को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 12 अगस्त को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया था। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने कहा कि मामले की जांच अभी जारी है और आवश्यकता पड़ने पर आगे भी हिरासत की मांग की जा सकती है। ईडी की जांच के अनुसार, संदीपा ने धोखाधड़ी और झूठे वादों के जरिए अपने नाम पर अचल संपत्ति खरीदी। वह खुद को हाइबूकेयर डॉट कॉम नामक वेबसाइट की मालिक बताती हैं जो कथित तौर पर एफडीए-स्वीकृत ब्यूटी प्रोडक्ट्स बेचने का दावा करती हैं। हालांकि, ईडी ने पाया कि वेबसाइट पर ये उत्पाद अस्तित्व में ही नहीं हैं। एजेंसी ने आरोप लगाया कि वेबसाइट पर न तो यूजर रजिस्ट्रेशन की सुविधा है

फुटपाथ पर बनी दरगाह तोड़ने पर फिर विचार के निर्देश, अदालत ने केस धार्मिक समिति को वापस किया

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने प्राचीन दरगाह हजरत भूरे शाह को ध्वस्त करने के मामले को दिल्ली सरकार की रिलिजियस कमेटी को वापस भेज दिया है। कोर्ट ने कमेटी को निर्देश दिया कि वह मामले की नए घटनाक्रमों को देखते हुए पुनः जांच करे। यह दरगाह मथुरा रोड पर नीला गुम्बद के पास अमीर खुसरो पार्क में स्थित है, जहां फुटपाथ पर कब्रों के कारण पैदल यात्रियों को असुविधा का मुद्दा है। याचिकाकर्ता यूसुफ बैग, जो खुद को दरगाह का केयरटेकर बताते हैं, ने अप्रैल 2023 में दिल्ली सरकार और अन्य अधिकारियों के खिलाफ याचिका दायर की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि था कि 1 अप्रैल 2023 को बिना नोटिस के दरगाह की संरचना को तोड़ दिया गया, जिससे उन्हें 10 लाख रुपये का मुआवजा मांगा। कोर्ट ने 19 अप्रैल 2023 को यथा स्थिति बनाए रखने का आदेश दिया और विभिन्न विभागों- पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (पीडब्ल्यूडी), म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑफ दिल्ली (एमसीडी), डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट साउथ-ईस्ट, लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफिस (एलएंडडीओ), दिल्ली वक्फ बोर्ड और याचिकाकर्ता के प्रतिनिधि से साइट का निरीक्षण कर रिपोर्ट मांगी। दिल्ली वक्फ बोर्ड की शुरुआती रिपोर्ट में इसे 1976 की गजट अधिसूचना में सूचीबद्ध वक्फ संपत्ति बताया गया। इसमें 1000 वर्ग गज क्षेत्र का उल्लेख है, लेकिन बाद में दाखिल लिखित सबमिशन में बोर्ड ने अपना रुख बदलते हुए कहा कि कोई अधिकृत संरचना का रिकॉर्ड नहीं है और कब्रों की स्थानांतरण की सिफारिश का विरोध नहीं करता। बोर्ड ने यह भी माना कि फुटपाथ पर कब्रें पैदल यात्रियों के लिए असुविधाजनक हैं और उन्हें पास की उपयुक्त जगह पर स्थानांतरित किया जा सकता है। कोर्ट ने रिलिजियस कमेटी की 17 जुलाई 2023 की बैठक के मिनट्स का हवाला दिया, जिसमें कमेटी ने कब्रों को फुटपाथ से हटाने और दूसरी जगह स्थानांतरित करने की सिफारिश की थी। कमेटी ने नोट किया कि एक व्यक्ति (सैयद भूरे शाह) के नाम पर कई मजार होने से सवाल उठते हैं और यह पैदल यात्रियों के लिए बाधा हैं। निरीक्षण रिपोर्ट में पीडब्ल्यूडी, एसडीएम और एलएंडडीओ ने स्पष्ट किया कि दरगाह मथुरा रोड के राइट ऑफ वे में आती है और यह सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण है। रिपोर्ट के अनुसार, फुटपाथ पर 7 कब्रें या मजार हैं, जो लगभग 15 मीटर क्षेत्र को कवर करती हैं और पैदल यात्रियों के लिए बाधा हैं। एलएंडडीओ ने कहा कि यह भूमि पीडब्ल्यूडी के रखरखाव में है और कोई आवंटन दरगाह के नाम पर नहीं किया गया।

क्रेटा कार चालक नाबालिग ने मारुति वैन को मारी टक्कर, एक की मौत

नई दिल्ली। शाहदरा जिला के जीटीबी अस्पताल की लालबत्ती पर मंगलवार तड़के क्रेटा कार चालक नाबालिग ने मारुति वैन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैन के साथ-साथ क्रेटा के भी परखच्चे उड़ गए। हादसे में वैन में पिछली सीट पर बैठे एक युवक की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त चंदन कुमार (48) के रूप में हुई है। हादसे में उसके साथ वैन में मौजूद साथी नीरज, सुमित और हिमांशु मामूली रूप से जख्मी हो गए। इनको जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने चंदन का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने जीटीबी एन्क्लेव थाने में मामला दर्ज कर आरोपी 17 वर्षीय नाबालिग को हिरासत में ले लिया है। देर रात उसके साथ क्रेटा में उसके चार दोस्त भी मौजूद थे। गनीमत यह रही कि हादसे में किसी को चोट नहीं लगी। पुलिस नाबालिग की सही उम्र का पता लगाने का प्रयास कर रही है। इस बात का भी पता किया जा रहा है कि नाबालिग ने शराब तो नहीं पी हुई थी। जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया के चंदन कुमार अपने परिवार के साथ गांव साहिबाबाद, गाजियाबाद में रहते थे। इनके परिवार में पिता महेश कुमार के अलावा छोटा भाई, पत्नी और एक बेटा व बेटी है। चंदन कौशांबी के एक सिनेमा हॉल में काम करते थे। अक्सर उनकी नाइट शिफ्ट होती थी। सिनेमा हॉल की ओर से घर पहुंचाने के लिए देर रात को स्टाफ के लिए मारुति वैन उपलब्ध करवाई जाती थी। चंदन ड्यूटी खत्म करने के बाद बाकी स्टाफ नीरज, सुमित और हिमांशु के साथ देर रात घर के लिए निकले थे। चारों स्टाफ को लेकर चालक जीटीबी अस्पताल की लालबत्ती पर पहुंचा। इसी दौरान लालबत्ती तोड़कर क्रेटा कार ने वैन को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में वैन के अलावा क्रेटा के भी परखच्चे उड़ गए। राहगीरों ने घायलों को निकालकर जीटीबी अस्पताल भेजा, जहां चंदन को मृत घोषित कर दिया गया। उसके सिर में गंभीर चोट लगी थी। बाकी स्टाफ को मामूली चोटें थीं। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेटा कार को कब्जे में ले लिया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से मामले की छानबीन कर रही है।

हिसाब गलत बताकर होटल कारोबारी को धमकाया

इंदिरापुरम। वसुंधरा सेक्टर तीन स्थित होटल हवेली पैलेस के मालिक विकास जैन ने पेंटर के भाई पर अकरम नाम के व्यक्ति पर धमकी देने और दबाव बनाकर ज्यादा रुपये मांगने का आरोप लगाया है। आरोप है कि तीन सितंबर को आरोपी ने उनके कार्यालय पहुंचकर उनके कर्मचारी को भी धमकी दी। छह सितंबर को पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। दर्ज मुकदमे में होटल कारोबारी विकास जैन ने बताया कि उनका पेंटर के साथ रुपयों का हिसाब-किताब चल रहा है।

NAME CHANGE
I, ARUN KUAMR S/O BIHARI SINGH R/O RZF-500/5 MAHATMA GANDHI MARG RAJ NAGAR PART-2 PALAM COLONY NEW DELHI 110077, CHANGED MY NAME TO ARUN KUMAR.

Name Correction
I ASHIYA BEGUM WO/MUKHTAR AHMAD Resident of House No 1085 STREET NO 36 JAFRABAD SEELAMPUR NORTH EAST Delhi 110053 do hereby solemnly affirm and declare as under.That my Son FAISAL AND MOHD FARHAN Mother name Mistake Passport mention My incorrect NAME ASHIYA My Correct name ASHIYA BEGUM My Son Name Incorrect Faisal Correct Name Mohd Faisal.

Name Correction
I ASHIYA BEGUM W/O MUKHTAR AHMAD Resident of House No 1085 STREET NO 36 JAFRABAD SEELAMPUR NORTH EAST Delhi 110053 do hereby solemnly affirm and declare as under.That my Passport mention My NAME AND MY FATHER NAME AND MY MOTHER NAME incorrect name is ASHIYA My Correct name ASHIYA BEGUM AND My Father Name Incorrect Khalid Correct Name ABDUL KHALIQ My Mother Name Incorrect KHURSHIDA Correct Name KHURSHIDA BEGUM

PUBLIC NOTICE
BE IT KNOWN THAT MY CLIENT SH.MANJEET SINGH S/O LATE SH.HARNAM SINGH R/o House No-90, BLK No 13, Dakshin Puri Ext, Dr Ambedkar Nagar, South DELHI, DELHI-110062 HAS DEBARRED HER SON GURMEET SINGH S/O SH. MANJEET SINGH R/0 House NO-90, BLK No 13, Dakshin Puri Ext, Dr Ambedkar Nagar, South DELHI, DELHI-110062 FROM ALL HIS PROPERTIES BOTH MOVABLE AND IMMOVABLE, MY CLIENT HAS NO CONTROL OVER HIM AND A WILL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY ILLEGAL ACTS OR EXECUTE ANY DOCUMENTS AND DEEDS OF ABOVE NAMED PERSON.
JATIN VOHRA ADVOCATE
Ch. No-310, Lawyer's Block, Saket Courts Complex, Saket, New Delhi-17.

NAME CHANGE
I, SHEETAL, W/o RISHABH PRATAP SINGH, R/o J-1303, 13TH FLOOR, ANTRIKSH FOREST, SECTOR-77, NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201301, have changed my name to SHEETAL CHAUHAN" for all future purposes.

NAME CHANGE
I AMIR AHMED S/O JAMIL AHMED R/0H.NO 256/2 WARD NO 9 SANT NAGAR OLD FARIDABAD HARYANA 121001 CHANGED MY NAME TO AMIR AHMED ALVI

NAME CHANGE
I, JC-314443L, Rank-SUB SKT, Name-VAKIL KUMAR ROY residing at VILL-BALUAN (WEST), PO-KANSDIARAS (NARAW), KANS DIAR, SARAN, BIHAR-841216, have changed my name from VAKIL KUMAR ROY to VAKIL KUMAR RAI for all future purposes vide Affidavit dated 21/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-333462L Rank-SUB/JE CIVIL Name-SATHISH M R/o HOUSE No- 261, 2nd CROSS, JAI JAWAN NAGAR, SUBBANNAPPALYA EXTENSION, BANGALORE NORTH, MARUTHI SEVANAGAR, BANGALORE, KARNATAKA-560033, have changed my name from SATHISH M, SATISH M to M SATISH for all future purposes vide affidavit dated 21/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I RISHIPAL s/o harish chand tyagi R/o U2/07 sec 76 Faridabad haryana have change my name to RISHI TYAGI for all future purposes

NAME CHANGE
I, Shailendra Tyagi S/o Ramnath Tyagi R/o 256, Saddik Nagar, Near Tempu Stand, Sihani, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001 have changed the name of my minor Son Aaradhy Attray Tyagi aged 14 years and he shall hereafter be known as Avyukt Tyagi

NAME CHANGE
I, ARUN KUAMR S/O BIHARI SINGH R/O RZF-500/5 MAHATMA GANDHI MARG RAJ NAGAR PART-2 PALAM COLONY NEW DELHI 110077, CHANGED MY NAME TO ARUN KUMAR.

Name Correction
I ASHIYA BEGUM WO/MUKHTAR AHMAD Resident of House No 1085 STREET NO 36 JAFRABAD SEELAMPUR NORTH EAST Delhi 110053 do hereby solemnly affirm and declare as under.That my Son FAISAL AND MOHD FARHAN Mother name Mistake Passport mention My incorrect NAME ASHIYA My Correct name ASHIYA BEGUM My Son Name Incorrect Faisal Correct Name Mohd Faisal.

Name Correction
I ASHIYA BEGUM W/O MUKHTAR AHMAD Resident of House No 1085 STREET NO 36 JAFRABAD SEELAMPUR NORTH EAST Delhi 110053 do hereby solemnly affirm and declare as under.That my Passport mention My NAME AND MY FATHER NAME AND MY MOTHER NAME incorrect name is ASHIYA My Correct name ASHIYA BEGUM AND My Father Name Incorrect Khalid Correct Name ABDUL KHALIQ My Mother Name Incorrect KHURSHIDA Correct Name KHURSHIDA BEGUM

PUBLIC NOTICE
BE IT KNOWN THAT MY CLIENT SH.MANJEET SINGH S/O LATE SH.HARNAM SINGH R/o House No-90, BLK No 13, Dakshin Puri Ext, Dr Ambedkar Nagar, South DELHI, DELHI-110062 HAS DEBARRED HER SON GURMEET SINGH S/O SH. MANJEET SINGH R/0 House NO-90, BLK No 13, Dakshin Puri Ext, Dr Ambedkar Nagar, South DELHI, DELHI-110062 FROM ALL HIS PROPERTIES BOTH MOVABLE AND IMMOVABLE, MY CLIENT HAS NO CONTROL OVER HIM AND A WILL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY ILLEGAL ACTS OR EXECUTE ANY DOCUMENTS AND DEEDS OF ABOVE NAMED PERSON.
JATIN VOHRA ADVOCATE
Ch. No-310, Lawyer's Block, Saket Courts Complex, Saket, New Delhi-17.

NAME CHANGE
I, SHEETAL, W/o RISHABH PRATAP SINGH, R/o J-1303, 13TH FLOOR, ANTRIKSH FOREST, SECTOR-77, NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201301, have changed my name to SHEETAL CHAUHAN" for all future purposes.

NAME CHANGE
I AMIR AHMED S/O JAMIL AHMED R/0H.NO 256/2 WARD NO 9 SANT NAGAR OLD FARIDABAD HARYANA 121001 CHANGED MY NAME TO AMIR AHMED ALVI

NAME CHANGE
I, JC-314443L, Rank-SUB SKT, Name-VAKIL KUMAR ROY residing at VILL-BALUAN (WEST), PO-KANSDIARAS (NARAW), KANS DIAR, SARAN, BIHAR-841216, have changed my name from VAKIL KUMAR ROY to VAKIL KUMAR RAI for all future purposes vide Affidavit dated 21/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-333462L Rank-SUB/JE CIVIL Name-SATHISH M R/o HOUSE No- 261, 2nd CROSS, JAI JAWAN NAGAR, SUBBANNAPPALYA EXTENSION, BANGALORE NORTH, MARUTHI SEVANAGAR, BANGALORE, KARNATAKA-560033, have changed my name from SATHISH M, SATISH M to M SATISH for all future purposes vide affidavit dated 21/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Shailendra Tyagi S/o Ramnath Tyagi R/o 256, Saddik Nagar, Near Tempu Stand, Sihani, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001 have changed the name of my minor Son Aaradhy Attray Tyagi aged 14 years and he shall hereafter be known as Avyukt Tyagi

NAME CHANGE
I SHANKAR S/O RAM NIWAS R/O PLOT NO 82 GALI NO-3 KH NO 60 NEW SABHAPUR, GUJRAN KARAWAL NAGAR,DELHI-110094 HAVE CHANGE MY NAME TO SHANKAR KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, VIRENDER GOEL S/o MADAN LAL GOEL R/o H NO 4 NEAR THAPAR FARM CHURCH ROAD VASANT KUNJ, WEST DELHI-110070 HAVE CHANGED MY NAME TO VIRENDER KUMAR GOEL ALL FUTURE PURPOSES

LOST & FOUND
I,mrs. Annapoorny bala Subramanian resident of E-82, Seema Apartment plot- 7, sector 11, Dwarka, Delhi, has lost/misplaced the original relinquishment deed of property B-202 Yamuna Apartment Alaknanda New Delhi 110019. A complaint regarding the same has been lodged with Delhi Police vide LR No: 791617/2026. If found by anyone, please contact the undersigned. **Annapoorny**

DATE OF BIRTH CHANGE
I, NO-14660293N Rank-HAV Trade-TECH COMMUNICATION Name-AJOY BORO residing at VILL-SONAJULI PAM No.1, PO-SONAPUR, DIST-SONITPUR, P.O-GOHPUR, ASSAM-784168, declare that in my service records, my wife's (JINU BORO) date of birth is wrongly mentioned as 24/01/1990, instead of her correct date of birth as 24/01/1993, vide Affidavit dated 21/11/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Mr. Ashish Chandra Roy Owner of the Residential Flat bearing no. A-94, First floor, Type-5, Block-A, Jalvayu Vihar, Sector-21, Noida, District Gautam Budh Nagar, U.P. Mr. Ashish Chandra Roy have lost Original Allotment Letter dated 30.11.1984 issued by Air Force and Naval Housing Board in the name of Mr. D.S. Basra, for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage
RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor, Patparganj Village, Mayur Vihar, Phase-I, Delhi-1, M-NO- 7252922875

NAME CHANGE
I, No.-15720447X Rank-L/NK Name-SHRI RATAN MAZUMDER legal father of KHUSHI MAZUMADER residing at- VILL-RADHANAGAR, UNDER DIGLIPUR TEHSIL, N&M ANDAMAN DISTRICT A&N ISLANDS, have changed my minor daughter's name from KHUSHI MAZUMADER to KHUSHI MAZUMDER for all future purposes vide affidavit dated 29/09/2026 Before Notary Public, N&M Andaman A&N Islands.

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to the general public that the following original property documents relating to the Property bearing No. WZ-442, part of Khasra No. 1791/2min, situated in the Lal Dora of 1908-09 village Naraina, New Delhi have been lost/misplaced and are not traceable despite best efforts: 1. Original Sale Deed Dated 14.05.1997 executed in favour of Mr. Devendra Kumar Goel S/o Mr. Dwarka Parshad Goel in respect of entire property, as Doc. No. 2849 Book No. 1, Vol. No. 9458 on Pages No. 181-185 on dated 14.05.1997, SR-II Delhi.in respect of the property. 2. Original Lal Dora Certificate in in respect of the aforesaid property. A lost document report bearing LR No. 813502/2026 dated 21.11.2026 has been lodged with Delhi Police, NAJAFGARH Police Station. Any person(s) having any claim, right, title, interest, or objection in respect of the said property, or having found the aforementioned original documents, is requested to intimate the same in writing along with supporting evidence to the undersigned at the address mentioned below within 7 days from the date of publication of this notice, failing which it will be presumed that no such claim/objection exists, and the owner shall proceed with applying for duplicate documents / dealing with the property.
Amarjeet Patel
S/o Panna Lal,
Property bearing No. WZ-442,
Naraina, Delhi-110028
Mobile: 88002 75929

PUBLIC NOTICE
Mr. Ish Julka Owner of the Residential LIG Flat no -69A, Ground floor, Block-B , Sector -19, Noida, District Gautam Budh Nagar, U.P. Mr. Ish Julka have lost Original Memorandum of Allotment letter dated 08.10.1984 issued by NOIDA in favour of Mr. Shiv Narain Srivastava, for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage
RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor, Patparganj Village, Mayur Vihar, Phase-I, Delhi-1, M-NO- 7252922875

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to public at large that my client Mrs. Amita, W/o. Lt. Sh. Sanjeev Chitkara, D/o Sh. Krishan Lal Sharma, R/o P-58, Sector-11, Noida, U.P.-201301 has separated and broken all her ties with her son Mr. Deepanshu Chitkara due to his disrespectful and ignorant behaviour and aggressive temperament towards my client. Mr. Deepanshu Chitkara has no claim or title to any of the movable or immovable properties possessed or belonging to my client. They have no power or authority to incur any debts on the security of my client said properties and any person hereafter giving him any loan or advance shall be doing so entirely on his own risk and responsibility. My client, nor her properties, shall in any way be responsible for such debts.
KHUSHI SHARMA
Advocate
Ch. No.C-91, C.L. Joseph Block, Tis Hazari Courts, New Delhi-54.

PUBLIC NOTICE
I, on behalf of my clients Heera Lal s/o Shri Shyam Lal and Meenu wife of Heera Lal both R/o f A-367, J.J. Colony, Tigri, New Delhi-110080, hereby inform the general public that my clients have disowned and debarred their Daughter Mamta alias Gungun from all their movable and immovable properties, assets, rights, interests and claims, due to their misconduct, misbehavior and disobedience towards my clients. My clients have severed all relations with them and shall not be liable or responsible for any act, deed, omission, debt, liability or transaction, whatsoever, undertaken by the said Daughter.
MUKESH KUMAR Advocate
CH. No.484, Saket Court, New Delhi-110017

NAME CHANGE
I, JOTHI ANNASAHEB AVHAD, wife of No.-15180504A, Rank-HAV, Name- ANNASAHEB BHAGUJI AVHAD residing at VILL/PO-DAPUR, TEHSIL-SINNAR, DIST-NASHIK, MAHARASHTRA-422103, have changed my name from JOTHI ANNASAHEB AVHAD to JYOTI ANNASAHEB AVHAD for all future purposes vide Affidavit dated 21/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I KHAJINDER SINGH S/O SURJAN SINGH R/O H NO-B-139, SECOND FLOOR, CHITRANJAN PARK, SOUTH DELHI, DELHI-110019. have changed my name to GAJINDER SINGH for all purposes.

NAME CHANGE
I, SULTANA W/o MOHD SHAKEEL R/o 17-C NEW MODEL BASTI RANI JHANSI ROAD KAROL BAGH DELHI 110005 have changed my name to SULTANA BEGUM W/o MOHD SHAKEEL for all future Purposes.

PUBLIC NOTICE
Mr. Kamalesan Owner of the Residential Flat bearing no. 58, 2nd floor , situated in Sanchar Vihar developed by Sanchar Vihar Sahakari Awas Samiti Ltd., plot no C-58/4 , Sec -62, in Noida, District Gautam Budha, Nagar, U.P. Mr. Kamalesan have lost Original Share certificate Sanchar Vihar Sahakari Awas Samiti Ltd., In favour of Mr. B.P. Singh, for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage
RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor, Patparganj Village, Mayur Vihar, Phase-I, Delhi-1, M-NO- 7252922875

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, No-15816881F Rank-NK Name-AMIT KUMAR R/o HOUSE NO-16, AURADAAD, SEMARI, SANT KABIR NAGAR, AURADAND, UTTAR PRADESH-272165, have changed my father's name from RAM YAGHA PANDEY to SURENDRA NARAYAN PANDEY for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/05/1940 instead of his correct date of birth as 11/01/1961 vide Affidavit dated 21/11/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
This is for information of General Public that My client Mr. Harpreet Singh S/o Mr. Diwan Singh R/o 20B/68B, Ground Floor, Tilak Nagar west Delhi, Delhi-110018. is purchasing the Freehold Residential Entir Groung Floor, without roof rights of freehold property bearing No. 16/49-B, area measuring 100 sq. yards., Situated at Tilak Nagar New Delhi. from Mrs. Geeta Malik, Mrs. Shashi Rani & Mrs. Radha, who has lost Original Sale Deed dated 14.05.2003 executed by Mr. IS Bedi (Vendor), and Mrs. Kawaljeet Kaur Bedi (Confirming Vendor) in favour of Mrs. Swaran Kanta having Registration No. 5737 in Book No. 1, on dated 14.05.2003 registered with the office of the Sub Registrar-Delhi/New Delhi, in relation to said property. In case anybody finds the above said documents and any person having any claim/s in respect of the above said property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below within 7 days from the date of publication hereof together with copies of documents on the basis of which such claim be deemed and if there is no claim received against the said property then my client may proceed with its intended object as mentioned above.
RAJESH K GUPTA Advocate
F-42 & 43, Dilshad Colony, Delhi- 110095.
8882766856
rlegalloan@gmail.com

ठगी करने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड प्रेमिका सहित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर लोगों को ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करता था। जालसाज ठगी के लिए मलयेशिया और वियतनाम के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के एटा स्थित गांव नंगला गालू निवासी सहदेव सिंह और एटा के गांव पिलुआ उसकी प्रेमिका के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे 2 मोबाइल, 3 पासबुक, 3 चेकबुक, 2 डेबिट कार्ड, 5 भारतीय और 3 वियतनाम के सिम कार्ड्स बरामद किए हैं। पुलिस ने इनके बैंक खाते फ्रीज करा दिए और पीड़ति के 78,920 रुपये भी होल्ड करा दिए हैं। बुराड़ी निवासी धर्मेंद्र ने 6 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने सिंगापुर से टूरिज्म मैनेजमेंट का कोर्स किया था। इसके बाद धर्मेंद्र ने एक व्हाट्सएप ग्रुप वर्क इंफॉर्मेशन के जरिए नौकरी की तलाश शुरू की। इसी ग्रुप में मयंक पांडे नाम के व्यक्ति ने उन्हें वियतनाम के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में नौकरी स्थित गांव नंगला गालू निवासी सहदेव सिंह और एटा के गांव पिलुआ उसकी प्रेमिका के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे 2 मोबाइल, 3 पासबुक, 3 चेकबुक, 2 डेबिट कार्ड, 5 भारतीय और 3 वियतनाम के सिम कार्ड्स बरामद किए हैं। पुलिस ने इनके बैंक खाते फ्रीज करा दिए और पीड़ति के 78,920 रुपये भी होल्ड करा दिए हैं। बुराड़ी निवासी धर्मेंद्र ने 6 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने सिंगापुर से दिलाने के लिए कहा। आरोपी ने पीड़ति से वियतनाम के वीजा के लिए 10 हजार रुपये ले लिए। पीड़ति वीजा मिलने पर वियतनाम पहुंचा। इसके बाद आरोपियों ने ऑस्ट्रेलियाई वीजा के लिए बैंक बैलेंस दिखाने का बहाना बनाकर पीड़ति से 3 हजार डालर यानि (करीब 3.12 लाख रुपये) की मांग की। पैसे ट्रांसफर होते ही आरोपियों ने धर्मेंद्र को ब्लॉक कर द

संक्षिप्त डायरी

PM मोदी के सामने सीएम सम्राट ने बताया बिहार के विकास का प्लानः महागठबंधन पर भी जमकर बोला हमला

एजेंसी



पटना। हाजीपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार के विकास का खाका पेश किया। उन्होंने 1200 एकड़ में औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने, एक लाख लोगों को रोजगार देने, कपूर्री ठाकुर के नाम पर स्किल यूनिवर्सिटी बनाने और 700 स्थानों पर सरस्वती विद्या निकेतन स्थापित करने की योजना बताई। वैशाली में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए बिहार में एनडीए सरकार के एक साल के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि 2025 के विधानसभा चुनाव में बिहार की जनता ने एनडीए को 202 सीटों के साथ प्रचंड बहुमत दिया। इसके लिए उन्होंने प्रदेश की जनता का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में बिहार विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने नीतीश सेतु के उद्घाटन को बिहार के विकास की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस बात की चर्चा कर रहे थे कि कार्यक्रम के प्रोटोकॉल में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तस्वीर नहीं है, लेकिन यह पूरा पुल ही नीतीशमय हो गया है। यह नीतीश कुमार के नाम पर समर्पित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा है। वहीं, बिहार सरकार 2036 तक समृद्ध बिहार बनाने के संकल्प के साथ काम कर रही है। 34 हजार करोड़ की परियोजनाओं से बिहार को मिलेगी रफ्तार सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार में करीब 34 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर रहे हैं। इन परियोजनाओं से सड़क संपर्क, ऊर्जा, शहरी बुनियादी ढांचे, जल संसाधन, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन के क्षेत्र में विकास होगा। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से बिहार की समृद्धि का रास्ता खुलेगा और प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। 1200 एकड़ में उद्योगों का जाल बिछाने की तैयारी मुख्यमंत्री ने बिहार से युवाओं के पलायन का मुद्दा उठाते हुए कहा कि अब सरकार का जोर राज्य में उद्योग-धंधों को बढ़ावा देने पर है। उन्होंने बताया कि जंदाहा, राजापाकर और महुआ क्षेत्र में करीब 1200 एकड़ जमीन अधिग्रहित की गई है। यहां फूड प्रोसेसिंग यूनिट और अन्य औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने की योजना है। उन्होंने दावा किया कि इस औद्योगिक क्षेत्र के विकास से करीब एक लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि पहले बिहार में सड़क, बिजली, पानी और आधारभूत संरचना के विकास पर काम हुआ। अब एनडीए सरकार राज्य में औद्योगिक विकास को प्राथमिकता दे रही है, ताकि बिहार के युवाओं को रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़े। कपूर्री ठाकुर के नाम पर बनेगी स्किल यूनिवर्सिटी मुख्यमंत्री ने शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में सरकार की योजनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि बिहार के बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिए दूसरे राज्यों में जाने की जरूरत नहीं पड़े, इसके लिए सरकार काम कर रही है। स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए करीब 18 हजार करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने जननायक कपूर्री ठाकुर के नाम पर स्किल यूनिवर्सिटी स्थापित करने की योजना का जिक्र किया। इसके अलावा राज्य में 700 स्थानों पर सरस्वती विद्या निकेतन स्थापित करने की बात कही। मुख्यमंत्री के मुताबिक, इन संस्थानों के माध्यम से करीब साढ़े चार लाख बच्चों को शिक्षा देने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार ऐसी ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था विकसित कर रही है, जिसमें रात एक बजे भी जरूरत पड़ने पर बच्चों को शिक्षक उपलब्ध हो सकेंगे। 10.5 लाख आवेदन आए, 30 दिन में कार्रवाई नहीं तो निलंबन सम्राट चौधरी ने सुशासन की चर्चा करते हुए सरकार के सहयोग कार्यक्रम का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि 19 मई से शुरू हुए इस कार्यक्रम के तहत अब तक करीब साढ़े दस लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि आवेदनों के निपटारे के लिए समयसीमा तय की गई है। यदि दस दिनों के भीतर संबंधित अधिकारी या कर्मचारी कार्रवाई नहीं करते हैं तो मुख्यमंत्री कार्यालय से नोटिस भेजा जाता है। इसके बाद 25वें दिन दूसरा नोटिस दिया जाता है। 30 दिनों के भीतर भी कार्रवाई नहीं होने पर संबंधित अधिकारी को निलंबित करने की कार्रवाई की जाती है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इस व्यवस्था के तहत कई अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। छठ पर बिहार आने वालों के लिए केंद्र ने की विशेष व्यवस्था मुख्यमंत्री ने छठ महापर्व के दौरान बिहार आने वाले लोगों के लिए केंद्र सरकार की ओर से किए गए सहयोग की सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय और रेल मंत्रालय का आभार जताते हुए कहा कि बड़ी संख्या में लोगों को बिहार पहुंचाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई। उन्होंने करीब 15 हजार ट्रेनों की व्यवस्था का उल्लेख किया। साथ ही कहा कि रेलवे स्टेशनों और एयरपोर्ट पर छठी मैया के गीतों की धुन बजने से लोगों को विशेष अनुभव हुआ। मुख्यमंत्री ने बिहार में रेलवे और सड़क परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार की ओर से मिल रहे सहयोग का जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि यूपीए सरकार के कार्यकाल में बिहार को रेलवे के लिए दस वर्षों में करीब 10 हजार करोड़ रुपये मिलते थे, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अब बिहार में रेलवे की करीब एक लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं। उन्होंने सड़क निर्माण के क्षेत्र में भी करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2015 में बिहार को विशेष पैकेज दिया था। 2024 में भी कोसी-मेची लिंक परियोजना और एक्सप्रेसवे सहित कई योजनाओं के लिए केंद्र सरकार ने सहयोग किया। कांग्रेस और राजद पर भी बरसे मुख्यमंत्री अपने संबोधन के दौरान सम्राट चौधरी ने कांग्रेस और राजद पर निशाना साधा। उन्होंने एसआईआर को लेकर विपक्ष की ओर से उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि मतदाता सूची से नाम हटाए जाने को लेकर विपक्ष ने आरोप लगाए, लेकिन किसी ऐसे व्यक्ति का मामला सामने नहीं आया जिसे पात्र होने के बावजूद मतदान के अधिकार से वंचित किया गया हो। उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयानों पर भी आपत्ति जताई। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और राजद के नेता प्रधानमंत्री के खिलाफ कितने भी अपशब्दों का इस्तेमाल करें, बिहार की जनता उनके साथ खड़ी है और उनके नेतृत्व में विश्वास करती है।

विधान परिषद में अब आयोगों के माध्यम से होंगी भर्तियां, गड़बड़ियों से मिला सबक

एजेंसी

पटना। बिहार विधान परिषद सचिवालय में समूह ख, समूह ग और सुरक्षा कर्मियों की नियुक्ति प्रक्रिया बदलने की तैयारी है। कार्यकारी सभापति प्रो. डॉ. रामबचन राय ने भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए सरकार को प्रस्ताव भेजा है। मंजूरी मिलने पर बहाली निजी एजेंसियों के बजाय सरकारी चयन आयोगों और अधिकृत एजेंसियों के माध्यम से कराई जाएगी। बिहार विधान परिषद में सरकारी नौकरी की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अब विधान परिषद सचिवालय में समूह ख, समूह ग और सुरक्षा कर्मियों के पदों पर बहाली निजी एजेंसियों के बजाय बिहार लोक सेवा आयोग, बिहार कर्मचारी चयन आयोग और केंद्रीय चयन पर्षद जैसी संस्थाओं के माध्यम से होगी। पिछली नियुक्तियों में सामने आई गंभीर अनियमितताओं के बाद यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। विधान परिषद के कार्यकारी सभापति प्रो. डॉ. रामबचन राय ने नियुक्ति प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए सरकार को प्रस्ताव भेजा है। सरकार से मंजूरी मिलते ही नई व्यवस्था लागू हो जाएगी, जिससे भविष्य में होने वाली सभी नियुक्तियां विवादों से मुक्त रह सकेंगी। विधान परिषद में पूर्व सभापति अवधेश नारायण सिंह के कार्यकाल में 125 से अधिक कर्मियों की नियुक्ति की गई थी। इनमें बड़े पैमाने पर प्रक्रियागत अनियमितताओं के आरोप सामने आए थे। इसे गंभीरता से लेते हुए विधान परिषद सचिवालय ने पूर्व में की गई 50 कर्मियों की नियुक्तियां रद कर दी हैं। इन गड़बड़ियों के उजागर होने के बाद पूरी चयन प्रक्रिया को निजी एजेंसियों से हटाकर सरकारी चयन आयोगों को सौंपने की पहल की गई है। इस पहल का मकसद चयन प्रक्रिया में धांधली की आशंका को खत्म करना और अभ्यर्थियों के बीच संस्थागत निष्पक्षता स्थापित करना है।

वैशाली रैली में पीएम मोदी ने बिहार के विकास, दो लाख करोड़ के निवेश और योजनाओं का जिक्र किया

एजेंसी



पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैशाली में आयोजित जनसभा में बिहार के विकास को लेकर एनडीए सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि पहले बिहार में घोटालों और अपराधों की चर्चा होती थी, लेकिन अब निवेश और विकास की बात हो रही है। पीएम ने दो लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश समझौतों, 100 पीएम ई-बसों, बिजली, सिंचाई, शिक्षा और गरीब कल्याण की योजनाओं का जिक्र किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के वैशाली में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार ने लंबी यात्रा तय कर विकास की नई दिशा पकड़ी है। एक समय था जब राज्य के हजारों गांवों में बिजली नहीं पहुंची थी, लेकिन आज बिहार बिजली उत्पादन का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार के शासन में बिहार में विकास की रफ्तार बढ़ी है और इसका असर राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि शहरी यातायात को सुविधाजनक बनाने के लिए 100 आधुनिक पीएम ई-बसों को हरी झंडी दिखाई गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हजारों गरीब परिवारों को पक्के घरों की चाबियां भी सौंपी गई हैं। उन्होंने इन विकास कार्यों के लिए बिहार की जनता को बधाई दी। पहले घोटालों की चर्चा होती थी, अब निवेश की पीएम मोदी ने बिहार की पिछली और मौजूदा सरकारों के कामकाज की तुलना करते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एनडीए शासन से पहले बिहार में घोटालों की गिनती होती थी और अपराध के आंकड़ों की चर्चा होती थी। अब राज्य में निवेश के आंकड़े सामने आते हैं और अपराधियों पर कार्रवाई की बात होती है। उन्होंने कहा कि उत्तर बिहार से लेकर नालंदा, गया, शाहाबाद, कैमूर और राजधानी पटना तक विकास की नई गाथा लिखी जा रही है। डबल इंजन सरकार में बिहार के विकास की रफ्तार पिछले एक साल में हुए कामों से साफ दिखाई देती है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस गरीबी हटाओं के नारे लगाती थी लेकिन गरीबों के लिए काम नहीं करती थी। जब साफ नीयत से काम होता है तो नतीजे भी दिखते हैं, जिस देश में कांग्रेस दशकों तक गरीबी हटाओं के नारे लगाती रही, गरीबों को गुमराज करती रही और वोट लूटती रही, वहां 12 साल के अंदर हमलोगों ने 50 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। उन्होंने इसे सरकार की इच्छाशक्ति और गरीब कल्याण की योजनाओं का परिणाम बताया। पीएम ने कहा कि गरीबी के खिलाफ देश की लड़ाई इसलिए सफल हो रही है, क्योंकि सरकार ने करोड़ों गरीबों के जीवन को आसान बनाने और उन्हें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दी है। बिहार में दो लाख करोड़ से अधिक के निवेश समझौते प्रधानमंत्री ने बताया कि एनडीए सरकार के कार्यकाल में बिहार में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश समझौते किए गए हैं। गया में छह हजार करोड़ रुपये की स्टील परियोजना पर काम शुरू हो रहा है। इसके अलावा मोतिहारी और मधेपुरा की चीनी मिलों को दोबारा चालू करने के लिए नई गन्ना प्रोत्साहन नीति लाई गई है। उन्होंने कहा कि किसानों को सिंचाई की सुविधा देने के लिए हर खेत तक पानी पहुंचाने की दिशा में 11 हजार नए नलकूप लगाने की पहल की गई है। सिंचाई के लिए 12 घंटे बिजली सुनिश्चित करने का ऐतिहासिक निर्णय भी लिया गया है। एक साल में 200 से अधिक नए डिग्री कॉलेज पीएम मोदी ने शिक्षा के क्षेत्र में हुए कामों का उल्लेख करते हुए कहा कि बिहार में एक साल के भीतर 200 से अधिक नए डिग्री कॉलेज शुरू किए गए हैं। बेटियों की उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मां सीता महिला विश्वविद्यालय की स्थापना को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास से जुड़े काम इतने व्यापक हैं कि उन्हें किसी एक मंच से गिनाना संभव नहीं है।

बिहार के 39 कन्या आवासीय स्कूलों में दाखिला शुरू, 1604 सीटों पर 29 नवंबर तक करें आवेदन

एजेंसी

पटना। बिहार के 39 अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय विद्यालयों में सत्र 2027-28 के लिए कक्षा छह से नौ तक 1604 सीटों पर दाखिला शुरू हो गया है। छात्राएं 29 नवंबर तक निशुल्क ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। चयन प्रवेश परीक्षा से होगा। बिहार में पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित 39 अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय प्लस-2 उच्च विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2027-28 के दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राज्य सरकार इन विद्यालयों में कक्षा छह से नौ तक रिक्त 1604 सीटों पर योग्य छात्राओं को प्रवेश का अवसर दे रही है। इन आवासीय विद्यालयों का मुख्य उद्देश्य पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग की छात्राओं को निशुल्क और बेहतर शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराना है। इच्छुक अभ्यर्थी 29 नवंबर तक विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शिक्षा विभाग ने सभी पात्र छात्राओं और उनके अभिभावकों से अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना समय से आवेदन पूरा करने का आग्रह किया है। इस दाखिला अभियान के तहत विभिन्न कक्षाओं की रिक्त सीटों पर नामांकन लिया जाएगा। कुल 1604 सीटों में से कक्षा छह में सबसे अधिक 1560 सीटें रिक्त हैं। इसके अलावा कक्षा सात में 16 सीटें, कक्षा आठ में 12 सीटें तथा कक्षा नौ में 16 सीटों पर छात्राओं का चयन होगा। दाखिले के लिए छात्रा के माता-पिता या अभिभावक की वार्षिक आय तीन लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। विभाग ने स्पष्ट किया है कि आवेदन पत्र भरने, प्रवेश परीक्षा में शामिल होने और विद्यालय में नामांकन के लिए छात्राओं से कोई भी शुल्क नहीं लिया जाएगा। छात्राओं का चयन 100 अंकों की वस्तुनिष्ठ प्रवेश परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। इस प्रवेश परीक्षा में पांच विषयों से प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान शामिल हैं। प्रत्येक विषय से 20-20 अंकों के सवाल पूछे जाएंगे। विभाग 17 जनवरी, 2027 को इस प्रवेश परीक्षा का आयोजन करेगा। परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र 11 जनवरी को जारी कर दिए जाएंगे। इसके बाद 5 फरवरी को प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित होगा, जबकि अभ्यर्थियों की मेधा सूची 12 फरवरी को जारी कर दी जाएगी।

पटना एम्स के पूर्व डॉक्टर पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म की एफआईआर, हत्या की कोशिश का भी आरोप

एजेंसी



पटना। पटना एम्स के सर्जरी विभाग के पूर्व जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर के खिलाफ शादी का झांसा देकर चार साल तक यौन शोषण करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पीड़िता ने नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्म, गर्भवती होने पर जबरन गर्भपात कराने और शादी से इन्कार करने के बाद जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। फुलवारी शरीफ थाने की पुलिस मामले की जांच कर रही है। पटना एम्स के सर्जरी विभाग के पूर्व जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर के खिलाफ चार साल तक शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। पीड़िता की शिकायत पर फुलवारी शरीफ थाने की पुलिस ने यह कार्रवाई की। इस मामले में नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्म करने, गर्भवती होने पर जबरन गर्भपात कराने और शादी से इन्कार कर जान से मारने की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्म का आरोप पीड़िता के अनुसार, वर्ष 2022 में हाथ जलने के बाद इलाज कराने के लिए वह पटना एम्स के प्लास्टिक सर्जरी विभाग पहुंची थी। इसी दौरान उसकी पहचान सर्जरी विभाग में कार्यरत डॉक्टर से हुई थी। दिसंबर, 2022 में डॉक्टर ने पीड़िता को चाय पिलाने के बहाने एम्स परिसर स्थित बॉयज हॉस्टल के कमरा नंबर 313 में बुलाया। आरोप है कि कमरे में उसे नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया गया। जब पीड़िता ने विरोध किया तो डॉक्टर ने शादी करने का आश्वासन दिया और घटना के बारे में किसी को बताने से मना किया।बाद में, जब पीड़िता ने शादी का दबाव बनाया तो डॉक्टर ने इन्कार कर दिया। घर पहुंचकर परिवार को दी धमकी पीड़िता ने शिकायत में बताया कि 30 मई को आरोपी डॉक्टर अपनी पत्नी के साथ उसके घर पहुंचा था। जब पीड़िता ने डॉक्टर के सामने शादी की बात उठाई और मामले को सार्वजनिक करने की चेतावनी दी, तो डॉक्टर ने पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। इसके अलावा पीड़िता ने 26 अक्तूबर की एक अन्य घटना का भी उल्लेख किया है। उसका आरोप है कि दानापुर जाने के दौरान एक ऑटो में उसकी हत्या की कोशिश की गई थी। हालांकि आसपास भीड़ मौजूद होने के कारण पीड़िता किसी तरह अपनी जान बचाकर भागने में सफल रही। रायपुरः नाबालिग के अवैध प्रसव और शिशु को नाली में फेंकने के मामले में दो डॉक्टरों समेत चार गिरफ्तार छत्तीसगढ़ प्रयागराज : सिपाही पर छात्रा की अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने का आरोप, एफईआर दर्ज कर छानबीन शुरू प्रयागराज जहानाबाद अस्पताल स्थानांतरित हुआ डॉक्टर मामले में आरोपी डॉक्टर का पक्ष जानने के लिए फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। वहीं एम्स के सर्जरी विभाग की प्रभारी डॉ. वीणा सिंह ने बताया कि आरोपी डॉक्टर पहले पटना एम्स में कार्यरत थे,

प्रशांत किशोर ने नीतीश सेतु का श्रेय किसे दिया, कौन से सवाल प्रधानमंत्री से पूछे

एजेंसी



पटना। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे पर राज्य के विकास, पलायन और बाढ़ की समस्या को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में बिहार दूसरे राज्यों की तुलना में पिछड़ता जा रहा है। नीतीश सेतु के श्रेय को लेकर उन्होंने कहा कि इसका पूरा श्रेय नीतीश कुमार को मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे के बीच जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने राज्य के विकास को लेकर केंद्र सरकार से कई सवाल किए हैं। उन्होंने पूछा कि बिहार दूसरे राज्यों के बराबर कब पहुंचेगा, प्रदेश से पलायन कब रुकेगा और बाढ़ की समस्या से लोगों को कब राहत मिलेगी? प्रशांत किशोर ने नीतीश सेतु के उद्घाटन और उसके नामकरण पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को बिहार पर जितना ध्यान देना चाहिए, उतना फोकस नहीं दिखता है। चुनाव के समय प्रधानमंत्री बिहार आते हैं, लेकिन अन्य समय में भी उन्हें राज्य के विकास पर उतनी ही चिंता दिखानी चाहिए। नीतीश सेतु का श्रेय नीतीश कुमार को दिया प्रशांत किशोर ने कहा कि प्रधानमंत्री का बिहार आना और नीतीश सेतु का उद्घाटन करना अच्छी बात है। पुल के निर्माण का श्रेय किसे मिलना चाहिए, इस पर चल रही चर्चा के बीच उन्होंने कहा कि इस परियोजना का कॉन्ट्रैक्ट 2014 से पहले का है और इसका पूरा श्रेय नीतीश कुमार को मिलना चाहिए। उनके मुताबिक, नीतीश कुमार की प्राथमिकता पुल का निर्माण कराना था, न कि अपने नाम पर उसका नामकरण कराना। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के कार्यकाल में हुए महत्वपूर्ण कामों में इस सेतु को भी गिना जाना चाहिए।पीके बोले- प्रति व्यक्ति आय में बिहार काफी पीछे बिहार की आर्थिक स्थिति पर सवाल उठाते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने 12 साल के कार्यकाल में बिहार की स्थिति में आए बदलाव का जवाब देना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि प्रति व्यक्ति आय, जीडीपी में योगदान और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में बिहार दूसरे राज्यों से पिछड़ रहा है। पीके के मुताबिक, देश की औसत प्रति व्यक्ति आय को 100 रुपये मानें तो बिहार में यह महज 33 रुपये के आसपास है। उन्होंने इसकी तुलना आजादी के समय से करते हुए कहा कि उस दौर में बिहार की प्रति व्यक्ति आय देश की औसत आय के मुकाबले करीब 70 प्रतिशत थी, जबकि लालू प्रसाद यादव के 15 साल के शासन के बाद यह करीब 40 प्रतिशत रह गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा एनडीए सरकार के कार्यकाल में यह अनुपात घटकर 33 प्रतिशत पर पहुंच गया है। बिहार के किन आठ जिलों में तेज हवा के साथ बारिश का अलर्ट, पीएम मोदी जहां आ रहे, वहां के मौसम का क्या हाल है? पीएम मोदी से कौन से तीन बड़े सवाल पूछे

सड़क हादसे में इंटर के छात्र की मौत, अज्ञात स्कॉर्पियो ने बाइक में मारी टक्कर; ननिहाल में पसरा मातम

एजेंसी



पटना। नालंदा के सारे थाना क्षेत्र में बेनार मोड़ के पास अज्ञात स्कॉर्पियो की टक्कर से 17 वर्षीय इंटर के छात्र रौनक कुमार की मौत हो गई। वह अपने ननिहाल अमावां गांव में रहकर पढ़ाई कर रहा था। पुलिस फरार वाहन की तलाश में जुटी है। नालंदा जिले के सारे थाना क्षेत्र में बेनार मोड़ के समीप शुक्रवार देर शाम सड़क हादसे में बाइक सवार 17 वर्षीय इंटरमीडिएट के छात्र की मौत हो गई। छात्र बाजार से सामान लेकर अपने गांव लौट रहा था, तभी एक अज्ञात स्कॉर्पियो ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में उसके सिर में गंभीर चोट आई, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान शेखपुरा जिले के बरबीघा थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव निवासी राजीव सिंह के पुत्र रौनक कुमार के रूप में हुई है। वह बचपन से ही नालंदा के बिंद थाना क्षेत्र स्थित अपने ननिहाल अमावां गांव में रहकर पढ़ाई कर रहा था। बाजार से लौटते समय स्कॉर्पियो ने मारी टक्कर ग्रामीण युवराज के अनुसार, रौनक शुक्रवार शाम बाजार से सामान खरीदकर अकेले बाइक से अमावां गांव लौट रहा था। इसी दौरान बेनार मोड़ के पास एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने उसकी बाइक के हैंडल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह सड़क पर गिर पड़ा। उसके सिर में गंभीर चोट आई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस के फोन उठाने पर परिजनों को मिली हादसे की जानकारी हादसे के बाद परिजनों ने जब रौनक के मोबाइल पर कॉल किया तो घटनास्थल पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने फोन उठाया और दुर्घटना की जानकारी दी। इसके बाद अमावां गांव से परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। वहां रौनक की मौत हो चुकी थी। रौनक दो भाइयों में सबसे बड़ा था। वह बचपन से ही अपने ननिहाल में रहकर पढ़ाई कर रहा था और नाना-नानी की देखभाल भी करता था। उसके माता-पिता और छोटा भाई दिल्ली में रहते हैं। हादसे की सूचना मिलने के बाद वे गांव के लिए रवाना हो गए हैं। घटना के बाद से ननिहाल में मातम पसरा हुआ है। सारे थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने बताया कि अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार किशोर की मौत हुई है।

बीपीएससी की संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा 17 जनवरी को प्रस्तावित, नया संशोधित कैलेंडर जारी

एजेंसी

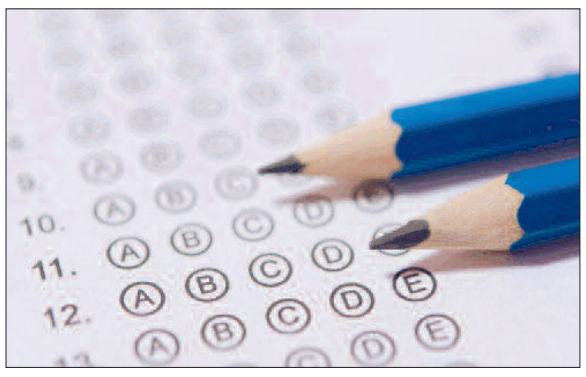

पटना। बिहार लोक सेवा आयोग ने 72वीं एकीकृत संयुक्त प्रतियोगिता प्रारंभिक परीक्षा की तारीख घोषित कर दी है। परीक्षा अगले साल 17 जनवरी को आयोजित होगी। इसके जरिए 1,189 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। आयोग ने संशोधित परीक्षा कैलेंडर में कुल 37 परीक्षाओं का संभावित

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने 72वीं एकीकृत संयुक्त प्रतियोगिता प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन अगले वर्ष 17 जनवरी को कराने का ऐलान किया है। इसके माध्यम से 1,189 पदों पर भर्तियां की जाएंगी। आयोग ने अपने संशोधित परीक्षा कैलेंडर में यह प्रावधान किया है। कैलेंडर में कुल 37 परीक्षाओं का विवरण शामिल किया है। आयोग स्पष्ट किया है कि इसमें उल्लिखित सभी तिथियां संभावित हैं और अभ्यर्थी विस्तृत विवरण देखने के लिए आधिकारिक वेबसाइट का अवलोकन कर सकते हैं। मुख्य परीक्षाओं और विज्ञापनों की वर्तमान स्थिति संशोधित कैलेंडर में 1,298 पदों के लिए होने वाली 71वीं एकीकृत संयुक्त (मुख्य) परीक्षा जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं को भी शामिल किया है। आयोग इस परीक्षा का परिणाम छह नवंबर को घोषित कर चुका है, लेकिन साक्षात्कार की नई तिथि का उल्लेख कैलेंडर में नहीं है। साक्षात्कार के स्थान पर पूर्व निर्धारित 25 से 29 अप्रैल, 2026 की पुरानी तिथि ही दर्ज है, जिस पर पूर्व में इसका आयोजन संभव नहीं हो सका था। साथ ही, चौथे चरण की शिक्षक नियुक्ति परीक्षा (टीआरई 4) का जिक्र भी सूची में है, परंतु आयोग ने अभी इसकी तिथि घोषित नहीं की है। सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी के 935 पदों के लिए होने वाली परीक्षा की तिथि भी फिलहाल तय नहीं हो सकी है। आयोग इस परीक्षा को दो चरणों के बजाय एक ही चरण में करने पर गंभीरता से विचार कर रहा है, इसलिए उसने भर्ती विज्ञापन का तैयार प्रारूप सहमति के लिए संबंधित विभाग को भेज दिया है। अदालती आदेश और दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया विभिन्न कानूनी व प्रशासनिक कारणों से कुछ परीक्षाओं की तिथियां लंबित रखी गई हैं। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के आलोक में नए दिशा-निर्देशों का इंतजार होने के कारण 33वीं बिहार न्यायिक सेवा के 173 पदों की प्रारंभिक परीक्षा की तिथि तय नहीं हो पाई है। इसके अतिरिक्त, सहायक अभियंता के 1,024 पदों की संयुक्त परीक्षा के परिणाम पर उच्च न्यायालय का स्थगन आदेश प्रभावी है। विशेष शिक्षक के 7,279 पदों की जनवरी 2026 में प्रस्तावित परीक्षा के संदर्भ में आयोग और विभाग के बीच पत्राचार चल रहा है। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के तहत राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों में एसोसिएट प्रोफेसर के 539 पदों और विभागाध्यक्ष के 205 पदों के लिए प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। साथ ही, पॉलीटेक्निक व इंजीनियरिंग कॉलेजों के प्राचार्यों के पदों के लिए विभागीय विशेषज्ञों द्वारा अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन का कार्य जारी है। स्थगित भर्ती परीक्षाएं और वापस ली गई अधियाचना आयोग की परीक्षा तालिका से स्पष्ट होता है कि दो महत्वपूर्ण भर्ती प्रक्रियाओं को संबंधित विभाग द्वारा फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। इन स्थगित भर्तियों में सहायक राजस्व एवं लेखा पदाधिकारी के 285 पदों पर बहाली और सहायक शहरी कल्याण एवं निबंधन पदाधिकारी के 285 पदों पर होने वाली नियुक्तियां शामिल हैं। कॉलेज एवं अस्पतालों में सहायक प्राध्यापक के 1,711 पदों के लिए पूर्व में भेजी गई अधियाचना को विभाग ने पूरी तरह वापस ले लिया है। आयोग ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि परीक्षा संबंधी विस्तृत अपडेट देखने के लिए वे आयोग की आधिकारिक वेबसाइट का नियमित रूप से अवलोकन करते रहें।

डीटीसी बढ़ाएगा कमाई, बस डिपो पर बनेंगे पेट्रोल पंप

नई दिल्ली ।

दिल्ली परिवहन विभाग (डीटीसी) अपनी गैर-किराया आय को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। विभाग अपने बस डिपो पर पेट्रोल पंप स्थापित करने के लिए इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसीएल) के साथ एक समझौता करने की योजना बना रहा है। यह पहल डीटीसी की यात्रा किराए के अलावा अन्य गतिविधियों से राजस्व बढ़ाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इसमें बसों पर विज्ञापन और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत निगम की जमीन का पुनर्विकास भी शामिल है। हाल ही में हुई एक बैठक में इंडियन ऑयल के साथ परियोजना का ब्योरा अंतिम रूप देने और कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल के तहत राजस्व जुटाने के लिए अन्य कंपनियों के साथ भी इसी तरह की परियोजनाओं की संभावनाएं तलाशने पर सहमति बनी। इस कदम से डीटीसी को वित्तीय रूप से मजबूत बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

टाटा ट्रस्ट की बैठक में लिस्टिंग पर टली चर्चा, विवादित मुद्दों पर रहस्य बरकरार

26 नवंबर को टाटा संस की बोर्ड बैठक में सूचीबद्धता पर अहम चर्चा की उम्मीद

नई दिल्ली ।

टाटा समूह के भीतर बढ़ते अंदरूनी मतभेदों के बीच सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट की महत्वपूर्ण बैठक में टाटा संस की शेयर बाजार में सूचीबद्धता या पुनर्गठन जैसे विवादित मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं हुई। करीब दो घंटे चली इस बैठक को नियमित करार देते हुए मुख्य रूप से सामाजिक और परोपकारी गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता को मंजूरी दी गई, जिससे समूह के भविष्य पर अनिश्चितता बनी रही। नोएल टाटा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पुणे के जहांगीर अस्पताल के लिए करीब 50 करोड़ रुपये का अनुदान स्वीकृत किया गया। न्यासियों ने इसे सामान्य कामकाज से जुड़ी नियमित बैठक बताया। टाटा ट्रस्ट्स की टाटा संस में लगभग 66 फीसदी हिस्सेदारी है, जो समूह के बड़े फैसलों में ट्रस्ट की भूमिका को अहम बनाती है। अब सबकी निगाहें 26 नवंबर को प्रस्तावित टाटा संस के निदेशक मंडल की अगली बैठक पर हैं, जहां कंपनी की शेयर बाजार में सूचीबद्धता पर चर्चा की संभावना है। 17 सितंबर की पिछली बैठक में लिस्टिंग और अध्यक्ष के तीसरे कार्यकाल पर मतभेद सामने आए थे, जिसका नोएल टाटा ने विरोध किया था। आरबीआई के नियमों से बचने के लिए, सहायक कंपनियों के विलय से पुनर्गठन का विकल्प भी है। रतन टाटा ट्रस्ट के प्रशासनिक मुद्दों ने भी जटिलताओं को बढ़ाया है। समूह के भविष्य पर उद्योग जगत की नजरें बनी हुई हैं।

ईवी चार्जिंग में डिस्कॉम का असहयोग- पीएम सलाहकार

तरुण कपूर ने नोडल अधिकारी, उच्च लागत व कम उपयोग पर जताई चिंता

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग बुनियादी ढांचे के विस्तार में बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के अपर्याप्त सहयोग पर गंभीर चिंता जताई है। सायएम सम्मेलन में उन्होंने कहा कि भारत के सरप्लस बिजली उत्पादन के बावजूद, डिस्कॉम ईवी को बिजली खपत के एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में नहीं देख रही हैं।

कपूर ने हर डिस्कॉम में नोडल अधिकारी की नियुक्ति की वकालत की, ताकि चार्जिंग केंद्र संचालकों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। कपूर ने डिस्कॉम के गैर-सहयोगी रवैये की आलोचना की, विशेषकर 200 किलोवाट या उससे अधिक क्षमता वाले सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों के ग्रिड कनेक्शन पर मोटी लागत वसूलने के लिए।

उन्होंने कहा कि डिस्कॉम को समझना होगा कि ईवी उनके लिए एक बड़ा राजस्व क्षेत्र बनेगा, न कि केवल उद्योग। सरकार ने पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत बिजली कनेक्शन लागत के लिए बजट प्रावधान किए हैं, लेकिन इस आवंटित धनराशि का बड़ा हिस्सा उपयोग ही नहीं हुआ है, जबकि सरकार आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त धन देने को भी तैयार है। उन्होंने सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों के कम उपयोग (कई स्थानों पर 1 फीसदी से भी कम) पर भी चिंता जताई, जिससे रखरखाव प्रभावित होता है और कई स्टेशन बेकार हो जाते हैं। कपूर ने सुझाया कि चार्जिंग स्टेशन ऐसी जगहों पर हों जहां वाहन आम तौर पर देर तक रुक सकें।

उतार-चढ़ाव के बीच नई ऊंचाइयों पर रहा भारतीय शेयर बाजार

-विदेशी निवेशकों का निरंतर प्रवाह व कच्चे तेल की नरमी से बाजार को मिला समर्थन



मुंबई ।

बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए एक गतिशील और उतार-चढ़ाव भरा रहा, जिसने निवेशकों को कई मोड़ दिए। एक मजबूत शुरुआत के बाद बाजार को बीच सप्ताह में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन फिर शानदार वापसी करते हुए नए रिकॉर्ड स्तरों पर बंद हुआ। इस दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का निरंतर प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी की उम्मीदों ने बाजार को महत्वपूर्ण समर्थन प्रदान किया। भारतीय रुपया भी शुरुआती कमजोरी के बाद सप्ताह के अंत तक डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ, जिससे बाजार की समग्र सकारात्मक धारणा को बल मिला। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को जोरदार तेजी के साथ हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 450 अंक से अधिक चढ़ा, वहीं निफ्टी ने 25,250 के महत्वपूर्ण स्तर को पार किया। एफपीआई की बढ़ी हुई खरीद और तेल कीमतों में गिरावट की उम्मीदों से बाजार को मजबूती मिली। दिन के अंत में सेंसेक्स 512.34 अंक बढ़कर 82,104.79 पर और निफ्टी 146.80 अंक की वृद्धि के साथ 25,291.10 पर बंद हुआ। एशियन पेंट, एयरटेल, आईटीसी और टाटा कंस जैसे शेयरों में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। मंगलवार को भी यह सकारात्मक रुझान जारी रहा, जिससे सेंसेक्स 427.40 अंक चढ़कर 82,532.19 पर और निफ्टी 96.31 अंक बढ़कर 25,387.40 पर पहुंच गया, जो बाजार में मजबूत सकारात्मक धारणा को दर्शाता है। हालांकि, सप्ताह के मध्य में बुधवार को बाजार ने दो दिन की अपनी तेजी को विराम दिया।

सोने में मिलावट का नया रूप रेनियम-इरिडियम, जीजेसी ने चेताया

मुंबई ।



सोने के आभूषणों में रेनियम और इरिडियम जैसी धातुओं की मिलावट से वजन बढ़ाने की खबरों ने चिंता बढ़ा दी है। इसी के मद्देनजर, आभूषण उद्योग निकाय जीजेसी (अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद) ने शुक्रवार को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) को इस मुद्दे पर आगाह करते हुए कारोबारियों और ग्राहकों दोनों से सावधानी बरतने की अपील की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इन धातुओं का इस्तेमाल सोने की शुद्धता बढ़ाए बिना उसका वजन बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। इससे खरीदारों को आभूषण के वास्तविक वजन और शुद्धता के बारे में गलत जानकारी मिलती है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। जीजेसी ने बताया कि बीआईएस इस मामले को गंभीरता से ले रहा है और उपभोक्ताओं को घबराने की आवश्यकता नहीं है। जीजेसी ने सभी आभूषण कारोबारियों से विनिर्माताओं, थोक विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं से खरीदे गए सोने की गुणवत्ता की कड़ी जांच करने का आग्रह किया है। ग्राहकों को कम बनावट शुल्क के लालच में न आने, विश्वसनीय दुकानों से ही खरीदारी करने, बीआईएस केयर ऐप से हॉलमार्क की पुष्टि करने और जीएसटी बिल लेने की सलाह दी गई है। किसी भी मिलावट या धोखाधड़ी की स्थिति में जीजेसी या सीधे बीआईएस में शिकायत दर्ज कराने को कहा गया है।

टाटा टेक्नोलॉजीज के शेयर पर ब्रोकरेज सतर्क, 13 फीसदी गिरावट का अनुमान

कंपनी सॉफ्टवेयर, एयरोस्पेस और इंजीनियरिंग सेवाओं पर केंद्रित, लाभप्रदता बढ़ाने पर भी जोर

मुंबई ।



टाटा समूह की कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज ने वित्त वर्ष 2030 तक अपने कारोबार को 1.1 से 1.3 अरब डॉलर तक पहुंचाने की महत्वाकांक्षी रणनीति प्रस्तुत की है। हाल ही में निवेशक दिवस पर पेश की गई इस योजना में सॉफ्टवेयर, एयरोस्पेस और इंजीनियरिंग सेवाओं को प्रमुख विकास इंजन के रूप में रेखांकित किया गया है। हालांकि, इन बुलंद लक्ष्यों के बावजूद, ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने इसके शेयर को बेचने की सलाह दी है, यह मानते हुए कि मौजूदा बाजार मूल्य में भविष्य की अधिकांश वृद्धि पहले ही शामिल हो चुकी है। टाटा टेक्नोलॉजीज ने वित्त वर्ष 2027 से 2030 के बीच राजस्व में सालाना 15-20 फीसदी की वृद्धि का लक्ष्य रखा है। कंपनी केवल कारोबार के आकार पर नहीं, बल्कि मुनाफे में भी सुधार पर केंद्रित है। इसका ऑपरेटिंग मार्जिन वित्त वर्ष 2026 के 15.5 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 2027 की चौथी तिमाही तक 17 फीसदी और वित्त वर्ष 2030 तक 20 फीसदी से अधिक करने की योजना है। सॉफ्टवेयर कारोबार कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण विकास क्षेत्र है, जो वित्त वर्ष 2021 के 48 लाख डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में 6.4 करोड़ डॉलर हो गया है। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027 में पुराने सॉफ्टवेयर कारोबार से 10 करोड़ डॉलर का राजस्व हासिल करना और अगले तीन वर्षों में इसमें अतिरिक्त 10 करोड़ डॉलर जोड़ना है।

एयरोस्पेस क्षेत्र में भी पिछले पांच वर्षों में लगभग 40 फीसदी की सालाना वृद्धि देखी गई है। टाटा टेक्नोलॉजीज वित्त वर्ष 2028 तक इस कारोबार को 10 करोड़ डॉलर के वार्षिक राजस्व स्तर तक पहुंचाना चाहती है, जिसके बाद वित्त वर्ष 2030 तक इसमें 25-30 फीसदी सालाना वृद्धि का अनुमान है। विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक वाहन उद्योग में इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टवेयर की बढ़ती भूमिका, साथ ही एआई का उपयोग, कंपनी के लिए नए अवसर पैदा करेगा और लागत दक्षता बढ़ाएगा।

सोने-चांदी के भाव में भारी गिरावट से निवेशकों में असमंजस

डॉलर की मजबूती और अमेरिकी फेड के सख्त रुख ने कीमती धातुओं को किया कमजोर

मुंबई ।

सोने और चांदी की कीमतों में हालिया भारी गिरावट ने बाजार में हलचल मचा दी है। इस गिरावट ने एक ओर जहां गहनों के खरीदारों को राहत पहुंचाई है, वहीं निवेशकों को असमंजस में डाल दिया है कि क्या यह खरीदारी का सही समय है या कीमतों में और गिरावट का इंतजार किया जाए। पिछले कुछ दिनों से जारी यह तेज कमजोरी अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों बाजारों में देखी जा रही है, जिसके पीछे कई वैश्विक आर्थिक कारक जिम्मेदार हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर 20 नवंबर को दिसंबर अनुबंध वाला सोना गिरकर 1,21,719 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है, जो कई वर्षों का सबसे निचला स्तर बताया जा रहा है। इस साल जनवरी में 1.80 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद से सोने में करीब 33 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इसी तरह, चांदी भी अपने रिकॉर्ड 4.20 लाख रुपये प्रति किलोग्राम से फिसलकर लगभग 2.72 लाख रुपये पर पहुंच गई है, जिसमें लगभग 62 प्रतिशत की भारी कमजोरी आई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं पर दबाव बना हुआ है। कॉमेक्स पर सोना करीब 3520 डॉलर प्रति औंस तक लुढ़का है, जबकि चांदी ने एक सप्ताह में 13 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखी है। विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को लेकर आक्रामक रुख, डॉलर की लगातार मजबूती और सरकारी बॉन्ड की बढ़ती यील्ड इस गिरावट के प्रमुख कारण हैं। दिसंबर में अमेरिकी ब्याज दरों में संभावित वृद्धि की अटकलों से निवेशक सोने जैसे गैर-ब्याज देने वाले विकल्पों से दूर हट रहे हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ निवेशकों द्वारा नकदी जुटाने के लिए अन्य संपत्तियों की बिकवाली ने भी कीमतों पर दबाव बढ़ाया है।

ब्रिटेन, यूरोपीय संघ के बीच व्यापार और युवाओं की आवाजाही पर बनी सहमति

एक लाख युवाओं को आवाजाही, व्यापारिक जांच समाप्त

ब्रसेल्स।

ब्रसेल्स में एक महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन में, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ (ईयू) ने ब्रेक्जिट के बाद अपने बिगड़े संबंधों को सुधारने की दिशा में अहम कदम उठाए हैं। दोनों पक्षों ने व्यापार, कार्बन उत्सर्जन और युवाओं की आवाजाही से जुड़े समझौतों पर सहमति जताई, जिसे यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने महत्वपूर्ण मोड़ और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने ऐतिहासिक समझौता करार दिया है। इन समझौतों के तहत, 1 लाख युवाओं को तीन साल तक एक-दूसरे के देशों में रहने व काम करने की अनुमति मिलेगी। पौधों व पशु उत्पादों पर व्यापारिक जांच खत्म होगी, जिससे कारोबार आसान होगा। कार्बन उत्सर्जन व्यापार व्यवस्था भी जुड़ेगी। प्रधानमंत्री बर्नहम ने ब्रेक्जिट को असफल बताते हुए फायदे से ज्यादा नुकसान की बात स्वीकार की। उन्होंने भविष्य में ईयू के साथ संबंधों के सभी विकल्प खुले रखने की बात कही, जिसमें दोबारा समूह में शामिल होना भी शामिल है, हालांकि इसे लंबी प्रक्रिया बताया। छात्र शुल्क जैसे कुछ मुद्दों पर छह महीने में सहमति बनाने का लक्ष्य है।

सरकारी आईटी खरीद में मेक इन इंडिया को प्राथमिकता

स्थानीय कलपुर्जों की हिस्सेदारी के नियम सख्त

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने सरकारी खरीद में मेक इन इंडिया पहल को मजबूत करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। अब लैपटॉप, डेस्कटॉप और सर्वर सहित छह प्रमुख आईटी हार्डवेयर उत्पादों की सरकारी खरीद में घरेलू कलपुर्जों का योगदान बढ़ाने के लिए निर्धारित प्रतिशत में वृद्धि की गई है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 2017 के सार्वजनिक खरीद (मेक इन इंडिया को प्राथमिकता) आदेश में संशोधन किया है। यह बदलाव देश में स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने, उत्पादन क्षमताओं को मजबूत करने और रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से किया गया है। इसका लक्ष्य स्थानीय कलपुर्जों का उपयोग करने वाले उत्पादों को सरकारी खरीद में प्राथमिकता देना है। संशोधित व्यवस्था के तहत, डेस्कटॉप पीसी, ऑल-इन-वन पीसी, लैपटॉप, थिन क्लाइंट, सर्वर, कंप्यूटर मॉनिटर और इंटरैक्टिव फ्लैट पैनल डिस्प्ले (आईएफपीडी) सहित छह आईटी हार्डवेयर उत्पाद शामिल हैं। घरेलू मूल्यवर्धन की गणना अंतिम उत्पाद की कुल लागत में स्थानीय कलपुर्जों की लागत के प्रतिशत के आधार पर की जाएगी।

घरेलू बचत में इक्विटी फंडों की बढ़ती हिस्सेदारी,एयूएम 7.7 गुना बढ़ा



मुंबई ।

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग में पिछले दस वर्षों में निवेशकों का रुझान इक्विटी योजनाओं की ओर तेजी से बढ़ा है। इस अवधि में इक्विटी और इक्विटी-लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) की परिसंपत्तियां कुल उद्योग की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बढ़ी हैं, जो घरेलू बचत में शेयर बाजार की बढ़ती भूमिका को दर्शाती हैं। अक्टूबर 2016 से अक्टूबर 2026 के बीच, इक्विटी और ईएलएसएस फंड का प्रबंधनाधीन निवेश 7.7 गुना बढ़कर 37.18 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग की संपत्ति 5.1 गुना बढ़कर 83.39 लाख करोड़ रुपये तक पहुंची। इस दौरान इक्विटी योजनाओं की कुल एयूएम में हिस्सेदारी 29.8 फीसदी से बढ़कर 44.6 फीसदी हो गई, जिसमें 14.8 फीसदी अंक की वृद्धि दर्ज की गई।

इक्विटी और ईएलएसएस फंड की चक्रवृद्धि सालाना वृद्धि दर (सीएजीआर) 22.6 फीसदी रही, जबकि पूरे उद्योग की 17.7 फीसदी।

हालांकि, इक्विटी फंडों की हिस्सेदारी में हर साल लगातार वृद्धि नहीं हुई; अक्टूबर 2020 में इसमें गिरावट आई, लेकिन बाद में तेजी से सुधार हुआ। इक्विटी श्रेणी में, स्मॉल कैप फंड का एयूएम 9.2 गुना बढ़कर 4.41 लाख करोड़ रुपये हुआ, जबकि सेक्टोरल और थीमैटिक फंड की संपत्ति 8.3 गुना बढ़कर 5.38 लाख करोड़ रुपये हो गई। निवेशकों की भागीदारी भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है, अक्टूबर 2019 से अक्टूबर 2026 तक कुल फोलियो 8.63 करोड़ से बढ़कर 28.78 करोड़ और इक्विटी फोलियो 6.21 करोड़ से बढ़कर 19.22 करोड़ हो गए। यह रुझान घरेलू बचत में शेयर बाजार की बढ़ती भूमिका को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। जानकारों के अनुसार, एयूएम में यह वृद्धि केवल नए निवेश से नहीं, बल्कि बाजार में शेयरों की कीमतों में हुई बढ़ोतरी से भी प्रेरित है।

डीएसपी म्यूचुअल फंड की नई रणनीति, गिरावट में बढ़ाएगा सोना-चांदी में निवेश

कीमतें और गिरने पर चरणबद्ध तरीके से बढ़ाएगा निवेश, चांदी 47 डॉलर और सोना 3850 डॉलर से शुरू

मुंबई ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में आई बड़ी गिरावट के बाद डीएसपी म्यूचुअल फंड ने कीमती धातुओं में निवेश बढ़ाने की नई रणनीति तैयार की है। डीएसपी मल्टी एसेट ओम्नी फंड ऑफ फंड्स कीमतें और नीचे आने पर चरणबद्ध तरीके से खरीदारी करेगा, जिसका उद्देश्य लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अवसर पैदा करना है। इस रणनीति के तहत, चांदी में 47 डॉलर प्रति औंस से नीचे आने पर शुरुआती खरीदारी (0.5 फीसदी पोर्टफोलियो) शुरू की गई है। योजना के मुताबिक, चांदी की कीमत में हर दो डॉलर की गिरावट पर अतिरिक्त 0.5 प्रतिशत और 42 डॉलर प्रति औंस से नीचे आने पर एक प्रतिशत निवेश बढ़ाया जाएगा। यदि कीमत 37 डॉलर तक गिरती है, तो कुल अतिरिक्त निवेश पांच प्रतिशत तक पहुंच सकता है। सोने में भी ऐसी ही रणनीति अपनाई जा रही है, जहां करीब 3850 डॉलर प्रति औंस पर शुरुआती 0.5 प्रतिशत निवेश किया गया है। इसके बाद, सोने की कीमत में हर 100 डॉलर की गिरावट पर अतिरिक्त 0.5 प्रतिशत निवेश की योजना है, जिसमें 3800, 3700 और 3600 डॉलर जैसे स्तर शामिल हैं। यह फंड को अपने बेंचमार्क (सोना 15 फीसदी, चांदी 5 फीसदी) के मुकाबले कम निवेश के अंतर को पाटने में मदद करेगा। फंड निवेश के फैसले के लिए कई संकेतकों का विश्लेषण कर रहा है, जिसके अनुसार फिलहाल सोना अपनी अनुमानित उचित कीमत से 15 प्रतिशत और चांदी 28 प्रतिशत नीचे कारोबार कर रही है। अतिरिक्त खरीदारी के लिए मुख्य रूप से डेट निवेश घटाया जाएगा और जरूरत पड़ने पर शेयर बाजार के कुछ क्षेत्रों में आवंटन भी बदला जाएगा। हालांकि, कीमती धातुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है और यह रणनीति निश्चित मुनाफे की गारंटी नहीं देती।

भारत में एआई क्रांति, 90 फीसदी कंपनियां बढ़ा रहीं तकनीकी कार्यबल

रिपोर्ट के अनुसार, भारत अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर

मुंबई ।

देश में कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित सेवाओं और राजस्व के नए स्रोत पैदा करने के लिए भारतीय नियोक्ता अपनी प्रौद्योगिकी कार्यबल क्षमता बढ़ा रहे हैं। एक नई रिपोर्ट के अनुसार भारत में 90 प्रतिशत कंपनियां इस दिशा में काम कर रही हैं, यह वैश्विक स्तर पर अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा अनुपात है। एक वैश्विक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। रिपोर्ट बताती है कि भारत का यह आंकड़ा अमेरिका (93 फीसदी) के बाद दूसरे नंबर पर है और 86 फीसदी के वैश्विक औसत से काफी ऊपर है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में एआई का कौशल रखने वाले डेवलपर को शुरुआती स्तर पर पारंपरिक डेवलपर की तुलना में दोगुने से अधिक वेतन मिल सकता है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह बढ़त 79 फीसदी तक है। हालांकि, 50 फीसदी भारतीय नियोक्ताओं को बेहतर वेतन देने वाली प्रतिस्पर्धी कंपनियों के हाथों अक्सर शीर्ष प्रतिभाओं को गंवाना पड़ता है, फिर भी 53 फीसदी कंपनियां प्रौद्योगिकी क्षेत्र में छंटनी के कारण नौकरी गंवाने वाले कर्मचारियों को सफलतापूर्वक काम पर रख पाई हैं। रैंडस्टैड इंडिया के प्रबंध निदेशक नारायण अय्यर ने कहा कि एआई, प्रौद्योगिकी प्रतिभा परिदृश्य को मौलिक रूप से बदल रहा है और उभरते कौशल की मांग उनकी उपलब्धता से लगातार अधिक बनी हुई है।

भारत जापान की नई रणनीतिक धुरी से बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा



ललित गर्ग

जापान के साथ रणनीतिक विश्वास, क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग, हिंद-प्रशांत की स्थिरता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के लिए पारस्परिक समर्थन इसी व्यापक कूटनीतिक दृष्टि के हिस्से हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन भी दोहराया है।

19 नवंबर 2026 को टोक्यो में हुई चैथी भारत-जापान 2+2 विदेश एवं रक्षा मंत्रिस्तरीय वार्ता केवल दो देशों के बीच एक कूटनीतिक बैठक नहीं थी, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका का सशक्त संकेत थी। भारत की ओर से रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर तथा जापान की ओर से विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने जिस व्यापक रणनीतिक दृष्टि के साथ संवाद किया, उसने भारत-जापान संबंधों को सुरक्षा, तकनीक, समुद्री सहयोग, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक शासन के नए आयामों से जोड़ा है। इस वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि भारत अब केवल वैश्विक शक्ति-संतुलन का दर्शक नहीं, बल्कि उसे आकार देने वाली शक्ति बन रहा है। जापान के साथ बढ़ता सहयोग इसी परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। दोनों देशों ने स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत की प्रतिबद्धता दोहराई तथा समुद्री और वायु क्षेत्र की निगरानी, सूचना-साझेदारी, खोज एवं बचाव, साइबर सुरक्षा, एआई तथा रक्षा उद्योग में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत में जापानी आत्मरक्षा बलों द्वारा फायरिंग रेंज के उपयोग की दिशा में समझौता और 'डिजाइन विद जापान, मेक इन इंडिया' के तहत रक्षा औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाने की सहमति इस साझेदारी को घोषणाओं से निकालकर व्यावहारिक धरातल पर ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

यहां रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की रक्षा नीति अब केवल हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है, उसका लक्ष्य देश को रक्षा उत्पादन, तकनीक, अनुसंधान और निर्यात की दृष्टि से सक्षम बनाना है। हाल ही में रक्षा मंत्री ने बताया कि भारत का रक्षा उत्पादन 1.80 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुका है और रक्षा निर्यात 38,000 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंचा है। जापान के साथ रक्षा-तकनीक और औद्योगिक सहयोग इस आत्मनिर्भरता को अंतरराष्ट्रीय तकनीकी साझेदारी से जोड़ सकता है। दूसरी ओर डॉ. एस. जयशंकर भारत की उस विदेश नीति के प्रमुख सूत्रधारों में हैं जिसने भारत को 'किसी एक खेमे' की शक्ति के बजाय अपने हितों और सिद्धांतों के आधार पर विश्व के विभिन्न शक्ति-केंद्रों के साथ संवाद करने वाली प्रभावशाली शक्ति बनाया है।

जापान के साथ रणनीतिक विश्वास, क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग, हिंद-प्रशांत की स्थिरता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के लिए पारस्परिक समर्थन इसी व्यापक कूटनीतिक दृष्टि के हिस्से हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन भी दोहराया है। लेकिन इस पूरी तस्वीर को समझने के लिए इसे प्रधानमंत्री



नरेंद्र मोदी की व्यापक विदेश नीति और 'विकसित भारत' के संकल्प से जोड़कर देखना आवश्यक है। प्रधानमंत्री की विदेश नीति में सुरक्षा और अर्थव्यवस्था अलग-अलग विषय नहीं हैं। आज भारत जिस देश से रक्षा तकनीक लेता है, उसके साथ व्यापार बढ़ाता है। जहां निवेश आकर्षित करता है, वहां भारतीय उद्योग के लिए बाजार भी खोजता है और जहां रणनीतिक सहयोग करता है, वहां भारतीय प्रतिभा, तकनीक और संस्कृति की प्रतिष्ठा भी स्थापित करता है। यही विदेश नीति को आर्थिक शक्ति और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा से जोड़ने की नई भारतीय शैली है।

19 नवंबर को ही नई दिल्ली में फिक्की के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने उद्योग जगत के सामने इसी दृष्टि को अत्यंत स्पष्टता से रखा। फिक्की का सम्मेलन 'भारत 2047' की थीम पर हुआ और इसमें उद्योग जगत, राजनयिकों, नीति-निर्माताओं और वैश्विक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने उद्योग से कहा कि अगले 20 वर्षों के प्रत्येक दीर्घकालिक निवेश निर्णय का आधार 'इंडिया फर्स्ट' होना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत का विशाल घरेलू बाजार उद्योग का 'कम्फर्ट जोन' नहीं बनना चाहिए, बल्कि वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा का आत्मविश्वास पैदा करने वाला आधार बनना चाहिए। यहीं टोक्यो की 2+2 बैठक और फिक्की के मंच का अद्भुत संबंध दिखाई देता है। एक ओर राजनाथ सिंह और जयशंकर भारत की सुरक्षा और कूटनीतिक शक्ति को विश्व में विस्तार दे रहे हैं, दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी भारतीय उद्योग को विश्व बाजार में उतरने का आह्वान कर रहे हैं। अर्थात् भारत की विदेश नीति का अगला चरण केवल 'भारत के लिए दुनिया' नहीं, बल्कि 'दुनिया के लिए भारत' बनाने का चरण है।

प्रधानमंत्री का संदेश केवल उद्योगपतियों के लिए नहीं है। विकसित भारत का निर्माण सरकार अकेले नहीं कर सकती। सरकार दिशा और वातावरण तैयार कर सकती है, लेकिन आर्थिक शक्ति उद्योग पैदा करता है, नवाचार युवा पैदा करते हैं, उत्कृष्टता वैज्ञानिक और पेशेवर पैदा करते हैं तथा भारत की प्रतिष्ठा सामान्य नागरिक के व्यवहार से भी बनती है। इसलिए आज आवश्यकता है कि भारतीय उद्योगपति केवल भारत में सफल होने की मानसिकता से आगे बढ़कर विश्व बाजारों में भारतीय ब्रांड की पहचान स्थापित करें। प्रधानमंत्री ने फिक्की में वैश्विक ग्राहकों की जरूरतों को समझने, स्थानीय बाजारों के अनुरूप उत्पाद बनाने, वैश्विक मानकों को अपनाने और मजबूत वितरण नेटवर्क विकसित करने पर विशेष जोर दिया। यह संदेश भारतीय उद्योग के लिए आर्थिक नीति से अधिक राष्ट्रीय दायित्व का संदेश है। इसी प्रकार प्रत्येक नागरिक का योगदान भी महत्वपूर्ण है। एक भारतीय जब ईमानदारी से अपना कार्य करता है, कानून का सम्मान करता है, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करता है, स्वच्छता और अनुशासन अपनाता है, भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने में योगदान देता है और दुनिया के सामने भारत की सकारात्मक छवि प्रस्तुत करता है, तब वह अनजाने में भारत की 'सॉफ्ट पावर' को मजबूत करता है।

विश्वगुरु बनने का अर्थ केवल उपदेश देना नहीं, बल्कि दुनिया को अपने आचरण, ज्ञान, तकनीक, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और मानवीय मूल्यों से प्रभावित करना है। भारत-जापान संबंध इस यात्रा का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। जापान तकनीक, पूंजी, गुणवत्ता, अनुशासन और विनिर्माण संस्कृति का प्रतीक है, भारत विशाल बाजार, युवा मानव संसाधन, डिजिटल क्षमता, प्रतिभा और नवाचार की शक्ति रखता है। दोनों की क्षमताएं एक-दूसरे की पूरक हैं। रक्षा उद्योग से लेकर सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल कनेक्टिविटी, साइबर सुरक्षा और एआई तक सहयोग के नए क्षेत्र दोनों देशों को आर्थिक और रणनीतिक रूप से अधिक मजबूत कर सकते हैं। वर्ष 2027 इस साझेदारी के लिए विशेष महत्व रखता है। भारत-जापान राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होंगे और दोनों देशों ने इसे 'इंडिया-जापान ईयर ऑफ शेयर्ड हार्जिन्स' के रूप में मनाने का निर्णय किया है। यह केवल स्मृतियों का उत्सव नहीं होना चाहिए, बल्कि साझा भविष्य की नई पटकथा लिखने का अवसर होना चाहिए।

भारत के सामने आज एक ऐतिहासिक अवसर है। प्रधानमंत्री मोदी का 'विकसित भारत 2047' केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकल्प है। स्वयं प्रधानमंत्री ने फिक्की में कहा कि विकसित भारत कोई नारा नहीं, बल्कि सभी भारतीयों द्वारा जीया जाने वाला संकल्प है। यही इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है-सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाए, उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो, युवा नवाचार का नेतृत्व करें, किसान उत्पादकता बढ़ाएं, वैज्ञानिक नई तकनीक विकसित करें और प्रत्येक नागरिक अपने कार्यक्षेत्र में श्रेष्ठता तथा ईमानदारी का उदाहरण बने। टोक्यो की 2+2 बैठक हमें भारत की रणनीतिक शक्ति का संदेश देती है और फिक्की का मंच भारत की आर्थिक शक्ति का। इन दोनों को यदि भारतीय प्रतिभा, उद्योग, संस्कृति और नागरिक कर्तव्य से जोड़ दिया जाए तो भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा नई ऊंचाइयों पर पहुंच सकती है।

आज भारत को विश्वगुरु बनाने की चर्चा केवल अतीत के गौरव की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। विश्वगुरु भारत वह होगा जो सुरक्षित भी हो, समृद्ध भी। आत्मनिर्भर भी हो, विश्व से जुड़ा भी। तकनीकी रूप से अग्रणी भी हो और मानवीय मूल्यों में भी श्रेष्ठ हो। जापान के साथ बढ़ती साझेदारी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। अब प्रश्न यह नहीं है कि दुनिया भारत को कितना महत्व देती है, प्रश्न यह है कि भारत स्वयं को कितना सक्षम, विश्वसनीय और उत्कृष्ट बनाता है। यही प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति का मूल संदेश है-भारत की प्रतिष्ठा केवल विदेश मंत्रालय या सरकार नहीं बनाएगी, भारत के 140 करोड़ नागरिक मिलकर बनाएंगे। उद्योगपति अपने निवेश से, वैज्ञानिक अपने अनुसंधान से, युवा अपनी प्रतिभा से, किसान अपनी उत्पादकता से और सामान्य नागरिक अपने आचरण से भारत को सशक्त करेगा। तभी 'विकसित भारत' आर्थिक लक्ष्य से आगे बढ़कर राष्ट्रीय चरित्र बनेगा और भारत की विश्वगुरु बनने की आकांक्षा वास्तविकता में बदल सकेगी।

संपादकीय

अश्लीलता की लीला

इसमें दो राय नहीं कि सोशल मीडिया समाज में सहज-सरल संवाद व मुखर अभिव्यक्ति का माध्यम बना है। लेकिन इसमें संपादक नामक संस्था न होने के कारण यह माध्यम धीरे-धीरे अराजक सामग्री, हिंसक अभिव्यक्ति और अश्लीलता का प्रसारक व पोषक बनता जा रहा है। दरअसल, इन कंपनियों का प्रारूप कुछ इस तरह बनाया गया है कि सामाजिक मर्यादाओं का अतिक्रमण करने वाली और बच्चों के मन-मस्तिष्क पर बुरा असर डालने वाली सामग्री दर्शकों का ध्यान ज्यादा खींचती है। कुछ समय पहले सोशल मीडिया माध्यमों पर बच्चों के यौन-शोषण से जुड़ी सामग्री के विज्ञापनों के प्रसारण को लेकर सरकार ने सख्त रवैया अपनाया था। बाकायदा मेटा को इस बाबत नोटिस भी दिया गया था। तब भी इन कंपनियों की जवाबदेही और निगरानी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगे थे। विडंबना ही है कि हिंसक, अश्लील व सनसनी फैलाने वाली सामग्री को दर्शकों की ज्यादा प्रतिक्रिया मिलती है, जो इन कंपनियों के अर्थशास्त्र का आधार भी है। विडंबना यह भी है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का एल्गोरिद्म उपयोगकर्ताओं की अभिरुचि और प्रतिक्रिया के चलते ऐसी सामग्री का अधिक प्रसार करने लगता है। अब सरकार की प्रतिक्रिया व कुछ प्रबुद्ध लोगों के प्रतिरोध के बाद इंस्टाग्राम ने अपने कंटेंट रिकमेंडेशन सिस्टम में बदलाव लाने की बात कही है। इसके अंतर्गत दावा किया जा रहा है कि एआई की मदद से अश्लील व हिंसक सामग्री की संस्तुति को उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने से पहले ही हटाने का प्रयास किया जाएगा। लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसी सामग्री को बढ़ावा देने में कंपनी की कोई भूमिका होती है? यदि नहीं, तो इसे कौन बढ़ावा देता है? सवाल यह भी है कि प्लेटफॉर्म पर सामग्री की निगरानी करने वाला एल्गोरिद्म भारतीय परिवेश में वर्जित सामग्री को लेकर अपेक्षित संवेदनशीलता दिखा पाएगा? बहुत संभव है कि सोशल मीडिया पर सूचनाओं व कार्यक्रमों का स्वरूप निर्धारित करने में पश्चिमी समाज का दृष्टिकोण प्रभावी होता हो। तो क्या एआई आधारित निगरानी व्यवस्था समस्या का संपूर्ण समाधान दे पाएगी?

वास्तव में इस बात की संभावना कम ही नजर आती है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित फिल्टरिंग व्यवस्था सोशल मीडिया पर अश्लील व आपत्तिजनक सामग्री पर पूरी तरह नियंत्रण लगा सकेगी। मशीन मानवीय अहसासों को पूरी तरह नहीं समझ सकती। इसलिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ मानवीय निगरानी और शिकायतों के शीघ्र निस्तारण का तंत्र भी बने। अब तो जो पश्चिमी देश कल तक सोशल मीडिया का गुणगान करते नहीं अघाते थे, वे भी इससे बच्चों में पनपती विकृतियों की हकीकत समझने लगे हैं। ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, स्कॉटलैंड आदि देशों ने एक निर्धारित उम्र के किशोरों की सोशल मीडिया तक पहुंच पर रोक लगाई है। न्यू मेक्सिको में एक जूरी ने मेटा को इस बात के लिए जवाबदेह ठहराया कि उसके प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध वयस्क सामग्री तक बच्चों की पहुंच बनी हुई है, जिससे उनके जीवन में यौन अपराधियों से खतरा बढ़ गया है। लेकिन भारत जैसे देशों में सोशल मीडिया के बच्चों के जीवन पर घातक प्रभावों के बावजूद नियामक कानून न होने से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाती है।

चिंतन-मनन

सेवाभाव ही सर्वोपरि

एकनाथ देवगढ़ राज्य के दीवान जनार्दन स्वामी के शिष्य। एक बार गुरू देव ने एकनाथ को राजदरबार का हिसाब करने को कहा। एकनाथ बहि-खाता लेकर हिसाब करने बैठ गये। दूसरे ही दिन सुबह हिसाब राजदरबार में देना था। सारा दिन हिसाब लिखने और करने में बीत गया। दिन में बैठे कब रात हो गयी उन्हें पता ही न चला। सेवक दीपक जलाकर चला गया। हिसाब में एक पायी की भूल आ रही था। आधी रात बीत गयी मगर भूल पकड़ में ही नहीं आ रही थी। संत जी हिसाब में खोये रहे। भोर फटते ही गुरू देव एकनाथ के कमरे में आए तो सेत जी को हिसाब में खोये पाया। बहियों पर अंधेरा होने पर भी एकनाथ हिसाब में लगे रहे। इतने में एक पायी की भूल पकड़ में आ गयी। एकनाथ खुशी से चिल्ला पड़े,मिल गयी,मिल गयी। गुरू देव ने पूछा,क्या मिल गया बेटा? एकनाथ विस्मय से बोले कि हिसाब में एक पायी की भूल पकड़ में नहीं आ रही थी वह मिल गयी है। लाखों के हिसाब में एक पायी की भूल के लिए रात भर का जागरण। गुरू देव की सेवा में इतनी लगन और दृढ़ निश्चय देखकर गुरू देव के दिल से गुरूकृपा बह निकली क्योंकि उन्हें ज्ञानामृत की वर्षा करने के लिए योग्य अधिकारी जो मिल गया था।

विदेश की धरती से भारत की कमियां गिनाने के बजाय राहुल गांधी देश को बताएं समाधान का रास्ता



कांतिलाल मांडोत

केवल आरोपों से नहीं जीता जाता मतदाताओं का विश्वास कांग्रेस को भी राहुल के बयानों पर आत्ममंथन करना चाहिए...

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में विपक्ष की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना, जनता की समस्याओं को सामने लाना और सत्ता को जवाबदेह बनाना विपक्ष का अधिकार ही नहीं, उसकी जिम्मेदारी भी है। लेकिन विपक्ष की राजनीति केवल आलोचना और आरोपों तक सीमित रह जाए तो जनता के मन में स्वाभाविक रूप से सवाल उठने लगते हैं। देश को केवल यह बताने से काम नहीं चलेगा कि समस्याएं कितनी हैं, बल्कि यह भी बताना होगा कि उनका समाधान कैसे होगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अब इस बात पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

राहुल गांधी इन दिनों अमेरिका के दौरे पर हैं। वहां उन्होंने भारत में बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था, अर्थव्यवस्था और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि देश के युवाओं को भविष्य की चिंता सता रही है और चुनावी व्यवस्था में पारदर्शिता को लेकर सवाल हैं। इन मुद्दों पर चर्चा होना जरूरी है, क्योंकि बेरोजगारी और चुनावी निष्पक्षता लोकतंत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषय हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या देश की समस्याओं को विदेश में गिनाने से उनका समाधान निकल आएगा? क्या राहुल गांधी के पास इन समस्याओं को दूर करने की कोई ठोस योजना भी है?

पिछले ग्यारह वर्षों में राहुल गांधी कई बार अमेरिका का दौरा कर चुके हैं। अलग-अलग अवसरों पर उन्होंने नोटबंदी, जीएसटी, बेरोजगारी, महंगाई, कश्मीर, लोकतंत्र, संवैधानिक संस्थाओं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा पर अपनी बात रखी है। लोकतंत्र में किसी भी नेता को अपनी राय रखने की स्वतंत्रता है, लेकिन जब कोई राष्ट्रीय स्तर का नेता विदेश में भारत की व्यवस्था पर लगातार सवाल उठाता है तो उससे यह अपेक्षा भी की जाती है कि वह देश की उपलब्धियों और संभावनाओं को भी सामने रखे। भारत केवल समस्याओं से घिरा देश नहीं है। यहां विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष, डिजिटल भुगतान, सड़क, रेल और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में लगातार काम हो रहा है। भारतीय युवा दुनिया के अनेक देशों में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। इन उपलब्धियों को स्वीकार करना किसी सरकार का समर्थन करना नहीं, बल्कि देश की प्रगति को पहचानना है।

राहुल गांधी बेरोजगारी की बात करते हैं तो उन्हें यह भी बताना चाहिए कि कांग्रेस के पास इसका क्या समाधान है। युवाओं को रोजगार चाहिए, केवल भाषण नहीं। शिक्षा व्यवस्था में सुधार, कौशल विकास, उद्योगों का विस्तार और छोटे कारोबार को प्रोत्साहन देना समय की आवश्यकता है। सरकार से रोजगार के आंकड़ों और रिक्त पदों पर सवाल पूछना उचित है, लेकिन विपक्ष को भी अपनी रोजगार नीति जनता के सामने रखनी चाहिए। कांग्रेस यह बताए कि सत्ता में आने पर वह कितने रोजगार के अवसर पैदा करेगी और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए क्या कदम उठाएगी। केवल निराशा का वातावरण बताने से युवाओं का विश्वास नहीं जीता जा सकता।

इसी तरह राहुल गांधी ने मतदाता सूची और एसआईआर प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए हैं। चुनावी व्यवस्था में पारदर्शिता होनी चाहिए और निर्वाचन आयोग को हर उचित सवाल का जवाब देना चाहिए। लेकिन किसी भी संवैधानिक संस्था पर आरोप लगाने से पहले उसके समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करना भी जरूरी है। यदि कांग्रेस के पास मतदाता सूची में गड़बड़ी या चुनावी अनियमितता से जुड़े दस्तावेज हैं तो उन्हें निर्वाचन आयोग के सामने रखना चाहिए। जरूरत पड़ने पर न्यायालय का रास्ता अपनाना चाहिए। लोकतंत्र में आरोप लगाने की स्वतंत्रता के साथ प्रमाण देने की जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। बिना ठोस आधार के बार-बार संदेह जताने से मतदाताओं के मन में भ्रम पैदा हो सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत की आलोचना करना राहुल गांधी के लिए नया नहीं है। राजनीतिक विरोध और वैचारिक मतभेद लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया हैं। कांग्रेस की अपनी विचारधारा है और उसे उसे जनता के सामने रखने का पूरा अधिकार है। लेकिन हर मुद्दे को मोदी, शाह या संघ के विरोध से जोड़ देने से जनता की मूल समस्याओं पर चर्चा कमजोर पड़ जाती है। देश की राजनीति व्यक्तियों के विरोध से आगे बढ़कर नीतियों और विकास के विकल्पों पर केंद्रित होनी चाहिए।

यहां एक बड़ा सवाल कांग्रेस नेतृत्व से भी है। राहुल गांधी के बयानों को लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेता आखिर चुप क्यों रहते हैं? क्या कांग्रेस में कोई ऐसा मंच नहीं है जहां विदेश में दिए गए बयानों की समीक्षा हो सके? क्या पार्टी नेतृत्व यह नहीं देखता कि इस तरह के बयानों से आम मतदाता के बीच क्या संदेश जाता है? किसी भी राजनीतिक दल में नेतृत्व की बात महत्वपूर्ण होती है, लेकिन पार्टी की सामूहिक जिम्मेदारी भी कम नहीं होती। कांग्रेस को अपने नेता के हर बयान का समर्थन करने के बजाय तथ्यों के आधार पर आत्ममंथन करना चाहिए। यदि किसी बयान से देश के भीतर या बाहर गलत संदेश जाता है तो उस पर स्पष्टता देना पार्टी का दायित्व है।

कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती जनता का विश्वास दोबारा हासिल करने की है। 2014 से पहले भ्रष्टाचार के अनेक आरोप और विवाद तत्कालीन सरकार के सामने बड़ी चुनौती बन गए थे। जनता ने चुनाव में अपना निर्णय सुनाया और सत्ता परिवर्तन हुआ। इसके बाद भी कांग्रेस अपने संगठन और राजनीतिक कार्यशैली में अपेक्षित बदलाव नहीं कर पाई। केवल प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना करने से पार्टी का खोया जनाधार वापस नहीं आने वाला। जनता को यह जानना है कि कांग्रेस के पास देश के विकास, रोजगार, शिक्षा, किसान, मजदूर और मध्यमवर्ग के लिए कौन सी नई योजनाएं हैं।

राजनीति में विरोध करना आसान है, लेकिन जनता के सामने भरोसेमंद विकल्प रखना कठिन जिम्मेदारी है। राहुल गांधी को यह समझना होगा कि मतदाता अब केवल भाषण सुनकर निर्णय नहीं करता। वह काम, नेतृत्व, नीतियों और भविष्य की योजनाओं को भी देखता है। विदेश में जाकर भारत की कमियां गिनाने के बजाय उन्हें यह बताना चाहिए कि उन कमियों को दूर करने के लिए उनकी पार्टी क्या करेगी। सरकार को भी आलोचनाओं का जवाब तथ्यों और अपने काम के आधार पर देना चाहिए।

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की अपनी भूमिका है। देश की छवि किसी एक राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं है। सरकार की गलतियों पर सवाल उठना चाहिए और विपक्ष की गलतियों पर भी चर्चा होनी चाहिए। राहुल गांधी को यह समझना होगा कि लगातार आरोप लगाने से मतदाताओं का दिल नहीं जीता जा सकता। कांग्रेस को भी अपने नेतृत्व से यह सवाल पूछना चाहिए कि आखिर पार्टी देश को कौन सा रास्ता दिखाना चाहती है। जनता को आरोपों की राजनीति नहीं, समाधान की राजनीति चाहिए। अब समय आ गया है कि राहुल गांधी केवल समस्याओं की सूची पेश करने के बजाय उनका व्यावहारिक समाधान बताएं। लोकतंत्र में वही नेतृत्व लंबे समय तक जनता का विश्वास हासिल करता है, जो सवाल उठाने के साथ जवाब और विकल्प देने की क्षमता भी रखता हो।

(वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार, स्तम्भकार)

ट्रंप का भारतीय इकोनॉमी की तारीफ के मायने

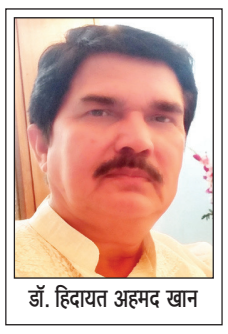

डॉ. हिदायत अहमद खान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब भारतीय अर्थव्यवस्था की तारीफ करते हैं और भारत की करीब सात प्रतिशत विकास दर को अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए उदाहरण बताते हैं, तो इसे केवल भारत के प्रति उनके बदले हुए नजरिये के रूप में देखना उचित नहीं होगा। उनकी इस टिप्पणी के पीछे अमेरिकी घरेलू राजनीति, आर्थिक नीतियों और फेडरल रिजर्व के साथ जारी टकराव की पृष्ठभूमि भी है। सवाल यह है कि जिस भारत पर उनके प्रशासन ने टैरिफ संबंधी दबाव बढ़ाया, जिसके नागरिकों के लिए वीजा नीतियां सख्त की गईं, उसी भारत की आर्थिक व्यवस्था अचानक उन्हें इतनी आकर्षक क्यों दिखाई देने लगी? ट्रंप की इस बात में दम है कि भारत में ब्याज दरें कम हैं और जीडीपी सात प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। इसके मुकाबले उन्होंने अमेरिकी अर्थव्यवस्था की विकास-दर का जिक्र करते हुए दावा किया कि यदि अमेरिका में भी ब्याज दरें कम रखी जाएं तो विकास दर 14, 15 या 20 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। उन्होंने अमेरिकी फेडरल रिजर्व पर राजनीतिक रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि अच्छे आर्थिक आंकड़े आने के बावजूद केंद्रीय बैंक ब्याज दरें बढ़ाने की दिशा में काम करता है। ट्रंप का मानना है कि आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और सरकारी कर्ज चुकाने की क्षमता मजबूत करने के लिए ब्याज दरें कम होनी चाहिए। दरअसल, ट्रंप और फेडरल रिजर्व के बीच ब्याज दरों को लेकर मतभेद नया नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति चाहते हैं कि केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में कटौती करे, ताकि कारोबार, निवेश और उपभोग को प्रोत्साहन मिले। दूसरी ओर फेडरल रिजर्व का प्रमुख दायित्व महंगाई को नियंत्रित रखना और रोजगार के स्तर को संतुलित बनाए रखना है। यही वजह है कि वह केवल राष्ट्रपति की इच्छा के अनुरूप ब्याज दरों में बदलाव नहीं कर सकता। मौद्रिक नीति में केंद्रीय बैंक की स्वतंत्रता का उद्देश्य भी यही है कि आर्थिक फैसले राजनीतिक दबाव से प्रभावित न हों। ट्रंप की टिप्पणी के समय अमेरिका में महंगाई का दबाव भी महत्वपूर्ण है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार सितंबर में व्यक्तिगत उपभोग व्यय (पीसीई) आधारित महंगाई दर 3.6 प्रतिशत और कोर पीसीई महंगाई दर 3.1 प्रतिशत थी, जबकि फेड का दीर्घकालिक लक्ष्य दो प्रतिशत है। ऐसे में ब्याज दरों में जल्द और बड़ी कटौती महंगाई को फिर बढ़ाने का जोखिम पैदा कर सकती है। इसलिए ट्रंप का यह दावा कि कम ब्याज दरों से अमेरिकी विकास दर सीधे 15 या 20 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, एक राजनीतिक और आर्थिक अनुमान है, कोई स्थापित आर्थिक निष्कर्ष नहीं। ब्याज दरें विकास को प्रभावित करती हैं, लेकिन उत्पादकता, निवेश, रोजगार, मांग और वैश्विक परिस्थितियां भी इसमें निर्णायक भूमिका निभाती हैं। भारत की तारीफ को भारत-अमेरिका संबंधों के संदर्भ में भी समझना होगा। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्तों में टैरिफ को लेकर तनाव पैदा हुआ। अमेरिकी नीतियों का असर भारतीय निर्यातकों और कारोबारियों की योजनाओं पर पड़ा। वीजा नियमों में सख्ती ने भारतीय पेशेवरों और अमेरिका में काम करने की आकांक्षा रखने वाले युवाओं के सामने भी अनिश्चितता बढ़ाई। इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ट्रंप की व्यक्तिगत निकटता और उनकी तारीफ के बयान लगातार चर्चा में रहे हैं। कुछ दिन पहले मोदी को टफ मैन कहना और अब भारतीय अर्थव्यवस्था को उदाहरण बनाना इसी सिलसिले का हिस्सा है। लेकिन कूटनीति में व्यक्तिगत प्रशंसा और नीतिगत सहयोग दो अलग-अलग बातें हैं। नेताओं के बीच मित्रता के सार्वजनिक प्रदर्शन से व्यापारिक बाधाएं अपने आप समाप्त नहीं होतीं। भारत के लिए महत्वपूर्ण यह है कि अमेरिकी बाजार तक पहुंच, निर्यात पर शुल्क, तकनीकी सहयोग, निवेश और भारतीय पेशेवरों के वीजा जैसे मुद्दों पर ठोस प्रगति हो। इसी तरह अमेरिका के लिए भारत एक बड़ा बाजार, निवेश का अवसर और वैश्विक आपूर्ति शृंखला में महत्वपूर्ण भागीदार है। दोनों देशों के आर्थिक हित एक-दूसरे से जुड़े हैं, इसलिए आपसी मतभेदों का असर केवल सरकारों तक सीमित नहीं रहता। शेयर बाजारों में अनिश्चितता और सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी वैश्विक आर्थिक माहौल की संवेदनशीलता को रेखांकित करते हैं। हालांकि इन बदलावों का कारण केवल भारत-अमेरिका संबंधों को नहीं माना जा सकता। वैश्विक ब्याज दरें, भू-राजनीतिक तनाव, निवेशकों की धारणा और मुद्रा बाजार भी इन पर असर डालते हैं। इसलिए ट्रंप की भारतीय अर्थव्यवस्था की तारीफ को उपलब्धि के प्रमाणपत्र से अधिक एक अवसर के रूप में देखना चाहिए। भारत की सात प्रतिशत विकास दर निश्चित रूप से वैश्विक अर्थव्यवस्था में उसकी स्थिति को रेखांकित करती है, लेकिन विकास की निरंतरता के लिए घरेलू निवेश, रोजगार, विनिर्माण और निर्यात को मजबूत करना जरूरी है। भारत को अमेरिकी प्रशंसा से अधिक अपने आर्थिक हितों पर ध्यान देना होगा। वहीं अमेरिका को भी यह समझना होगा कि भारत के साथ संबंध केवल टैरिफ लगाने या तारीफ करने से नहीं चल सकते। स्थिर व्यापारिक नीति, परस्पर भरोसा और स्पष्ट आर्थिक सहयोग ही दोनों देशों के रिश्तों को वास्तविक मजबूती दे सकते हैं।

फिलीपींस में टला बड़ा विमान हादसा, सुरक्षित लैंडिंग से बचे 146 लोग

मनीला ,एजेंसी। फिलीपींस में एयर न्यूगिनी के विमान ने दक्षिणी फिलीपींस के दावाओ शहर में आपातकालीन लैंडिंग की, जिससे एक बड़ा विमान हादसा टल गया। हांगकांग से पापुआ न्यू गिनी जा रहे इस विमान के इंजन में चिंगारी दिखने के बाद यह सुरक्षित लैंडिंग की गई, जिसमें सवार सभी 146 यात्री और चालक दल के सदस्य बाल-बाल बच गए। फिलीपींस की सिविल एविएशन अथॉरिटी (सीएएपी) ने बताया कि यह बोइंग 767-383 ईआर विमान था। इसमें 137 यात्री और 9 चालक दल के सदस्य सवार थे, कुल 146 लोग सवार थे। पायलटों ने दाहिने इंजन में संभावित चिंगारी या आग का संकेत मिलने के बाद तुरंत सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन कर दावाओ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग का अनुरोध किया। विमान अपने तय मार्ग से भटक गया था। लैंडिंग के बाद, सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को इमरजेंसी स्लाइड के ज़रिए सुरक्षित बाहर निकाला गया। फिलीपींस की सिविल एविएशन अथॉरिटी के प्रवक्ता एरिक अपोलोनियो ने पुष्टि की कि इस पूरी प्रक्रिया में कोई भी हताहत नहीं हुआ। यात्रियों को तुरंत हवाई अड्डे के टर्मिनल ले जाया गया और उनके लिए होटल में ठहरने की व्यवस्था की गई। इमरजेंसी लैंडिंग के कारण दावाओ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को अस्थायी रूप से अन्य उड़ानों के लिए बंद कर दिया गया था, जिससे दो घरेलू उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। हालांकि, सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद मुख्य रनवे को फिर से खोल दिया गया। फिलीपींस की सिविल एविएशन अथॉरिटी ने बताया कि विमान को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है और इस घटना के विस्तृत कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

सांसद ने सदन में किया शादी के लिए प्रपोज़, तालियों से गूंजने लगी संसद

सिडनी,एजेंसी। संसद की कार्यवाही आमतौर पर गंभीर बहसों और नीतियों के लिए जानी जाती है, लेकिन 19 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स संसद में एक ऐसा अनोखा और फिल्मी नजारा देखने को मिला, जिसने सबको हैरान कर दिया। सिडनी के राइड इलाके से सांसद जॉर्डन लेन ने अपनी विदाई स्पीच के दौरान अपनी 10 साल पुरानी पार्टनर नताली हिसी को सबके सामने शादी के लिए प्रपोज़ कर दिया। इस अप्रत्याशित घटना ने न सिर्फ सदन का माहौल बदल दिया, बल्कि पूरे देश में चर्चा का विषय बन गई। जॉर्डन लेन अपनी विदाई स्पीच यानी वैलेडिक्टरी एड्रेस दे रहे थे, जब उन्होंने अचानक पब्लिक गैलरी में बैठी अपनी पार्टनर नताली हिसी के सामने सगाई की अंगूठी निकाली और सबको चौंकाते हुए पूछा, क्या तुम मुझसे शादी करोगी? इस अचानक आए मोड़ ने न सिर्फ साथी सांसदों को हैरान कर दिया, बल्कि स्पीकर और पब्लिक गैलरी में बैठे लोग भी एक पल के लिए ठगे से रह गए। जॉर्डन लेन ने अपने भाषण के दौरान नताली के साथ अपने 10 साल से ज्यादा पुराने रिश्ते का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनका यह रिश्ता कई मुश्किलों और हालात के बीच परवान चढ़ा है और दस साल पहले दोनों का साथ आना एक तरह से संयोग था। उन्होंने नताली की तारीफ करते हुए कहा कि वह उनके जीवन में हर अच्छी और सच्ची चीज की वजह हैं, और शब्दों में यह बयां कर पाना मुश्किल है कि नताली ने उनकी जिंदगी पर कितना गहरा असर डाला है। अपने भाषण के आखिर में, उन्होंने स्पीकर को संबोधित करते हुए कहा कि राइड के सदस्य के तौर पर उनका आखिरी सवाल उनके प्यार नताली के लिए है। इतना कहते ही उन्होंने सगाई की अंगूठी निकाली और सीधा शादी का प्रस्ताव रख दिया। जैसे ही जॉर्डन लेन ने यह सवाल पूछा, सदन का गंभीर माहौल पूरी तरह बदल गया और तालियों की आवाज से गूंज उठा। इसके बाद लेन नताली के पास पहुंचे और उनकी उंगली में अंगूठी पहनाई। नताली के हां कहने को लेकर कोई भ्रम न रहे, इसके लिए सांसद ने सदन को मजाकिया अंदाज में आधिकारिक तौर पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वह संसद के आधिकारिक रिकॉर्ड यानी हैंसार्ड में यह दर्ज कराना चाहते हैं कि नताली ने हां कह दिया है।

थाईलैंड ने अमेरिका से आयात होने वाले सभी उत्पादों पर शुल्क खत्म करने किया समझौता

ट्रंप बोले-हर साल अमेरिका से 2.6 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद खरीदने की इच्छा भी जताई



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि थाईलैंड ने अमेरिका से आयात होने वाले सभी उत्पादों पर शुल्क खत्म करने के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उनके मुताबिक बैंकॉक ने हर साल अमेरिका से 2.6 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद खरीदने की इच्छा भी जताई है। हालांकि ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस खरीद का आंकड़ा और बढ़ाने की कोशिश करेगा। एशिया की चार दिवसीय यात्रा से लौटने के बाद व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा कि थाईलैंड ने अमेरिकी उत्पादों पर सभी शुल्क खत्म करने के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि थाईलैंड ने गैर-शुल्क बाधाओं को भी हटा दिया है। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये बाधाएं कौन-सी थीं और शुल्क में कटौती कब से लागू होगी।

मीडिया रिपोर्ट में ट्रंप के मुताबिक 2.6 अरब डॉलर का आंकड़ा थाईलैंड की ओर से हर साल अमेरिकी कृषि उत्पाद खरीदने की शुरुआती इच्छा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह केवल शुरुआती आंकड़ा है। हम इससे ज्यादा की मांग करेंगे। थाईलैंड के साथ हुआ समझौता उन दो व्यापारिक समझौतों में शामिल है, जिनकी घोषणा ट्रंप ने अपनी एशिया यात्रा के दौरान की थी। दूसरा समझौता फिलीपींस के साथ एक रूपरेखा के तौर पर हुआ है। ट्रंप ने दोनों समझौतों को अमेरिकी किसानों के लिए फायदेमंद बताया, हालांकि दोनों देशों से की गई उनकी मांगों में अंतर था।

ट्रंप ने बताया कि मनीला में उन्होंने फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर से एक जनवरी से देश की कृषि संबंधी सभी आयात जरूरतों को अमेरिकी किसानों से पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि फिलीपींस अब तक ब्राजील से बड़ी मात्रा में कृषि उत्पाद खरीदता रहा है। ट्रंप ने चीन के साथ संभावित टकराव का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में फिलीपींस को अमेरिकी मदद की जरूरत पड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि फिलीपींस और मलेशिया अमेरिकी तकनीक तथा सेवाओं का इस्तेमाल अपने क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए करने पर सहमत हुए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि आसियान शिखर सम्मेलनों में अमेरिका की भागीदारी का सीधा आर्थिक महत्व है। इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाएं अमेरिकी उत्पादों के लिए बड़े बाजार हैं और यहां होने वाली बिक्री से अमेरिका में रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। ट्रंप ने थाईलैंड और कंबोडिया के बीच संघर्ष का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि थाईलैंड के प्रधानमंत्री ने संघर्ष में उनके हस्तक्षेप के लिए आभार जताया और बताया कि उनकी भूमिका के संबंध में नोबेल समिति को पत्र लिखा है।

रियाद पर दागी गईं मिसाइलें, हूती ने जवाबी कार्रवाई का किया दावा

रियाद,एजेंसी। यमन के हूती लड़ाकू समूह ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया, इस उन्होंने सऊदी गठबंधन के विशेष अभियान का जवाब बताया। इस हमले के बाद रियाद में दो धमाके सुने गए, जिसके जवाब में सऊदी वायु रक्षा प्रणाली ने राजधानी की ओर दागी गई तीन बैलिस्टिक मिसाइलों को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट कर नष्ट किया। सऊदी ने इससे पहले अपने नागरिकों को संभावित हवाई हमले के प्रति सचेत रहने की सलाह दी थी। हूती समूह ने दावा किया है कि उसने रियाद सहित पूरे सऊदी अरब में कई ठिकानों को निशाना बनाया है। यह हमला गठबंधन द्वारा शुक्रवार को लाल सागर के बंदरगाह शहर होदेइदा और अन्य स्थानों पर किए गए हमलों के बाद हूती की जवाबी कार्रवाई की धमकी के अनुरूप था। हूती ने पहले चेतावनी दी थी कि अगर होदेइदा पर हमला होता है, तब वह सऊदी शहर जेद्दा और लाल सागर के अन्य बंदरगाहों को निशाना बनाएगा। समूह ने एयरलाइंस को सऊदी हवाई क्षेत्र को असुरक्षित बताकर वहां उड़ान न भरने की सलाह भी दी थी, हालांकि मक्का और मदीना के पवित्र हवाई क्षेत्र को इससे बाहर रखा गया। उन्होंने रियाद के वित्तीय जिले और अल-शुकाइक स्थित एक पावर स्टेशन को भी निशाना बनाने की धमकी दी थी। गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मल्की ने बताया कि उनके बलों ने होदेइदा बंदरगाह पर उन परिचालन क्षमताओं को निशाना बनाया, जिनका इस्तेमाल हथियारों की तस्करी और बैलिस्टिक मिसाइलों की ढुलाई के लिए किया जा रहा था। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि यमन की सीमा के पास जिजान क्षेत्र के ऊपर दो और बैलिस्टिक मिसाइलों को रोका गया, जिनका मलबा अल-शुकाइक में गिरा। हमलों के बाद दोनों पक्षों ने अलग-अलग दावे किए हैं। हूती का दावा है कि पिछले 24 घंटों में गठबंधन के हमलों में 41 लोग मारे गए हैं। वहीं, सऊदी समर्थित सशस्त्र बलों का कहना है कि दर्जनों हवाई हमलों और बमबारी में 193 हूती लड़ाके मारे गए या घायल हुए हैं। हूती ने अल-शुकाइक पावर स्टेशन और जिजान बंदरगाह पर सटीक और सीधे हमले कर भारी नुकसान पहुंचाने का भी दावा किया है। यह नवीनतम घटना महीनों से जारी संघर्ष में हिंसा की बढ़ती गति को दर्शाती है।

अमेरिकी नागरिकों पर साइबर हमले, एफबीआई प्रमुख ने दी कड़ी चेतावनी

वाशिंगटन,एजेंसी। फेडरल ब्यूरो ऑफ इवेंस्टिगेशन (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल ने अमेरिकियों को निशाना बनाने वाले साइबर अपराधियों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसतरह के अपराधियों को कानून का सामना करना पड़ेगा। एफबीआई प्रमुख पटेल ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के नेतृत्व में एफबीआई साइबर खतरों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर रही है और इसतरह के हमलावरों को ढूंढ निकालने के लिए प्रतिबद्ध है। अपनी पोस्ट में एफबीआई प्रमुख पटेल ने ऑपरेशन विंटर शील्ड का जिक्र किया। इस अभियान का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर अमेरिका की साइबर सुरक्षा को मजबूत करना और व्यवसायों, सरकारी प्रणालियों तथा महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की रक्षा करना है। एफबीआई प्रमुख पटेल ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में एफबीआई दुनिया भर के साइबर अपराधियों के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है और हम साइबर खतरों के खिलाफ आक्रामक रुख अपना रहे हैं। हमारा संदेश साफ है- अगर आप अमेरिकी लोगों को निशाना बनाते हैं, तब न्याय आप तक जरूर पहुंचेगा। यह चेतावनी तब आई है जब अमेरिका में साइबर सुरक्षा और डिजिटल बुनियादी ढांचे की मजबूती को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। हाल ही में, जेपी मॉर्गन चेस से जुड़े थर्ड-पार्टी सर्विस प्रोवाइडर्स पर एक बड़ा साइबर हमला हुआ, जिससे लगभग 16,000 ग्राहकों की निजी जानकारी लीक होने की आशंका है। बैंक ने गुरुवार को बताया कि उनकी जांच से पता चला है कि हमलावरों ने बाहरी वेंडर्स के पास मौजूद मार्केटिंग डेटा तक पहुंच बना ली थी, जिसमें ग्राहकों के नाम और ईमेल पते शामिल हो सकते हैं। रिपोर्ट अनुसार, एनओएन नामक एक रैनसमवेयर ग्रुप ने डेटा लीक की जिम्मेदारी ली है। खबरों के मुताबिक, इस घटना से वीजा और मास्टरकार्ड से जुड़े व्यावसायिक साझेदार भी प्रभावित हुए हैं, जिनकी ईमेल पते, फोन नंबर और खाता आईडी जैसी संवेदनशील जानकारी लीक हुई है। जेपी मॉर्गन चेस ने आश्वस्त किया है कि उनकी मुख्य सेवाओं में कोई रुकावट नहीं आई है और वे प्रभावित ग्राहकों से सीधे संपर्क करके उन्हें मुफ्त क्रेडिट मॉनिटरिंग सहित आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे।

2070 तक अमेरिका में हिंदुओं की आबादी बढ़कर दोगुनी से भी ज्यादा होगी

रिपोर्ट में खुलासा, अगले पांच दशकों में दुनिया में धार्मिक आबादी की तस्वीर बदलेगी

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया में धार्मिक विविधता बढ़ती जा रही है। हाल ही में एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अगले पांच दशकों में दुनिया में धार्मिक आबादी की तस्वीर तेजी से बदलने वाली है। इस रिपोर्ट के मुताबिक साल 2070 तक अमेरिका में हिंदुओं की आबादी बढ़कर दोगुनी से भी ज्यादा हो सकती है, जो एक बड़ा जनसांख्यिकीय बदलाव होगा। रिपोर्ट के आंकड़ों पर गौर करें तो, साल 2020 तक अमेरिका में हिंदुओं की आबादी करीब 30 लाख थी, जो देश की कुल जनसंख्या का करीब 0.9फीसदी हिस्सा थी, लेकिन भविष्य के अनुमान बेहद दिलचस्प हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक साल 2070 तक अमेरिका में हिंदुओं की संख्या 74 लाख से 90 लाख के आसपास पहुंच जाएगी। इस बढ़ोतरी के साथ, अमेरिका में हिंदुओं की कुल आबादी 2फीसदी का आंकड़ा छू लेगी। यह वृद्धि मुख्य रूप से इमिग्रेशन के कारण होने का अनुमान है। भारत और दक्षिण एशिया के अन्य हिस्सों से बड़ी संख्या में हिंदू अमेरिका का रुख कर रहे हैं, जो टेक्नोलॉजी, उच्च शिक्षा, चिकित्सा और व्यापार जैसे क्षेत्रों में अवसरों की तलाश में हैं। जानकारों के मुताबिक यही प्रवासन अमेरिका में अगले 50 सालों में धार्मिक विविधता को नया आकार देगा। रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ अमेरिका ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, पाकिस्तान, इंडोनेशिया, मलेशिया और बांग्लादेश जैसे देशों में भी हिंदू जनसंख्या में फेरबदल देखने को मिलेगा। वैश्विक स्तर पर, हिंदू आबादी में होने वाली कुल वृद्धि का करीब 88फीसदी हिस्सा अकेले भारत में केंद्रित रहेगा। अनुमान है कि भारत में हिंदुओं की संख्या 2020 के 1.11 अरब से बढ़कर 2070 तक 1.29 अरब के पार जा सकती है। भारत और नेपाल दुनिया के ऐसे दो राष्ट्र बने रहेंगे जहां हिंदू समुदाय स्पष्ट बहुमत में होगा। हालांकि, जनसंख्या वृद्धि की अलग-अलग दरों के कारण भारत की कुल आबादी में हिंदुओं का अनुपात 79फीसदी से घटकर 76फीसदी के आसपास रह सकता है।

आने वाले पांच दशकों में, अमेरिका वैश्विक मानचित्र पर पांचवीं सबसे बड़ी हिंदू आबादी वाले देश के रूप में उभर सकता है। इस बदलाव से अमेरिका के अंदर धार्मिक समीकरणों पर भी असर पड़ेगा। वहां ईसाई और मुस्लिम समुदाय पहले और दूसरे सबसे बड़े धार्मिक समूह बने रहेंगे, जबकि हिंदू आबादी यहूदी समुदाय को पीछे छोड़ते हुए अमेरिका का तीसरा सबसे बड़ा धार्मिक वर्ग बन सकती है। जानकारों के मुताबिक यह स्थिति अमेरिकी समाज में बढ़ते बहुसांस्कृतिक ताने-बाने को दर्शाती है और इस समुदाय की भूमिका वहां की अर्थव्यवस्था और नीति निर्माण में भी गहरी होगी, क्योंकि शिक्षा और आय के मामले में यह वर्ग पहले से ही अमेरिका के सबसे समृद्ध समुदायों में गिना जाता है।

निखिल गुप्ता ने अपनी गलतियों के लिए अदालत में मांगी माफी , पन्नू हत्या की साजिश मामले में मिली 19 साल 7 महीने की सजा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में भूमिका के मामले में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को 19 साल 7 महीने जेल की सजा सुनाई है। न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के अमेरिकी जिला जज विक्टर मारेरो ने शुक्रवार को करीब 80 मिनट की सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। गुप्ता को कुल 235 महीने जेल में बिताने होंगे। अदालत में निखिल ने अपने किए पर पछतावा जताया और माफी भी मांगी। गौरतलब है कि 55 वर्षीय निखिल गुप्ता ने फरवरी 2026 में अपने खिलाफ लगाए गए तीन आरोपों में दोष स्वीकार किया था। इनमें सुपारी देकर हत्या कराने, हत्या की साजिश रचने और मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश से जुड़े आरोप शामिल थे। अमेरिकी अभियोजकों के अनुसार, मामला 2023 में न्यूयॉर्क में पन्नू की हत्या की कथित योजना से जुड़ा है।

गुप्ता को चेक गणराज्य से किया गया था गिरफ्तार- अभियोजन पक्ष के मुताबिक, गुप्ता ने जिस व्यक्ति से अपराध के लिए संपर्क किया था, उसे वह साजिश में सहयोगी समझ रहा था, लेकिन वह अमेरिकी ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीईए) का गोपनीय सूत्र था। जांच आगे बढ़ने पर अमेरिकी एजेंसियों के अंडरकवर अधिकारियों ने भी मामले में भूमिका निभाई और कथित साजिश से जुड़े सबूत जुटाए। गुप्ता को जून 2023 में चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद जून 2024 में उसे अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया।

अमेरिका में 90 दिन के ब्लैकआउट की अफवाह, घरों में जमा हो रहा राशन-पानी

चावल, डिब्बाबंद भोजन और पानी की खरीदारी में तेजी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में इन दिनों आम लोग पानी की बोतलें, डिब्बाबंद खाद्य सामग्री, चावल, प्रोपेन गैस और जनरेटर जैसी रोजमर्रा की चीजें भारी मात्रा में खरीदकर घरों में स्टोर कर रहे हैं। इस अचानक बढ़ी खरीदारी के पीछे कोई प्राकृतिक आपदा या तूफान की चेतावनी नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही अफवाह है। ऑनलाइन मंचों पर दावा किया जा रहा है कि पूरे देश में अगले 90 दिनों तक बिजली और अन्य आवश्यक सेवाएं पूरी तरह बंद हो सकती हैं।

हालांकि यह दावा पूरी तरह निराधार है, लेकिन लोगों में डर इतना बढ़ गया है कि वॉलमार्ट, कॉस्टको और ट्रैक्टर सप्लाई जैसे प्रमुख रिटेल स्टोरों पर आपातकालीन वस्तुओं की बिक्री में भारी उछाल आया है। वॉलमार्ट के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में प्रोपेन, बोतलबंद पानी और कैंपिंग से जुड़े सामान की मांग कई गुना बढ़ गई, जबकि कॉस्टको में चावल, डिब्बाबंद भोजन और पानी की खरीदारी में तेजी आई है।

इस घबराहट भरी खरीदारी की शुरुआत किसी एक घटना से नहीं हुई, बल्कि इसकी जड़ें सितंबर के अंत में जारी अमेरिकी रक्षा विभाग के निर्देश से जुड़ी हैं। सैन्य तैयारियों से संबंधित उस निर्देश को सोशल मीडिया पर तोड़-मरोड़कर 90 दिनों के ब्लैकआउट की चेतावनी के रूप में दिखया गया है। इसके बाद टिकटॉक पर इसरतह के कई फर्जी वीडियो वायरल होने लगे, जिसमें कहा गया कि 17 नवंबर से पूरे अमेरिका की बिजली व्यवस्था ठप्प हो जाएगी। कुछ फर्जी वीडियो में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को ऐसी घोषणा करते हुए दिखाया गया था। अमेरिकी आपदा प्रबंधन एजेंसी फेमा द्वारा 17 नवंबर को देशव्यापी इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम के लिए निर्धारित एक सामान्य परीक्षण को भी सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने किसी बड़े संकट का संकेत बताकर अफवाहों से जोड़ दिया।

दूसरी ओर, अमेरिकी अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि देशभर में 90 दिनों तक बिजली कटौती की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है और इंटरनेट पर वायरल हो रहे ये सभी दावे पूरी तरह झूठे साबित हुए हैं। हालांकि, अफवाहों के इसी दौर में कुछ वास्तविक तकनीकी गड़बड़ियों जैसे माइक्रोसॉफ्ट सेवाओं में रुकावट, हवाई यातायात की संचार प्रणाली में दिक्कत, बैंकिंग कामकाज प्रभावित होना और एप्पल के सॉफ्टवेयर अपडेट में समस्या ने लोगों के संदेह को और गहरा कर दिया। इसके अलावा, ब्रिटेन, जापान, जर्मनी और नॉर्वे जैसे देशों में चलाए जा रहे आपातकालीन जागरूकता अभियानों को भी सोशल मीडिया पर अमेरिका में होने वाले ब्लैकआउट के संकेत के तौर पर पेश किया गया, जिससे बेचैनी और बढ़ी। आरबीसी कैपिटल मार्केट्स का मानना है कि यदि भविष्य में कोई नया भू-राजनीतिक तनाव या साइबर हमला सामने आता है, तो लोगों की यह सावधानी घबराहट भरी अंधाधुंध खरीदारी में बदल सकती है।

अमेरिकी चिप युद्ध- पांच देशों पर प्रतिबंध, एआई उद्योग पर मंडराया संकट

वाशिंगटन ,एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच जारी चिप युद्ध अब एक नए और गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिका ने पांच देशों को एडवांस्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चिप्स के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिसका उद्देश्य विदेशी डेटा सेंटरों के माध्यम से चीन को अमेरिकी तकनीक तक पहुंचने से रोकना है। इस कदम से वैश्विक एआई उद्योग में बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

इस नियामक दबाव और संभावित लेखांकन मुद्दों की जांच की खबरों के बीच, चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया के शेयर 20 नवंबर को 11.5 प्रतिशत तक गिर गए। रिपोर्ट के अनुसार, इन प्रतिबंधों से पूरे दक्षिण-पूर्व एशिया में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश बाधित हो सकता है और चीन की सेमीकंडक्टर आत्मनिर्भरता की कोशिशों को बल मिल सकता है। यूएस ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्री एंड सिक्योरिटी (बीआईएस) ने मलेशिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया, सिंगापुर और ब्राजील को भेज जाने वाले एआई चिप्स के लिए निर्यात लाइसेंसिंग की आवश्यकताएं लागू की हैं। यह कार्रवाई मौजूदा निर्यात नियंत्रणों की खामियों को दूर करने के लिए की गई है, जिनके तहत चीनी कंपनियां विदेशी डेटा सेंटरों से अमेरिकी एआई चिप्स तक पहुंच बना रही थीं। अनुमान है कि प्रतिबंध लगने के बावजूद 2024 में लगभग 2.4 लाख एनवीडिया एआई चिप्स चीन भेज गए थे, जिसमें सिंगापुर की मेगास्पीड जैसी कंपनियां अलीबाबा को जीपीयू किराए पर दे रही थीं। ये रोक इसरतह के अप्रत्यक्ष एक्सेस को रोकने के लिए हैं।

सेमीकंडक्टर निर्यात और विदेशी कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर अमेरिका की बढ़ती निगरानी से एनवीडिया को भविष्य में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। कंपनी का एआई इकोसिस्टम में 61 बिलियन डालर का इक्विटी निवेश और 164.5 बिलियन डालर की लीज़ गारंटी है। एआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग में कमी से छोटे क्लाउड प्रदाता प्रभावित होगा, जो उन्नत चिप्स पर निर्भर हैं। इसका असर एआई इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी कोरवीव पर पहले ही दिख चुका है, जिसके शेयर मूल्य में 25 प्रतिशत की गिरावट आई है।

इस बीच, चीन अमेरिकी तकनीक पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए घरेलू सेमीकंडक्टर क्षमताओं को विकसित करने के प्रयासों में तेजी ला रहा है। हाईसिलिकॉन, कैम्ब्रिकॉन और लूंगसन जैसी कंपनियां चिप डिज़ाइन में, एसएमआईसी और हुआ होंग सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग में, और नौरा व एएमईसी उपकरण आपूर्ति में सक्रिय हैं। अनुमान है कि 2025 तक चीन का सेमीकंडक्टर उपकरण बाजार 49 बिलियन डालर और सामग्री बाजार 16 बिलियन डालर का होगा, जो घरेलू आपूर्ति-श्रृंखला के विकास की क्षमता को दर्शाता है। यह तकनीकी होड़ एआई के भविष्य और वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य को नया आकार दे रही है।

बांग्लादेश में फिर हिंसा, हसीना समर्थकों के 50 घर जलाए

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंसा की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रहीं। नराइल जिले में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के करीब 50 घरों और दुकानों में आग लगा दी गई। घटना कालिया उपजिला के बेंदर चार गांव में हुई। स्थानीय लोगों के मुताबिक हमले दोपहर से देर रात तक जारी रहे। हमलावरों ने कई घरों में तोड़फोड़ की और वहां रखा फर्नीचर, कीमती सामान और दूसरी चीजें लूट लीं। पूर्व पीएम शेख हसीना देश लौटने की बात कह चुकी हैं। इसके बाद से ही तनाव बढ़ गया है। बीते दिनों हुई हिंसा में पीएम तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी के दो नेताओं की हत्या हुई थी। स्थानीय लोगों ने इन हमलों के लिए पीएम तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार बताया है। हालांकि, हमले में शामिल लोगों की पहचान नहीं हुई। पूर्व अवामी लीग सांसद बीएम कबीरुल हक मुक्ति बिस्वास का पुश्तैनी घर भी जला दिया गया है।

क्रीमिया ब्रिज पर हुए हमले का रुस ने लिया बदला, यूक्रेन पर दागे ड्रोन व मिसाइलें

हमले में आठ की मौत, कई पुल, बिजली-पानी सप्लाई और रेलवे को पहुंचा नुकसान

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन के क्रीमिया ब्रिज पर हुए हमले का बदला ले लिया। यूक्रेन पर रुस ने 400 से ज्यादा ड्रोन और 110 से ज्यादा मिसाइलें दागीं। इस हमले में आठ लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने हमले में 27 बैलिस्टिक मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया गया। उन्होंने इसे युद्ध के सबसे बड़े हमलों में से एक बताया। हमले में कई पुलों, बिजली-पानी की सप्लाई और रेलवे को नुकसान पहुंचा है।

बता दें इससे पहले गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने क्रीमिया ब्रिज पर हमले पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि रूस इस हमले का दर्दनाक जवाब देगा। यूक्रेन के प्रधानमंत्री ने बताया कि हमले में मारे गए आठ लोगों में से 6 कीव के रहने वाले थे। बाकी 2 लोगों की मौत पश्चिमी शहर लवीव के एक रेलवे स्टेशन पर हुई। रातभर हुए हमलों में कीव में कई धमाके हुए। जान बचाने के लिए लोग मेट्रो स्टेशनों में छिप गए। रूस ने निप्रो नदी पर बने कीव के 3 पुलों को भी निशाना बनाया। सरकार ने लोगों से अपील की कि वे कार से काम पर जाने से बचें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि रूस ने हमले की रणनीति ऐसी बनाई थी, जिससे ज्यादा से ज्यादा तबाही हो। उन्होंने कहा कि रूसी सेना ने क्लस्टर वारहेड वाली मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया। इन मिसाइलों में एक बड़े बम से कई छोटे बम निकलते हैं, जो बड़े इलाके में तबाही मचा सकते हैं। जेलेंस्की के मुताबिक रूस ने मिसाइलें एक साथ दागने के बजाय कई समूहों में छोड़ीं। हर हमले के बीच 20 से 30 मिनट का अंतर रखा। इससे राहत और बचाव टीमों को काम करने में मुश्किल हुई। वे आग बुझाने, मलबा हटाने और बिजली-पानी जैसी जरूरी सेवाएं बहाल करने में जुटी थीं। उन्होंने कहा कि पुतिन ने यह हमला बेहद सोच-समझकर और दिखावे के तौर पर किया। जेलेंस्की ने चीन में हुई बैठकों को कमजोर बताया और कहा कि दुनिया की व्यवस्था को अपने हिसाब से बदलने की रूस

क्या आप भी सुबह खाली पेट पीते हैं चाय? हो जाएं सावधान



भारतीय घरों में लोग ज्यादातर अपने दिन की शुरुआत चाय के साथ करना पसंद करते हैं। शायद उनकी यह सोच बन चुकी है कि सुबह-सुबह चाय पिए बगैर उनकी आंख नहीं खुलती। मगर शायद आप नहीं जानते कि आपकी यह सोच आपको धीरे-धीरे बीमार करती जा रही है। आज हम बात करेंगे सुबह के वक्त दूध वाली चाय पीने के नुकसान और साथ ही जानेंगे दूध वाली चाय की जगह आप किस तरह से अपने दिन की शुरुआत कर सकते हैं...

एसिडिटी

यदि आप खाली पेट चाय पीते हैं तो आपको एसिडिटी हो सकती हैं। गर्म चाय का सेवन एसिडिटी पैदा करता है और खाने को पचाने वाले रसों पर बुरा प्रभाव डालता है।

कब्ज

कई लोग समझते हैं कि सुबह उठकर चाय पीने से पेट साफ होता है। मगर चाय पीने से पेट साफ नहीं बल्कि पेट की आंते कमजोर होती हैं, जिससे आप कब्ज के शिकार होते हैं।

कैंसर

सुबह-सुबह दूध वाली मीठी चाय पीने से आप कैंसर जैसी बीमारी की चपेट में भी आ सकते हैं।

मूड-खराब

चाय पीने से एसिडिटी बनती है, जिस वजह से आप सारा दिन गुस्से में और चिड़चिड़े बने रहते हैं।

वजन बढ़ना

खाली पेट दूध वाली मीठी चाय पीने से आपका वजन भी बढ़ता है, जिस वजह से आप एक्टिव होने की बजाय सुस्त महसूस करने लगते हैं।

अल्सर का खतरा

सुबह-सुबह चाय पीने से पेट में जख्म होने लगते हैं, जिसे डॉक्टरी भाषा में अल्सर का नाम दिया जाता है। तो ये थे सुबह खाली पेट चाय पीने के नुकसान, अब बात करेंगे सुबह उठकर आपको कौन सी चाय पीनी चाहिए।

ग्रीन-टी

सुबह के वक्त ग्रीन-टी पीने से आप दिन भर एक्टिव फील करते हैं। ग्रीन-टी आपकी बॉडी के लिए एंटी-ऑक्सीडेंट्स का काम करती है। जो आपको डायबिटीज, कैंसर और हाई बीपी जैसी बीमारियों से बचाकर रखती है।

ब्लैक-टी

जो लोग दिन-भर घर से बाहर रहते हैं, उनके अंदर काफी हद तक धुआं और प्लयूशन जा चुका होता है। ऐसे में ब्लैक-टी पीने से धुएं के संपर्क की वजह से फेफड़ों को होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। यह हार्ट-स्ट्रोक के खतरे को भी कम करने का काम करती है।

लेमन-टी

दूध वाली चाय की जगह लेमन-टी पीएं। नींबू जहां आपकी बॉडी को डिटॉक्सीफाई करने का काम करता है वहीं आपको दिन भर एक्टिव रखने में भी मदद करता है। आप इसमें शहद डालकर चाय की गुणवत्ता को और भी बढ़ा सकते हैं।

सिंपल गुनगुना पानी

अगर आपको इनमें से कोई भी चाय नहीं पसंद तो आप दूध वाली चाय पीने की बजाय गुनगुने पानी में शहद मिलाकर दिन की शुरुआत करें।

जिद्दी से जिद्दी दाग-धब्बों की छुट्टी करेगा यह पैक

बूटी प्रॉब्लम्स दूर करने के लिए आप बहुत कुछ करते होंगे पर क्या आपने कभी घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करके देखा है? आज हम आपको एक ऐसा ही होममेड मास्क बताएंगे जो त्वचा को निखारने के साथ-साथ काले दाग-धब्बे, ब्लैकहेड्स, झाइयां और झुर्रियों जैसी समस्याओं को दूर करने में काफी असरदार है।

जरूर लगाएं सनस्क्रीन लोशन

सर्दी हो या गर्मी, धूप हमेशा ही स्किन को नुकसान पहुंचाती है। वहीं प्रदूषण, धूल-मिट्टी के कारण भी स्किन खराब होने लगती है। ऐसे में घर से बाहर जाते समय बॉडी पर सनस्क्रीन लोशन जरूर लगाएं। इस का का ध्यान रखें कि लोशन आपकी स्किन टाइप के हिसाब से हो। साथ ही बाहर जाने से कम से कम आधा घंटा पहले सनस्क्रीन लोशन अप्लाई करें। इससे आपको इन सभी समस्याओं से बची रहेंगी।

चलिए अब हम आपको एक ऐसा घरेलू नुस्खा बताते हैं, जिससे आप अपनी कई ब्यूटी प्रॉब्लम्स से छुटकारा पा सकती हैं।

कितनी बार लगाएं?

हफ्ते में कम से कम 2-3 बार यह मास्क लगाएं। महीनेभर में ही आपकी झाइयों की समस्या दूर हो जाएगी। साथ ही यह मास्क जिद्दी दाग-धब्बों, पिंपल्स, झुर्रियों व डार्क सर्कल्स से भी छुटकारा दिलाएगा।

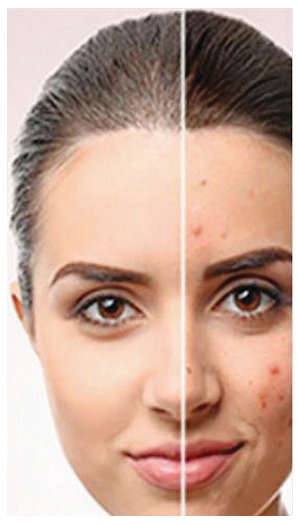

सामग्री
बेसन - 1 चम्मच
खीरे का रस - 1 चम्मच

बनाने का तरीका
बाउल में दोनों को अच्छी तरह मिक्स कर लें और ध्यान रखें कि इसमें गांठे ना बने। अगर पेस्ट गाढ़ा हो तो उसमें खीरे का रस थोड़ा-सा मिक्स कर लें।

इस्तेमाल करने का तरीका
- सबसे पहले चेहरे को अच्छी तरह फेसवॉश से क्लीन करें, ताकि सारी धूल मिट्टी निकल जाएं।
- अब इस मास्क को चेहरे पर अप्लाई करें और 30-35 मिनट के लिए छोड़ दें।
- इसके बाद हल्का-सा पानी लगाकर मसाज करें और पेस्ट को ताजे पानी से धो लें।
- अगर आप रात को सोने से पहले यह मास्क लगाएंगे तो आपको ज्यादा अच्छा रिजल्ट मिलेगा।
- अब चेहरे पर क्रीम, लोशन या माइश्चराइजर लगाएं, ताकि स्किन ड्राई ना हो।

रेसिपी



बेसन ब्रेड टोस्ट

सामग्री
■ 4 व्हाइट ब्रेड ■ 1 प्याज बारीक कटी हुई ■ 1 टमाटर बारीक कटा हुआ ■ 1 हरी मिर्च बारीक कटी ■ हरी धनिया बारीक कटी ■ 1/2 कप बेसन ■ 4 छोटे चम्मच तेल ■ नमक स्वादानुसार

विधि
बेसन ब्रेड टोस्ट बनाने के लिए बाउल में बेसन, प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, धनिया के पत्ती, नमक और थोड़ा पानी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। तवा गर्म होने के लिए रख दें और आंच मीडियम रखें। अब ब्रेड स्लाइस लेकर इसे बेस्ट के पेस्ट में डालें और फिर तवे पर रखें। दोनों तरफ थोड़ा-थोड़ा तेल डालें जिससे ब्रेड तवे पर चिपके नहीं। बहुत ज्यादा ब्राउन न करें सुनहरा रंग का हो जाएं तो उतार लें। बाकी टोस्ट को भी ऐसे ही बना लें। हरी चटनी और चाय के साथ परोसें।



बथुए का साग

सामग्री
■ बथुआ- 500 ग्राम, टमाटर- दो (बारीक कटे हुए), हरी प्याज- 100 ग्राम बारीक कटी हुई, हरी मिर्च- 2 बारीक कटी हुई, जीरा- डेढ़ चम्मच, सरसों तेल- 2 बड़े चम्मच, सरसों तेल- 2 बड़े चम्मच, काली मिर्च पाउडर- डेढ़ चम्मच, नमक- स्वादानुसार

विधि
बथुए के डंठल तोड़कर साफ कर लें और अच्छे से धोकर बारीक काट लें। हरी प्याज को भी धोकर बारीक काट लें। कढ़ाई को गर्म कर इसमें तेल डालें। गर्म होने के बाद इसमें जीरा और हरी मिर्च का तड़का लगाएं। अब बारीक कटी हुई प्याज डालकर भूनें और गोल्डेन ब्राउन होने के बाद इसमें मटर, हरी प्याज भी डाल दें। 1-2 मिनट बाद काली मिर्च और स्वादानुसार नमक डाल दें। अब इसमें बथुए का साग डालकर अच्छे से चलाएं और फिर इसे ढककर पकाएं। जब साग पूरी तरह से गल जाएं तो आंच धीमी कर दें और इसका पूरा पानी सुखा लें। तैयार है बथुए का साग। जिसे आप लंच या डिनर किसी में भी सर्व कर सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपके द्वारा प्रस्तुत योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-2-4-6

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-2-4-5

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-6-8-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। शुभांक-3-6-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। विवाद को टालें। शुभांक-3-5-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-4-6

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। शुभांक-4-7-8

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंग। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-6-8

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-5-7

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-3-5-7

मीन दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2654

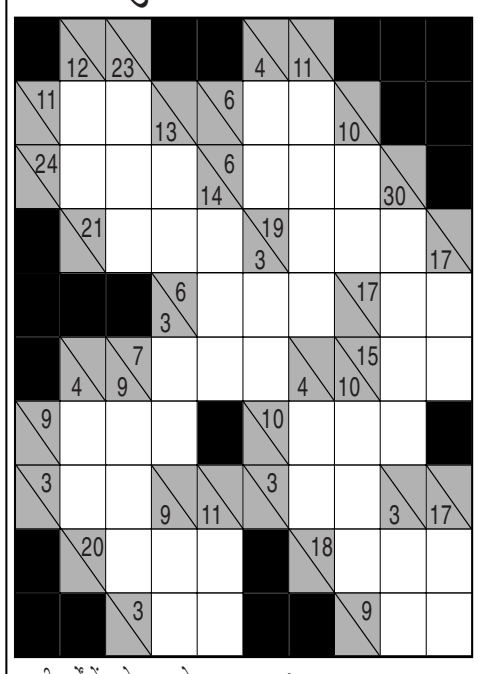

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

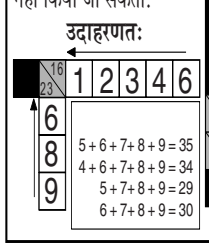

काकुरो - 2653 का हल

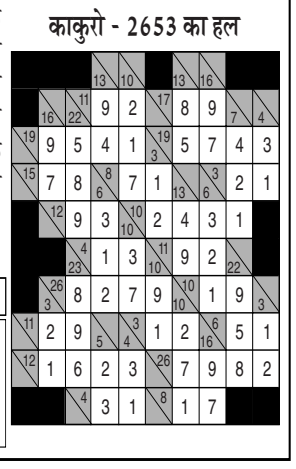

हंसी के फव्वारें

फौजदारी का मुकदमा था.

अपराध स्वीकार कर लेने के पश्चात वकील ने अपराधी से पूछा-'तुमने उसे कितने थप्पड़ मारे थे ?'

'जी एक !'

तभी वह आदमी चिल्ला पड़ा जिसे मार पड़ी थी-'यह झूठ बोलता है मीलॉर्ड ! इसने मुझे पांच थप्पड़ मारे थे !'

इस पर अपराधी ने भोलेपन से कहा-'मीलॉर्ड ! मैंने मारा तो एक ही थप्पड़ था, पर इसके स्वास्थ्य को देखते हुए मैंने उसे पांच किश्तों में बांट दिया था.'

□ □ □

एक बार परेड हो रही थी.

एक कमांडर को बहुत कम जवानों के नाम याद रहते थे. वह जिस किसी जवान का नाम जानता था, वरेड के समय उसी को ज्यादा टोकता था.

उस दिन परेड में वह चिल्लाया-'महेश ! परेड के साथ नहीं चलते. कदम बराबर मिलाओ ! तुम बहुत सुस्त चलते हो.'

'सर !'

सूबेदार ने सूचना दी-'महेश तो आज छुट्टी पर है.'

'तो क्या हुआ ?'

कमांडर और जोर से चीखा-'वह वहां भी सुस्त चल रहा होगा.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2654

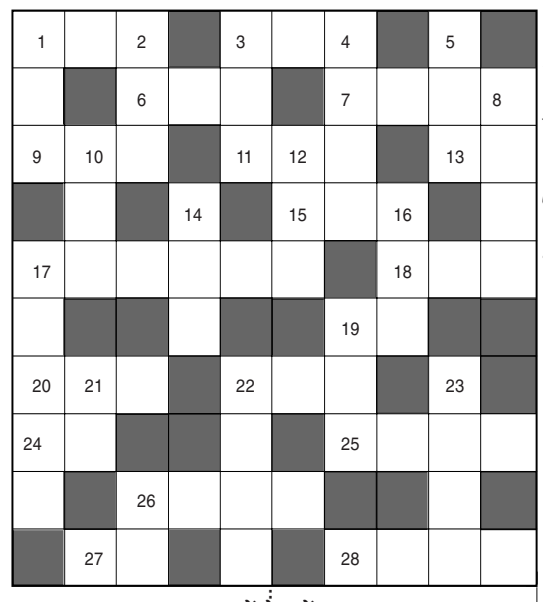

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-२
१५. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-३,३
१८. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म-३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१.'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
४. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-३
८. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९९२ की एक फिल्म-४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी हैं हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-३,२
१९. फिल्म 'बंदिवी' की नायिका कौन थी-३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्न की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2653

प	र	दे	स	■	शा	ली	मा	र	■
हे	■	व	र	दा	न	■	सु	■	ही
ली	ड	र	■	न	■	ओ	म	का	श
■	र	■	शि	व	रा	म	■	पों	■
जु	■	दा	वा	■	ज	■	फ	रे	ब
बै	श	ग	■	चा	ह	त	■	ट	■
दा	■	■	शि	■	ठ	■	दा	■	अ
■	स	त्य	का	म	■	श	मा	■	न
दौ	ड़	■	र	जा	मु	रा	द	■	क
■	क	र्ज	■	ल	■	बी	■	जू	ही

सूडोकु -2654

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2653 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

शब्द पहेली - 2654

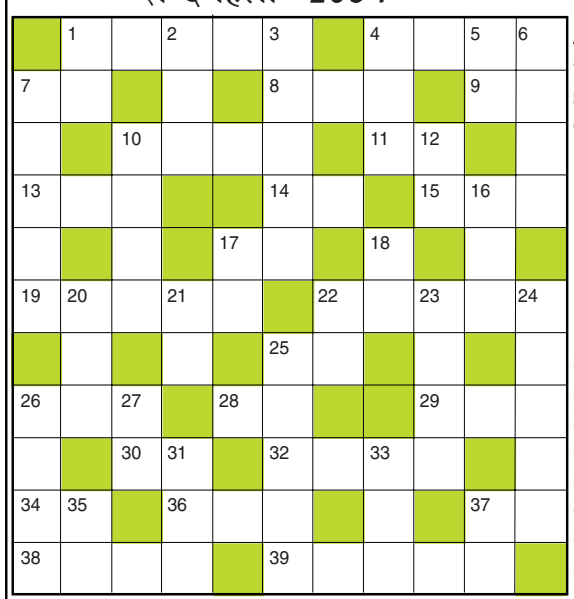

बाएँ से दाएँ
1.पावर हाऊस -5
4.दिमागी,कल्पित-4
7.हृदय-2
8.खोदना-3
9.प्रचार वाक्य,स्लोगन-2
10.नुकीला-4
11.कलिका-2
13.प्यारा,लाडला-3
14.विशिष्ट,विशेष-2
15.खर्च,उपभोग-3
17.नौका-2
19.नाम करण-2,3
22.चमकीला-5
25.महोदय (अंग्रेजी-2)
26.रनिवास,जनवासा-3
28.संध्या,सांझ-2
29.दलना,महीन करना-3
30.जस,सम्मान -2
32.कारागृह-4
34.आलाप,लय,सुर-2
36.पागल स्त्री-3
37.इंकार,मना-2
38.सराबोर,सना हुआ -4
39.वेश्या,तवायफ-5

ऊपर से नीचे
1.चूहे का घर-2
2.नेता-3
3.सार-संभार-2,3
4.आदर्श,कसौटी-3
5.छाती-2
6.अचरज भरा कार्य-4
7.हृदय को ठेस लगना-5
10.अनवरत वर्षा-4
12.जूं का अंडा-2
16.ओट,घूंघट-3
17.मां के पिता-2
18.दुख,कष्ट-2
20.राष्ट्रीय पक्षी-3
21.पत्र,लैटर-2
22.गुप्तचर,दूत-2
23.कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24.रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25.समयुगीन,समवर्ती-5
26.बंद,स्ट्राइक-4
27.सुरा,शराब-2
31.वचन,प्रतिज्ञा-3
33.बंदर-3
35.नथनी,नथिया-2
37.शहद-2

शब्द पहेली -2653 का हल

आ	स	■	म	न	■	रा	ख	■	फां	श	■	■	■	■
म	न	न	■	शा	न	■	र	न	■	क	■	■	■	■
■	म	क	र	■	त	न	■	र	म	■	■	■	■	■
का	■	ल	ह	जा	■	भ	ला	■	द	म	■	■	■	■
या	क	■	ना	ति	न	■	बा	द	■	र्ज	■	■	■	■
■	र	वा	■	य	म	ज	■	म	जा	■	■	■	■	■
न	■	दा	स	■	क	त	रा	■	र	मा	■	■	■	■
व	न	■	ही	ना	■	न	ज	र	■	ला	■	■	■	■
■	ल	त	■	ज	रा	■	न	म	न	■	■	■	■	■
का	■	न	शा	■	त	र	■	ल	क	वा	■	■	■	■
ल	क्ष्य	■	क	र्ज	■	थ	ल	■	ल	त	■	■	■	■

मणिपुर में जहरीली शराब पीने से 15 की मौत, तीन लोगों की हालत गंभीर

- 600 से ज्यादा अस्पताल में भर्ती, इस साल 6 राज्यों में 120 की जा चुकी है जान

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के चंदेल जिले में जहरीली शराब पीने से 15 लोगों की मौत हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 600 से ज्यादा लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले 2 से 3 दिनों में यह मामला सामने आया है। लोगों की तबीयत शराब पीने के बाद बिगड़ी। हालांकि शराब कहां से लाई गई थी, इसकी सही जानकारी उनके पास नहीं है। साल 2026 में जहरीली शराब पीने से मध्यप्रदेश, गुजरात समेत 6 राज्यों में 120 से ज्यादा लोग जान गवां चुके हैं। पुलिस के मुताबिक प्रभावित लोगों ने जो शराब पी थी, उसे मणिपुर के काकचिंग जिले के सुगनू से खरीदा गया था। जांच में शराब में मेथनॉल मिलाए जाने की आशंका है। इस मामले में अब तक करीब 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि चंदेल जिले में स्थानीय स्तर पर शराब बनाने की कोई जानकारी नहीं मिली है। ऐसे में आशंका है कि दूसरे इलाकों से शराब लाकर यहां बेची गई थी। पुलिस शराब सप्लाई करने वालों की तलाश कर रही है।

मेटा कार्यालयों पर यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन : तोड़फोड़, हंगामा और एफआईआर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन यूथ कांग्रेस (आईवाईसी) ने हैदराबाद, मुंबई और गुरुग्राम में मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी) के कार्यालयों के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन आईवाईसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा के इंस्टाग्राम खातों को 19 नवंबर को निलंबित करने के विरोध में था। यूथ कांग्रेस ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई भाजपा के कहने पर हुई थी। संगठन ने सात दिनों के भीतर खातों को बहाल करने की मांग की थी, अन्यथा देशभर में प्रदर्शन की चेतावनी दी थी। हैदराबाद में प्रदर्शनकारी कार्यालय के अंदर घुस गए, जहां तोड़फोड़ कर एक गमला को तोड़ दिया गया। पुलिस ने तेलंगाना यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जक्किडी शिव चरण रेड्डी के नेतृत्व में 20-21 कार्यकर्ताओं को एहतियातन हिरासत में लिया, हालांकि करीब तीन घंटे बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। मुंबई में, कार्यकर्ताओं ने बिल्डिंग के शीशे पर आरएसएस का बेटा मेटा का नारा लिखा, जिससे शीशे को नुकसान पहुंचा। यहीं प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय आईटी और सूचना-प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव का पोस्टर भी जलाया। मुंबई पुलिस ने मामले में यूथ कांग्रेस अध्यक्ष जीना सबरीन सहित चार लोगों और 15-20 अज्ञात महिलाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 और महाराष्ट्र प्रिवेंशन ऑफ डिफेसमेंट ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट, 1995 की धारा 3 सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। यूथ कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि उनके कार्यकर्ताओं के मेटा कार्यालयों पर पहुंचने के 15 मिनट के भीतर निलंबित खाते बहाल किए गए। संगठन ने सवाल उठाया कि ये खाते किसके आदेश पर निलंबित किए गए थे और क्या भारतीयों को अपनी आवाज उठाने के लिए हमेशा मेटा कार्यालयों का रुख करना होगा।

सांसद अमृतपाल दादी के अंतिम संस्कार में शामिल होने पैतृक गांव पहुंचे

अमृतसर, एजेंसी। पंजाब के खडूर साहिब से लोकसभा सांसद अमृतपाल सिंह शनिवार को अमृतसर स्थित अपने पैतृक गांव जल्लुपुर खेड़ा पहुंचे हैं। वे अपनी दादी चरण कौर के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए आए हैं। पुलिस उन्हें बुलेटप्रूफ गाड़ी में अमृतसर एयरपोर्ट से लाई और पिछले रास्ते से निकाला। अमृतसर कोर्ट से अमृतपाल को शनिवार दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक, कुल तीन घंटे की कस्टडी पैरोल मिली है। इस दौरान उन्हें हथकड़ी नहीं लगाई गई। अमृतपाल की दादी का निधन 8 नवंबर को हुआ था, लेकिन परिवार ने उनके आने तक अंतिम संस्कार रोक रखा था।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू का राहुल गांधी पर पलटवार, 1962 युद्ध पर कांग्रेस से माफी की मांग

एपीईसी का सदस्य नहीं भारत, राहुल गांधी को इतना भी नहीं पता

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी के कम्प्रोमाइज्ड पीएम वाले बयान पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने राहुल गांधी से चार तीखे सवाल पूछे और 1962 के भारत-चीन युद्ध, देश में गरीबी तथा पिछली आर्थिक स्थिति के लिए कांग्रेस से माफी की मांग की। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी भारत की वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं।



दरअसल राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष कर कहा था कि एक कम्प्रोमाइज्ड पीएम कभी वैश्विक नेताओं की उस मेज पर नहीं बैठ सकता। यह बयान राहुल द्वारा साझा की गई 19 नवंबर 2026 की एक तस्वीर के बाद आया, जिसमें चीन के शेनझेन में हुए एपीईसी शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक साथ बैठे दिख रहे थे। इस तस्वीर को पोस्ट कर राहुल गांधी ने लिखा था कि अगर कांग्रेस सत्ता में होती, तब भारत के प्रधानमंत्री इस मेज पर होते। हालांकि, यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत एपेक का सदस्य नहीं है। इस त्रिपक्षीय बैठक में परमाणु हथियारों पर नियंत्रण, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और यूक्रेन व ईरान के संघर्षों पर चर्चा हुई थी।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने राहुल गांधी के बयान को देश विरोधी बताकर कांग्रेस से अतीत की गलतियों का हिसाब मांगा। उनके रुख का समर्थन करते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव संगठन बीएल संतोष ने भी राहुल गांधी से सवाल किया। राष्ट्रीय महासचिव संतोष ने कहा कि 1947 से 1977, 1980 से 1989, 1991 से 1996 और 2004 से 2014 तक कांग्रेस सत्ता में थी और कई बार भारी बहुमत भी था, तब यूएनएससी सहित किन बड़े वैश्विक मंचों पर भारत उस दौरान बैठा था?

राहुल गांधी ने पीएम मोदी की आर्थिक नीतियों, खासकर नोटबंदी और जीएसटी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इन कदमों ने छोटे व्यापारियों को बर्बाद किया है और बड़ी कंपनियों के लिए मैदान साफ कर दिया है, इससे देश में कारोबार के क्षेत्र में एकाधिकार बढ़ा है। राहुल गांधी के मुताबिक, एकाधिकार से कीमतें बढ़ती हैं और प्रतिस्पर्धा खत्म होती है, जिससे नौकरियां पैदा नहीं होतीं। पीएम मोदी ने इससे पहले कॉरपोरेट टैक्स में कटौती के बावजूद कंपनियों द्वारा कर्मचारियों की सैलरी और संख्या न बढ़ाने पर सवाल उठाया था।

सीएम योगी की मां का हरिद्वार में हुआ अंतिम संस्कार, छोटे भाई ने दी मुखाग्नि

- सीएम धामी, बाबा रामदेव, स्वामी चिदानंद हुए शामिल, शुक्रवार को हुआ था निधन

हरिद्वार, एजेंसी। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का अंतिम संस्कार हरिद्वार के चंडीघाट पर किया गया। सीएम योगी के छोटे भाई ने मुखाग्नि दी। इस दौरान यहां उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, बाबा रामदेव, स्वामी चिदानंद सरस्वती और अन्य लोग मौजूद थे। बता दें योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का शुक्रवार को पौड़ी गढ़वाल जिले में उनके पैतृक गांव पंचूर में निधन हो गया था। वह पिछले काफी समय से बीमार थीं। सावित्री देवी के परिवार में चार बेटे और तीन बेटियां हैं। आदित्यनाथ, चारों बेटों में दूसरे स्थान पर हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी के बड़े भाई मानवेंद्र सिंह बिष्ट और सबसे छोटे भाई महेंद्र सिंह बिष्ट गांव के निकट बिथ्याणी महाविद्यालय में कार्यरत हैं जबकि एक अन्य छोटे भाई शैलेंद्र मोहन बिष्ट भारतीय सेना के गढ़वाल राइफल में ऑर्डिनरी कैप्टन हैं। सीएम योगी की एक बहन पुष्पा चौधरी दिल्ली में और दूसरी बहन कौशल्या देवी कोटद्वार में रहती हैं जबकि तीसरी बहन शशि पायल ऋषिकेश के निकट स्थित प्रसिद्ध नीलकंठ मंदिर के पास व्यवसाय करती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी आदित्यनाथ की मां के निधन पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें और पूरे परिवार को इस असहनीय पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करें। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस गहरे दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें। बाबा रामदेव ने कहा कि आदरणीय माता सावित्री देवी ने अपना नश्वर शरीर त्याग दिया है और ईश्वर के चरणों में स्थान प्राप्त किया है। हम उन्हें केवल एक साधारण माता के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र की माता के रूप में देखते हैं।

देश, धर्म और संविधान की रक्षा के लिए सनातनियों को एकजुट होना होगा: धीरेंद्र शास्त्री

- मणिपुर की जातीय हिंसा में अब तक कम से कम 306 की जा चुकी है जान

प्रतापगढ़, एजेंसी। कथा वायक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कुंडा में चल रही राम कथा के समापन के अवसर पर हिंदू एकता का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश, धर्म और संविधान की रक्षा के लिए सनातनियों को एकजुट होना होगा। इस दौरान शास्त्री ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को लेकर पूछे गए सवालों का भी जवाब दिया। शास्त्री ने कहा कि देखिए, यह इस देश और हिंदुओं का दुर्भाग्य है कि एक हिंदू दूसरे हिंदू का ही विरोध करता है, क्योंकि हिंदू काफी दब्बू होते हैं और पलटकर जवाब नहीं देते लेकिन कुंडा से हिंदुओं ने पलटकर जवाब देना सीख लिया है कि अब अगर आप हमें उकसाएंगे, तो बख्शे नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह तय है, अयोध्या तो झांकी थी, मथुरा काशी बाकी है। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा की रक्षा के लिए सभी को एक मंच पर आना होगा। जाति और क्षेत्र के नाम पर बांटने के बजाय एकता को ही सबसे बड़ी ताकत बनाना होगा। उन्होंने युवाओं से भी धर्म और संस्कृति से जुड़े रहने की अपील की। हिंदू एकता पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कई लोग हिंदू एकता से डरते हैं। वे सनातन एकता से डरते हैं। कुछ लोग अपनी जाति-आधारित राजनीति साधना चाहते हैं, इसलिए उनके मन में कहीं न कहीं कुंठा भरी होती है और जो कुंठित रहता है, वह बैकुंठ नहीं पहुंच पाता। उन्होंने कहा कि जो लोग समाज को बांटकर राजनीति करते हैं, वे अंत में खुद ही कमजोर हो जाते हैं। एकता ही सनातन की असली पहचान है। अखिलेश यादव से जुड़े सवाल पर शास्त्री ने कहा कि हम सभी दलों के हैं, एक गुरु सबका होता है क्योंकि अगर कोई गुरु सिर्फ एक व्यक्ति का हो जाए, तो वह फिर गुरु नहीं रहता। सूरज सबका होता है और उसी तरह एक गुरु भी सबका होता है। अभी हम पंजाब में एक कथा करने जा रहे हैं।

विदेशी नागरिक होने के बावजूद मारुति कंपनी में 50 फीसदी की थी हिस्सेदार

बीजेपी सांसद ने मारुति परियोजना को लेकर सोनिया गांधी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली , एजेंसी। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने मारुति परियोजना को लेकर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी पर सवाल उठाए। अपनी सोशल मीडिया सीरीज कांग्रेस का काला अध्याय की 250वीं कड़ी में उन्होंने दावा किया कि विदेशी नागरिक होने के बावजूद सोनिया गांधी 1970 के दशक में मारुति टेक्निकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एमटीएस) की निदेशक और 50 फीसदी हिस्सेदार थीं। दुबे ने आरोप लगाया कि तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी की सरकार ने गांधी परिवार से जुड़ी कंपनी को कई तरह की सरकारी सुविधाएं दीं।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दुबे ने दावा किया कि 21 नवंबर 1970 को संजय गांधी ने मारुति टेक्निकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता किया था। उन्होंने सवाल उठाया कि कंपनी को 1968 में ही कार बनाने की अनुमति कैसे मिल गई, जबकि एमटीएस का गठन नवंबर 1970 में हुआ था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 1969 में इंदिरा गांधी की कैबिनेट ने संजय गांधी की कार परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए विशेष आदेश जारी किया था।

दुबे ने हरियाणा में मारुति परियोजना के लिए जमीन आवंटन पर भी सवाल उठाए। उनका दावा है कि उस समय के नियमों के तहत किसी विदेशी नागरिक के नाम पर जमीन आवंटित नहीं की जा सकती थी। उन्होंने 1969 में बैंकों के राष्ट्रीयकरण को भी गांधी परिवार से जुड़ी कंपनियों को कर्ज उपलब्ध कराने के आरोप से जोड़ा। इसके अलावा उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनी के चालू होने से पहले ही राज्य सरकारों से बस बॉडी बनाने के लिए एडवांस भुगतान कराया गया और सरकारी कंपनियों ने बिना भुगतान सीमेंट, स्टील तथा कोयले की आपूर्ति की।

मारुति विवाद से जुड़ा एक अहम तथ्य 22 अप्रैल 1975 को लोकसभा में दिए गए तत्कालीन सरकारी जवाब में भी दर्ज है। इसमें कंपनी रजिस्ट्रार के रिकॉर्ड के हवाले से कहा गया था कि सोनिया गांधी कभी मारुति लिमिटेड की निदेशक नहीं रहीं। हालांकि, यह जवाब मारुति लिमिटेड के बारे में था, न कि मारुति टेक्निकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के बारे में. दोनों कंपनियों को एक समझना सही नहीं होगा।

दुबे ने अपनी पोस्ट के आखिर में सोनिया गांधी से मारुति परियोजना और उससे जुड़ी कंपनियों के गठन, हिस्सेदारी तथा सरकारी मदद को लेकर स्पष्टीकरण देने की मांग की। उन्होंने सवाल किया कि गांधी परिवार ने निजी निवेश के बिना इतना बड़ा कारोबारी उपक्रम कैसे खड़ा किया।

कोटा से 8 साल बाद पाकिस्तान के लिए सिख जत्था रवाना, बिरला के प्रयासों से मिला वीजा

कोटा,एजेंसी। लगभग आठ साल के लंबे इंतजार के बाद, कोटा के 12 सिख श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन के लिए रवाना हो गया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विशेष प्रयासों से इन श्रद्धालुओं को पाकिस्तान का वीजा मिल सका। शुक्रवार सुबह सभी श्रद्धालु स्वर्ण मंदिर मेल से अमृतसर के लिए रवाना हुए। कोटा रेलवे स्टेशन पर महापौर अनसुइया गोस्वामी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उनका भव्य स्वागत किया और उन्हें सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दीं। यह यात्रा न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि वर्षों से अधूरी एक भावना को भी पूरा करने का अवसर है। श्रद्धालुओं ने बताया कि अंतिम बार वर्ष 2019 में कोटा से सिख श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान गया था। इसके बाद कोरोना महामारी और सोसायटी के तत्कालीन प्रधान के निधन के कारण पाकिस्तान यात्रा के लिए आवश्यक प्रक्रिया और विभागीय औपचारिकताओं की जानकारी के अभाव में जत्थे का जाना बंद हो गया था।

अगर पीओके भारत में वापस आता है यह भू-राजनीतिक और आर्थिक मायनों में गेमचेंजर होगा

चीन को लगेगा झटका, सीपीईसी ड्रैगन की परियोजना अपने आप ठप हो जाएगी

नई दिल्ली , एजेंसी। अगर पाकिस्तान के कब्जे वाला पीआके भारत में वापस आ जाता है, तो यह भारत के लिए सिर्फ एक क्षेत्रीय वापसी नहीं होगी, बल्कि कई भू-राजनीतिक और आर्थिक मायनों में एक गेमचेंजर साबित होगी। पीओके की घरवापसी भारत के लिए सेंट्रल एशिया तक पहुंचने का एक ऐसा शॉर्टकट होगा, जो न केवल ईरान के चाबहार पोर्ट पर हमारी मौजूदा निर्भरता को खत्म कर देगा, बल्कि चीन के सबसे महत्वाकांक्षी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना को भी करारा झटका देगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में भारत को सेंट्रल एशिया और यूरोप तक अपना सामान पहुंचाने के लिए हजारों किलोमीटर का लंबा और महंगा रास्ता अपनाना पड़ता है। पाकिस्तान द्वारा पीओके पर अवैध कब्जे के कारण, भारत का सेंट्रल एशिया से सीधा जमीनी संपर्क पूरी तरह कटा हुआ है। नतीजतन, भारत को इन देशों से व्यापार करने के लिए मुंबई या गुजरात के बंदरगाहों से पहले समुद्र के रास्ते ईरान के बंदर अब्बास तक जहाज भेजने पड़ते हैं, और वहां से ट्रेन और ट्रकों के जरिए ईरान और अफगानिस्तान होते हुए सामान सेंट्रल एशिया तक जाता है। यह रास्ता लंबा, महंगा होने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय राजनीति, अमेरिकी प्रतिबंधों और क्षेत्र में युद्ध जैसे हालात के कारण अक्सर बाधित होता रहता है।

अगर पीओके खासकर इसका उत्तरी हिस्सा यानी गिलगित-बाल्टिस्तान, वापस भारत के पास आ जाता है, तो यह पूरी तस्वीर बदल देगा। गिलगित-बाल्टिस्तान की सीमा सीधे अफगानिस्तान के उस पतले से हिस्से से लगती है, जिसे वाखान कॉरिडोर कहा जाता है। यह कॉरिडोर एक संकरी पट्टी है जो एक तरफ ताजिकिस्तान यानी सेंट्रल एशिया को छूती है और दूसरी तरफ चीन को। पीओके की वापसी से भारत को सीधे वाखान कॉरिडोर तक पहुंच मिल जाएगी। इसका मतलब यह होगा कि भारत बिना पाकिस्तान की जमीन पर पैर रखे और बिना ईरान के समुद्र का चक्कर लगाए, सीधे सड़क और रेल के जरिए ताजिकिस्तान में दाखिल हो सकेगा। वहां से पूरे सेंट्रल एशिया और आगे रूस व यूरोप तक का सड़क नेटवर्क पहले से मौजूद है।



सेंट्रल एशियाई देश प्राकृतिक गैस, तेल, यूरेनियम और लिथियम जैसे दुर्लभ खनिजों के मामले में बेहद समृद्ध हैं। सीधा जमीनी रास्ता खुलने के बाद भारत सीधे पाइपलाइन या रेल टैंकरों के जरिए सेंट्रल एशिया से तेल और गैस मंगा सकेगा, जिससे खाड़ी देशों पर भारत की ऊर्जा निर्भरता कम होगी। रणनीतिक लिहाज से पीओके की घरवापसी का सबसे बड़ा झटका चीन को लगेगा। चीन ने अरबों डॉलर खर्च करके सीपीईसी बनाया है, जो भारत की संप्रभुता का उल्लंघन करते हुए गिलगित-बाल्टिस्तान से होकर गुजरता है। जिस दिन यह इलाका वापस भारत के कंट्रोल में आएगा, चीन का यह ड्रीम प्रोजेक्ट अपने आप ठप हो जाएगा और भारत सेंट्रल एशिया में चीन की दादागीरी को सीधी चुनौती देने की स्थिति में आ जाएगा।

हम प्रेशर ग्रुप ही बने रहना चाहते हैं, राजनीतिक दल बनने में कोई दिलचस्पी नहीं

सीजेपी नेता सौरभ दास का दावा-बीजेपी के कुछ समर्थक भी अब पार्टी से परेशान

नई दिल्ली , एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सौरभ दास ने दावा किया है कि बीजेपी के कुछ मतदाता भी अब पार्टी से परेशान हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में उन्होंने इस संबंध में एक किस्सा भी साझा किया। सौरभ दास फिलहाल यूपी में सीजेपी के स्कूल ठीक करो अभियान के तहत स्कूलों का दौरा कर रहे हैं। पार्टी ने अभी तक किसी नए बड़े प्रदर्शन का ऐलान नहीं किया है। जब सौरभ दास से पूछा गया कि क्या बीजेपी के मतदाता भी सीजेपी का समर्थन कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसा होते हुए देखा है। पॉडकास्ट में सौरभ ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल सीजेपी को एक राजनीतिक दल बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने कहा कि वे अभी एक प्रेशर ग्रुप ही बने रहना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि जब वे सड़क पर चलते हैं, तो कई लोग उनके पास आकर तारीफ करते हैं और फिर अंत में कहते हैं कि वे वैसे तो बीजेपी के समर्थक थे, लेकिन अब नहीं हैं। इस दौरान उन्होंने एक बीजेपी समर्थक से मिलने का

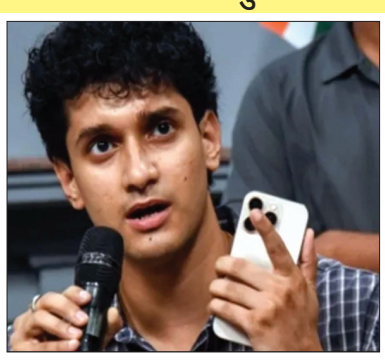

अपना अनुभव भी साझा किया। उन्होंने बताया कि हाल ही में दिवाली पार्टी में एक व्यक्ति ने उन्हें पहचाना और उनके साथ फोटो खिंचवाई। उस व्यक्ति ने कहा कि वह बीजेपी समर्थक है, लेकिन बहुत कर रहे हैं। बहुत ज्यादा कर दिया है इन लोगों ने। सौरभ दास ने कहा कि वे इन फैन सिटर्स को बीजेपी के विरोध में होते हुए देख रहे हैं।

उन्होंने बीजेपी के मतदाताओं पर भी सवाल उठाए, विशेष रूप से मॉडरेट वोटर्स पर। उन्होंने कहा कि वे उन चरमपंथी मतदाताओं की बात नहीं कर रहे हैं जो एकदम ही ब्रेन वॉश हो गए हैं। उनका मानना है कि ऐसे लोगों को सच या वास्तविकता दिखाना कभी-कभी एक निराशाजनक खेल लगता है। उन्होंने इन मतदाताओं का उदाहरण देते हुए कहा कि एक्यूआई 3000 प्लस होने के बावजूद वे कहते हैं कि पटाखे फोड़िए, क्योंकि इससे एक्यूआई में कोई फर्क नहीं पड़ता। दास ने स्वीकार किया कि ऐसे लोगों के लिए क्या किया जा सकता है, उन्हें इसका जवाब नहीं पता। सौरभ दास ने हाल ही में सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि वह उत्तर प्रदेश के स्कूलों का दौरा कर रहे हैं।

बता दें यूपी में 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं, साथ ही गोवा, मणिपुर, उत्तराखंड और पंजाब में भी चुनाव होंगे। सीजेपी ने हाल ही में अपनी टीम का विस्तार किया है और यूपी, महाराष्ट्र, बिहार समेत 10 ज़ोन में टीमों का ऐलान किया है, जिसमें सबसे बड़ी टीम यूपी में उतारी गई है।

पूर्व एम्स डॉक्टर पर दुष्कर्म का आरोप, शादी का झांसा दे किया यौन शोषण

पटना, एजेंसी। पटना एम्स के पूर्व जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर सतन कुमार पर 28 वर्षीय युवती ने शादी का झांसा देकर तीन साल तक यौन शोषण और दुष्कर्म करने का गंभीर आरोप लगाया है। युवती का आरोप है कि डॉक्टर ने उस नशीला पदार्थ खिलाकर पहली बार दुष्कर्म किया, फिर शादी का वादा कर संबंध बनाता रहा। गर्भवती होने पर डॉक्टर ने उसका जबरन गर्भपात भी कराया और बाद में शादी से साफ इंकार किया। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, बिहटा निवासी पीड़िता का हाथ जलने के बाद वह इलाज के लिए पटना एम्स के प्लास्टिक सर्जरी विभाग पहुंची थी, जहाँ उसकी पहचान तत्कालीन जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर सतन कुमार से हुई। पीड़िता का कहना है कि दिसंबर 2022 में डॉक्टर ने मुझे इलाज के बहाने एम्स परिसर स्थित बॉयज हॉस्टल के कमरा नंबर 313 में बुलाया। वहां आरोपी सनत कुमार ने चाय-नाश्ते में नशीला पदार्थ दिया गया, जिससे वह बेहोश हो गई। होश में आने पर उसने खुद को अस्त-व्यस्त पाया और डॉक्टर पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया।

चक्रवाती तूफान अकवान के बाद आएगा कानी, मालदीव ने सुझाया नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में आने वाले चक्रवाती तूफान अकवान के बाद अगला चक्रवाती तूफान कौन-सा होगा और उसका नाम क्या रखा गया है। इस तरह के सवाल लोगों के मन दस्तक देने लगे है हालांकि आने वाले चक्रवाती तूफान अकवान को लेकर तटीय राज्यों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। चक्रवातों के नामकरण की निर्धारित सूची के अनुसार, अकवान के बाद आने वाले तूफान का नाम कानी होगा। यह नाम मालदीव ने सुझाया है। उत्तरी हिंद महासागर यानी बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में उठने वाले चक्रवाती तूफानों के नामकरण के लिए 13 देशों की सूची तैयार की गई है। इसी सूची में ईरान की ओर से सुझाया गया अकवान नाम इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके बाद अगला नाम मालदीव का सुझाया हुआ कानी होगा। स्थानीय भाषा में कानी का अर्थ सुंदर युवती या युवा व्यक्ति बताया जाता है। कानी के बाद सूची में म्यांमार का सुझाया नाम नगामन आएगा। कानी तूफान के आने की फिलहाल कोई निश्चित तारीख नहीं है। मौसम विभाग ने अभी तक इस नाम से किसी नए चक्रवाती तूफान के बनने की चेतावनी जारी नहीं की है। दरअसल, चक्रवातों का निर्माण समुद्र में कम दबाव का क्षेत्र बनने, समुद्री सतह के तापमान और हवा की अनुकूल परिस्थितियों पर निर्भर करता है। जब किसी मौसमी सिस्टम की हवा की रफ्तार कम से कम 62 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच जाती है, तब उसे चक्रवाती तूफान की श्रेणी में रखकर आधिकारिक नाम दिया जाता है। नवंबर और दिसंबर का समय पोस्ट-मानसून सीजन होने के कारण बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में चक्रवाती गतिविधियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जाता है। बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में उठने वाले तूफानों का नामकरण विश्व मौसम विज्ञान संगठन और संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक आयोग के तहत गठित पैनल करता है। इस पैनल में भारत, बांग्लादेश, ईरान, मालदीव, म्यांमार, ओमान, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब, श्रीलंका, थाईलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और यमन सहित 13 देश शामिल हैं। इन देशों ने वर्ष 2020 में 13-13 नामों की सूची तैयार की थी। इस तरह कुल 169 नाम तय किए गए हैं। इन नामों का इस्तेमाल क्रमवार किया जाता है।



भारत की विस्फोटक ओपनिंग जोड़ी बनेगी पाकिस्तान के लिए खतरा

एशिया कप राइजिंग स्टार्स.... भारत-ए बनाम पाकिस्तान-ए मुकाबला आज

दोहा, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबला हमेशा रोमांच से भरपूर रहता है। अब एक बार फिर दोनों देशों की टीमें 22 नवंबर को दोहा में आमने-सामने होंगी। एशिया कप राइजिंग स्टार्स के इस मुकाबले में भारत-ए और पाकिस्तान-ए (पाकिस्तान शाहींस) के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है। हालांकि, टीम इंडिया अपनी मजबूत बल्लेबाजी और अंतरराष्ट्रीय अनुभव के दम पर मुकाबले में मजबूत दावेदार मानी जा रही है।भारत-ए के पास अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी जैसे आक्रामक सलामी बल्लेबाज हैं। दोनों शुरुआती ओवरों में तेजी से रन बनाने की क्षमता रखते हैं। दूसरी ओर, पाकिस्तान के मोहम्मद हसनैन, अहमद दानियाल और अली रजा पर नई गेंद से विकेट निकालने की जिम्मेदारी होगी।कप्तान तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, आयुष बदोनी और कुमार कुशाग्र भारतीय मध्यक्रम को मजबूती देते हैं। तिलक और कुशाग्र नेपाल के खिलाफ शतक लगाकर अपनी फॉर्म साबित कर चुके हैं। वहीं, पाकिस्तान को अब्दुल समद, हसन नवाज और हैदर अली से बड़ी पारियों की उम्मीद होगी।दोहा की धीमी पिच पर स्पिन गेंदबाज अहम साबित हो सकते हैं। पाकिस्तान के सुफियान मुकिम और साद मसूद भारतीय बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। भारत के पास भी शाहबाज अहमद, तनुष कोटियन और विप्रज निगम जैसे विकल्प हैं।



तेज गेंदबाजी में कड़ा मुकाबला

भारत के हर्षित राणा और प्रिंस यादव शानदार फॉर्म में हैं। नेपाल के खिलाफ दोनों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। वहीं, पाकिस्तान की तेज गेंदबाजी में हसनैन और अली रजा की भूमिका अहम होगी। भारत-पाकिस्तान मुकाबले में मानसिक मजबूती भी निर्णायक होगी। तिलक, रिंकू और अभिषेक जैसे खिलाड़ियों के पास बड़े मैचों का अनुभव है। हालांकि, पाकिस्तान शाहींस भी दोहा की परिस्थितियों से अच्छी तरह परिचित है।

भारत-ए जीत की प्रबल दावेदार

कुल मिलाकर बल्लेबाजी की गहराई, मजबूत मध्यक्रम और अनुभवी खिलाड़ियों के चलते भारत-ए का पलड़ा भारी नजर आता है। पाकिस्तान की जीत के लिए शुरुआती विकेट लेना और भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखना बेहद जरूरी होगा। अब देखना दिलचस्प होगा कि 22 नवंबर को दोहा में किस टीम का प्रदर्शन बेहतर रहता है।

मलयेशियाई जोड़ी ने दी शिकस्त

सात्विक और चिराग हॉन्गकॉन्ग ओपन के सेमीफाइनल में हारे

कोवलून। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी हॉन्गकॉन्ग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मलयेशिया की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी मान वेई चोंग और टी काई वुन से सीधे गेम में हार गई। इस साल सिंगापुर और चीन में खिताब जीतने वाली और विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी को 41 मिनट तक चले सेमीफाइनल में 18-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।



मैच में शुरू से ही दोनों जोड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और वे लगभग बराबरी के साथ आगे बढ़ते रहे। पहले गेम में स्कोर 4-4 से 7-7 हो गया। इसके बाद भी कड़ी टक्कर देखने को मिली और 10-10 के स्कोर पर मलयेशिया की टीम ने अंक बनाकर इंटरवल तक मामूली बढ़त हासिल की।

सात्विक और चिराग ने इसके बाद भी कड़ी चुनौती दी लेकिन मलेशिया की जोड़ी ने अपनी बढ़त बरकरार रखी तथा 18-19 के स्कोर के बाद दो गेम प्वाइंट हासिल किए और पहले पर ही गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारतीय जोड़ी ने एक समय 7-3 की बढ़त बना ली, लेकिन मलेशिया की जोड़ी ने लगातार छह अंक बनाकर मैच का रुख पलट दिया और स्कोर 9-7 कर दिया। वे इंटरवल तक दो अंकों की बढ़त बनाए रखने में कामयाब रहे।

मलयेशियाई टीम ने अपनी बढ़त को 14-9 कर दिया। सात्विक और चिराग ने इसके बाद अच्छी वापसी करके स्कोर 19-19 से बराबर कर दिया। इसके बाद मलयेशियाई खिलाड़ियों ने चिराग को निशाना बनाकर मैच पॉइंट हासिल किया और फिर मैच जीत लिया।

वेलिंगटन टेस्ट: न्यूजीलैंड के घर में भारतीय बल्लेबाजों ने दिखाया दम

वेलिंगटन, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। तीसरा दिन पूरी तरह भारतीय बल्लेबाजों के नाम रहा और कीवी गेंदबाजों को आज सिर्फ तीन ही सफलता मिली। भारत के लिए केएल राहुल ने शतकीय पारी खेली, जबकि कप्तान शुभमन गिल दो रन से शतक लगाने से चूक गए। दिन के खेल की समाप्ति तक भारत ने पहली पारी में चार विकेट पर 486 रन बनाए हैं और उसे 118 रन की बढ़त मिल चुकी है। स्टंप्स के समय ऋषभ पंत 55 और नाइट वॉचमैन के तौर पर उतरे अंशुल कंबोज खाता खोले बिना क्रीज पर मौजूद थे।

कप्तान शुभमन गिल दो रन से शतक लगाने से चूके



टॉप-5 ने बनाए 50+ रन, तीन शतकीय साझेदारी

गेंदबाजों पर बनाया दबाव

न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 368 रन बनाए थे। भारत ने अच्छी बल्लेबाजी की और तीसर दिन शनिवार को एक विकेट पर 159 रन से आगे खेलना शुरू किया और आज 325 रन बनाए। भारत को तीन झटके देवदत्त पडिक्कल, केएल राहुल और कप्तान शुभमन गिल के रूप में लगे। राहुल ने टेस्ट करियर का 13वां शतक लगाया। उन्होंने पडिक्कल के साथ 165 रन की साझेदारी निभाई। पडिक्कल ने भी दूसरा टेस्ट अर्धशतक लगाया। पडिक्कल 175 गेंद में 10 चौके की मदद से 80 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, राहुल ने 290 गेंद में नौ चौके और दो छक्के की मदद से 136 रन की पारी खेली। इसके अलावा कप्तान गिल स्टंप्स से ठीक पहले 98 रन बनाकर आउट हुए और 12वें शतक से दो रन से चूक गए। उन्हें जैकब डफी ने क्लीन बोल्ड किया। गिल ने पंत के साथ 100 रन की साझेदारी निभाई। भारतीय पारी की खास बात यह रही कि शीर्ष पांच बल्लेबाजों ने 50+ स्कोर किए। पंत ने भी 55 गेंद में टेस्ट करियर का 22वां अर्धशतक पूरा किया। इससे पहले शुक्रवार को यशस्वी जायसवाल 89 गेंद में 16 चौके की मदद से 85 रन बनाकर आउट हुए थे।



राहुल की ऐतिहासिक पारी

केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 203 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। यह उनके टेस्ट करियर का 13वां शतक है। इसके साथ ही राहुल स्वह्न (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) के चारों देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय ओपनर बन गए। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के दूसरे ओपनर हैं। उनसे पहले पाकिस्तान के सईद अनवर ऐसा कर चुके हैं। राहुल ने इस शतक के साथ एक खास अंतरराष्ट्रीय सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है। एशियाई बल्लेबाजों में मोहम्मद अजहरुद्दीन, सचिन तेंदुलकर, सईद अनवर, राहुल द्रविड़, यूनिस खान, कुमार संगकारा, विराट कोहली और केएल राहुल ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने चारों देशों में टेस्ट शतक लगाए हैं। हालांकि, इनमें सिर्फ सईद अनवर और केएल राहुल ही ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने बतौर ओपनर यह उपलब्धि हासिल की है। स्वह्न देशों में भारतीय ओपनरों के टेस्ट शतकों की सूची में सुनील गावस्कर शीर्ष पर हैं।

फुटबाल

इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन हुए चोटिल महीनों तक रहना पड़ सकता है बाहर

लंदन। इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन बायर्न म्यूनिख और कोलोन के बीच 1-1 से ड्रॉ रहे मैच के दौरान चोटिल हो गए जिसके कारण उन्हें 'अगले कुछ महीनों' तक खेल से बाहर रहना पड़ सकता है। उनके बाएं टखने में 'लिगामेंट' फट गया है और इस बैलोन डि ओर विजेता को पूरी तरह फिट होने में कुछ महीने का समय लगेगा।कोलोन के डिफेंडर जोएल श्मिड ने केन को पेनल्टी एरिया में गिरा दिया। केन दर्द से कराह उठे। उन्होंने हालांकि थोड़ी देर के लिए खेलना जारी रखा लेकिन जल्द ही मैदान पर उपचार लेने के बाद दो फिजियोथेरेपिस्ट के साथ मैदान से लंगड़ाते हुए बाहर चले गए। बायर्न यूनिख ने बयान में कहा, 'हैरी केन शुक्रवार को बायर्न म्यूनिख के बुंडेसलिगा में कोलोन के खिलाफ घरेलू मैच के दौरान चोटिल हो गए।

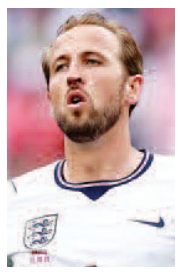

विवाद

पूर्व पति से जुड़ा मामला, मुक्केबाज मैरी कॉम को कोर्ट ने दिया नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज मैरी कॉम के खिलाफ आपराधिक मानहानि के मामले में औपचारिक संज्ञान लेने से पहले नोटिस जारी किया। यह मामला मैरी काम के पूर्व पति ने दायर किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मैरी काम ने एक टेलीविजन इंटरव्यू के दौरान उनके बारे में झूठी और छवि खराब करने वाली टिप्पणियां की थीं। मैरी कॉम के पूर्व पति करोंग ओंखोलर ने छह अक्तूबर को शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि मैरी काम ने उनके वैवाहिक संबंध खत्म होने के बाद इस साल 11 जनवरी को प्रसारित एक टेलीविजन कार्यक्रम में उनके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। न्यायिक मजिस्ट्रेट शिवम गुप्ता ने यह देखते हुए नोटिस जारी किया कि ओंखोलर की ओर से समन जारी करने से पहले पेश किए जाने वाले साक्ष्य की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।



दोषी

डोपिंग में फंसी भारतीय एथलीट किरण बालियान, 8 साल का बैन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खेलों से डोपिंग का दाग छूटने का नाम नहीं ले रहा है और एक बार फिर मेडल विजेता खिलाड़ी ने अपनी हरकत से देश को शर्मिंदा किया है. एशियन गेम्स 2022 में विमेंस शॉट पुट की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट किरण बालियान को एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और इसके चलते 8 साल के लिए बैन कर दिया गया है. नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी ने किरण बालियान को 2 मामलों में दोषी पाते हुए 4-4 साल का बैन लगाया है, जो 2024 से शुरू माना जाएगा और 2032 तक बरकरार रहेगा. नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी ने किरण बालियान को 2 मामलों में दोषी पाते हुए 4-4 साल का बैन लगाया है, जो 2024 से शुरू माना जाएगा और 2032 तक बरकरार रहेगा।



यादव अब चयनकर्ताओं की योजनाओं का हिस्सा नहीं

सूर्यकुमार की वापसी के रास्ते बंद!

मुश्ताक अली ट्रॉफी में कर रहे कप्तानी, प्रदर्शन रहा शानदार

बीसीसीआई के सूत्र के मुताबिक-फिलहाल उनके लिए जगह उपलब्ध नहीं है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को अपनी कप्तानी में टी20 विश्व कप का खिताब दिलाने वाले सूर्यकुमार यादव राष्ट्रीय टीम में वापसी की जुगत में लगे हुए हैं। सूर्यकुमार की वापसी की राह हालांकि मुश्किल नजर आ रही है। न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्र के मुताबिक, सूर्यकुमार यादव अब चयनकर्ताओं की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद फिलहाल भारतीय टीम में उनके लिए जगह नहीं बन पा रही है।

सूर्यकुमार की वापसी पर आया अपडेट

बीसीसीआई के सूत्र ने कहा, 'सूर्यकुमार फिलहाल हमारी चयन योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। हम तो अभी तक सफेद गेंद के क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी के लिए भी जगह नहीं बना पाए हैं।' सूत्र ने आगे कहा कि सूर्यकुमार यादव कड़ी मेहनत कर रहे हैं और लिस्ट ए क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन भी कर रहे हैं, लेकिन मौजूदा भारतीय टीम के संयोजन में उन्हें शामिल करना मुश्किल है। सूत्र ने कहा, हां, सूर्यकुमार कड़ी मेहनत कर रहे हैं और लिस्ट ए क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि, सवाल यह है कि मौजूदा भारतीय टीम में हम उन्हें कहां फिट कर सकते हैं। फिलहाल उनके लिए कोई जगह उपलब्ध नहीं है। हम सफेद गेंद के क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी को भी जगह नहीं दे पा रहे हैं, तो मौजूदा टीम में सूर्यकुमार को कहां फिट करेंगे? फिलहाल हम उन्हें टीम में शामिल करने पर विचार नहीं कर रहे हैं।

घरेलू क्रिकेट में दम दिखा रहे सूर्यकुमार

मालूम हो कि सूर्यकुमार यादव ने 2026 टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी की थी और टीम को लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, आईपीएल के बाद उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया और उनकी जगह श्रेयस अय्यर को नया कप्तान नियुक्त किया गया। दूसरी ओर, सूर्यकुमार यादव इन दिनों सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 में मुंबई की कप्तानी करते हुए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने 14 नवंबर को हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में महज 21 गेंदों पर नाबाद 60 रन की तूफानी पारी खेली थी। उनकी इस पारी में छह चौके और पांच छक्के शामिल थे।



29 गेंदों पर 82 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और सात छक्के शामिल

इसके बाद गुजरात के खिलाफ भी सूर्यकुमार का बल्ला जमकर चला। उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों पर 82 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और सात छक्के शामिल थे। उनकी इस विस्फोटक पारी की मदद से मुंबई ने 199 रन का लक्ष्य महज 15.4 ओवर में पांच विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। वहीं, गोवा के खिलाफ तीसरे मुकाबले में भी सूर्यकुमार ने तेज बल्लेबाजी करते हुए 12 गेंदों पर 25 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने तीन छक्के लगाए। मुंबई ने यह मुकाबला 18 रन से अपने नाम किया। अच्छी पारियों के बावजूद सूत्र के बयान से साफ है कि फिलहाल भारतीय टीम में उनकी वापसी को लेकर चयनकर्ता विचार नहीं कर रहे हैं।

बेमिसाल रहा है सूर्यकुमार का टी-20 करियर

मैदान के चारों ओर शॉट खेलने की काबिलियत के कारण 'मिस्टर 360' के नाम से मशहूर सूर्यकुमार के आंकड़े बेहद शानदार हैं। उन्होंने भारत के लिए 113 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 36.35 की औसत और 162.98 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 3,272 रन बनाए हैं। इसमें 4 शतक और 25 अर्धशतक शामिल हैं। साल 2022 में वे दुनिया के नंबर-1 टी-20 बल्लेबाज बने थे और 2022 व 2023 में लगातार दो बार टी-20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर भी चुने गए थे। अब देखना यह होगा कि घरेलू क्रिकेट में इस दमदार प्रदर्शन के बाद सिलेक्टर्स अपने फैसले पर दोबारा विचार करते हैं या नहीं।

घरेलू क्रिकेट में जमकर बोल रहा है सूर्या का बल्ला

टीम इंडिया से बाहर होने के बावजूद सूर्यकुमार ने हार नहीं मानी है और वे घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बना रहे हैं। उनकी बल्लेबाजी का पुराना अंदाज देखने को मिल रहा है:

हैदराबाद के खिलाफ: 14 नवंबर को उन्होंने महज 15 गेंदों में फिफ्टी जड़ी और 21 गेंदों पर नाबाद 60 रन (6 चौके, 5 छक्के) बनाकर मुंबई को 7 विकेट से जीत दिलाई।

गुजरात के खिलाफ: सूर्या ने 29 गेंदों में 82 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 9 चौके और 7 छक्के शामिल थे। इस पारी की बदौलत मुंबई ने 199 रनों का बड़ा लक्ष्य 15.4 ओवर में हासिल कर लिया।

गोवा के खिलाफ: उन्होंने सिर्फ 12 गेंदों में 3 छक्कों की मदद से 25 रन ठोके और टीम को 18 रनों से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।



सैनिक का किरदार निभाने के लिए सलमान ने घंटों तक कड़ाके की ठंड का सामना किया

सलमान खान स्टारर फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' का पहला टीजर और पोस्टर जब से रिलीज़ हुआ है, तब से दर्शकों के बीच फिल्म को देखने की बेसब्री बढ़ती जा रही है। शुरुआती झलकियों ने दर्शकों को फिल्म की दुनिया से रूबरू कराया, जिसके बाद से ही दर्शक फिल्म से जुड़ी और चीजें देखने का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के जबरदस्त स्केल ने पहले से ही फैंस के बीच चर्चा शुरू कर दी है, डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने बिहाइंड द सींस डिटेल्स के बारे ने बात की और बताया है कि कैसे फिल्म की मेकिंग धैर्य और ईमानदारी को पेश करती है। इंटेंस एक्शन से लेकर ट्रेलर में अब तक नजर आए मुश्किल जगहों पर की गई शूटिंग, यह बताती है कि टीम ने किसी भी तरह के शॉर्टकट को अपनाने से इंकार किया है, और इस तरह से उन्होंने हर फ्रेम में जान डालने के लिए असली, सख़्त मौसम को इनडोर के आराम के सामने चुना है।

फिल्म के सबसे मुश्किल सीक्वेंस के बारे में बात करते हुए डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने कहा है, 'शुरुआत में हमने इस सीक्वेंस की शूटिंग मुंबई के एक स्टूडियो में करने का प्लान बनाया था, लेकिन सलमान सर से बात करने के बाद हमें समझ आ गया कि सेट पर शूट करने से वह असली एहसास नहीं आएगा। इसलिए हम बाहर गए और सितंबर एंड में इसकी शूटिंग की। उस समय पानी का तापमान लगभग जीरो डिग्री के आसपास रहा होगा। सलमान खान को अपने फिजिकली डिमांडिंग रोल्स में जीजान लगाने के लिए जाना जाता है, और ऐसे में मातृभूमि में वॉर रेस्ट इन पीस के लिए, उनके द्वारा लिया गया स्टूडियो से बाहर शूट करने का फैसला उनकी फिल्म के लिए कमिटमेंट को दर्शाता है। एक सैनिक का किरदार निभाने के लिए सुपरस्टार और उनके को-एक्टर्स कलाकारों ने घंटों तक कड़ाके की ठंड का सामना किया। वे भीगी हुई वर्दी में ही शॉट्स के बीच खाना खाते थे, ताकि पर्दे पर उनका संघर्ष और भावनाएं दर्शकों को बिल्कुल असली महसूस हों।



टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट के कवर पर मिली आलिया को जगह

बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री आलिया भट्ट के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। अपनी शानदार अदाकारी और अलग-अलग तरह के किरदारों से दर्शकों का दिल जीतने वाली आलिया अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्हें टाइम मैगजीन की पहली टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट के कवर स्टार के तौर पर जगह मिली है। मैगजीन ने फिल्म इंडस्ट्री में उनके सफर, फिल्मों में उनके किरदारों के चुनाव और फिल्म सेट पर महिलाओं के लिए बेहतर कामकाजी माहौल की वकालत करने के उनके प्रयासों को सराहा है।

आलिया को बताया 'बॉलीवुड आइकन'

टाइम मैगजीन ने इंस्टाग्राम पर आलिया को कवर स्टार घोषित करते हुए उन्हें 'बॉलीवुड आइकन' बताया। मैगजीन ने लिखा, 'हमारी पहली टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट की कवर स्टार से मिलिए, बॉलीवुड आइकन आलिया भट्ट।' इसके साथ ही प्रकाशन ने इस बात पर भी गौर किया कि कैसे आलिया ने इंडस्ट्री में एक नई कलाकार के तौर पर शुरुआत की और धीरे-धीरे चुनौतीपूर्ण और अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान बनाई। आलिया भट्ट ने साल 2012 में करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से बतौर लीड एक्ट्रेस बॉलीवुड में कदम रखा था। हालांकि, साल 2014 में इम्तियाज अली की फिल्म 'हाईवे' उनके करियर का अहम मोड़ साबित हुई। इस फिल्म में उन्होंने वीरा त्रिपाठी का किरदार निभाया था, जो किडनैप होने के बाद खुद को समझने और अपनी जिंदगी को नए नजरिए से देखने का सफर तय करती है। इस फिल्म ने दर्शकों के बीच आलिया की अभिनय क्षमता को लेकर बनी धारणा बदल दी। मैगजीन के मुताबिक, आलिया का फिल्मी सफर ऐसे दौर में आगे बढ़ा, जब बॉलीवुड का पारंपरिक स्टार सिस्टम बदल रहा था और कलाकारों के सामने एक नई तरह की सेलिब्रिटी संस्कृति की चुनौतियां थीं। 'हाईवे' के बाद आलिया ने लगातार ऐसे किरदार चुने, जिनमें उन्हें अपनी अभिनय क्षमता दिखाने का मौका मिला। फिल्म 'उड़ता पंजाब' में उन्होंने पंजाब के ड्रग्स कारोबार के बीच फंसी बिहार की एक प्रवासी मजदूर का किरदार निभाया। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस का अवार्ड भी मिला।

कमर्शियल फिल्मों में भी आलिया ने किया काम

अपने करियर में आलिया ने जहां '2 स्टेट्स' जैसी कमर्शियल फिल्मों में काम किया, वहीं 'राजी', 'डियर जिंदगी' और 'गली बॉय' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों और समीक्षकों का ध्यान खींचा। अलग-अलग जॉनर की फिल्मों में काम करके उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित की है। सिर्फ फिल्मों ही नहीं, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए बेहतर कामकाजी माहौल बनाने की पैरवी को लेकर भी आलिया चर्चा में रही हैं। खासतौर पर फिल्म सेट पर महिलाओं की सुविधाओं और उनके काम करने की परिस्थितियों को बेहतर बनाने की दिशा में उनकी आवाज को मैगजीन ने अहमियत दी है। हाल ही में आलिया मुंबई में आयोजित अर्थशॉट प्राइज 2026 के ग्रीन कार्पेट पर भी अपने लुक को लेकर चर्चा में रही थीं। इस दौरान वह डिजाइनर रितु कुमार के तैयार किए गए ब्लैक और एंटीक गोल्ड रंग के बेहद खूबसूरत आउटफिट में नजर आई थीं।



रामायण में मैंने मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से जो कुछ भी दे सकता था, दिया

निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में अभिनेता रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस किरदार को निभाना उनके लिए अपनी इच्छा पूरी करने से ज्यादा महाकाव्य की सेवा करने का मौका था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'एक अभिनेता के तौर पर आप ऐसा काम करें कि दर्शक उसे इस तरह से महसूस करें, कि वे आपको आकर बताएं। इससे बड़ा तोहफा और क्या ही हो सकता है। सच कहूं, तो ये सब लिखते हुए मुझे यकीन नहीं हो रहा है लेकिन मन में कृतज्ञता है। लक्ष्मण की खुद के लिए कोई इच्छा नहीं थी, वो श्री राम और मां सीता के एक कदम पीछे खड़े होकर खुश थे, जब भी उनकी जरूरत हो, कर्तव्य पालन के लिए तैयार रहते थे। उन्होंने किरदार निभाने को लेकर बताया कि लक्ष्मण ने अभी तक जो किया, मैं बस वही सेवा और कर्तव्य की भावना रामायण में लाना चाहता था। उन्होंने लिखा, 'मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से मैं, जो कुछ भी दे सकता था, मैंने दिया। सच में मैं चाहता था लेकिन आप सबने मुझे इससे कहीं ज्यादा दे दिया।' रवि दुबे ने कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 'मुकेश भाई, आपके उस कॉल ने सच में मेरी जिंदगी बदल दी, जिसके लिए मैं आपका आभारी हूं। नमित मल्होत्रा सर, नितेश तिवारी सर, आप लोग बहुत ही खास इंसान हैं और मैं आपका कर्जदार हूं कि आपने मुझे दुनिया के सबसे बेहतरीन कलाकारों के साथ एक सेट पर रखा। एक ऐसा सेट जहां मैं सबसे जूनियर और सबसे कम अनुभवी था, फिर भी जिस दिन से मैं वहां गया, आपने मुझे उतना ही प्यार, सम्मान और अपने काम को करने के लिए उतनी ही जगह दी।'

अभिनेता ने वरिष्ठ कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बताते हुए कहा कि शुरुआत में वे काफी डरे हुए थे। उन्होंने कहा, 'मैं डरा हुआ था कि कहीं मैंने इन शानदार लोगों को निराश तो नहीं कर दिया, जिन्होंने मुझ पर इतनी बड़ी जिम्मेदारी के साथ भरोसा किया? कहीं मैंने बहुत कम तो नहीं कर दिया? कहीं मैंने ज्यादा तो नहीं कर दिया? कहीं मैंने लक्ष्मण के साथ, रामायण के साथ अन्याय तो नहीं कर दिया? और फिर आपका प्यार और साथ मिला। काश मैं आपमें से हर एक को बता पाता कि इसने मेरे लिए क्या किया है। इसमें बहुत खुशी है लेकिन इसमें एक बहुत ही कोमल सी राहत भी है। राम कथा की थोड़ी सी भी सेवा करके मेरा दिल भर गया है।

धनश्री वर्मा की साउथ सिनेमा में शुरुआत

तेलुगु फिल्म 'हे कन्नम्मा' में नजर आएंगी

धनश्री वर्मा अपने करियर में एक नया अध्याय शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। डांसर और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी धनश्री ने 'हे कन्नम्मा' फिल्म के साथ तेलुगू सिनेमा में लीड एक्ट्रेस के तौर पर अपनी शुरुआत करने की घोषणा की है। इस फिल्म को 'दिल राजू प्रोडक्शंस' का सपोर्ट हासिल है। मेकर्स ने फिल्म का टीजर भी रिलीज कर दिया है। यह फिल्म 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में यश मास्टर और कार्तिका मुरलीधरन भी नजर आएंगे। धनश्री वर्मा ने इंस्टाग्राम पर यह घोषणा शेयर की और इस प्रोजेक्ट को लेकर अपना उत्साह जताया। इसे एक बेहद खास सफर बताते हुए, उन्होंने कहा कि वह दर्शकों को बड़े पर्दे पर यह फिल्म देखते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं।

फिल्म के टाइटल की घोषणा करते हुए उन्होंने लिखा, 'और आखिरकार ऐसा हो ही रहा है! लीड एक्टर के तौर पर मेरी पहली फिल्म। तेलुगू फिल्म में मेरा डेब्यू। और शुरुआत भी कितनी शानदार है — दिल राजू प्रोडक्शंस के साथ।'

अभिनेत्री ने फिल्म का आधिकारिक टीजर भी शेयर किया, जिससे दर्शकों को उनके नए प्रोजेक्ट की एक झलक मिली। उन्होंने इसे एक नई शुरुआत बताया क्योंकि वह अपने पहले मुख्य किरदार के साथ तेलुगु सिनेमा में कदम रख रही हैं। टीजर शेयर करते हुए, धनश्री ने इस सफर का हिस्सा बनने के लिए पूरी टीम को धन्यवाद दिया। अपनी पोस्ट में धनश्री ने लिखा, 'एक बहुत ही खास नई शुरुआत की एक छोटी सी झलक! पेश है मेरी तेलुगु डेब्यू फिल्म हेकन्नम्मा का आधिकारिक टीजर। इसमें मुझे शानदार 'दिल राजू प्रोडक्शंस' के साथ एक मुख्य अभिनेत्री के तौर पर एक बिल्कुल नई दुनिया में कदम रखने का मौका मिला है। यह एक ऐसा सफर है जो मेरे दिल के बहुत करीब है।'



'कॉफी विद करण' का 22 साल का सफर अब हो रहा है खत्म

फिनाले में शाहरुख खान के साथ नजर आएंगे यश और रूही

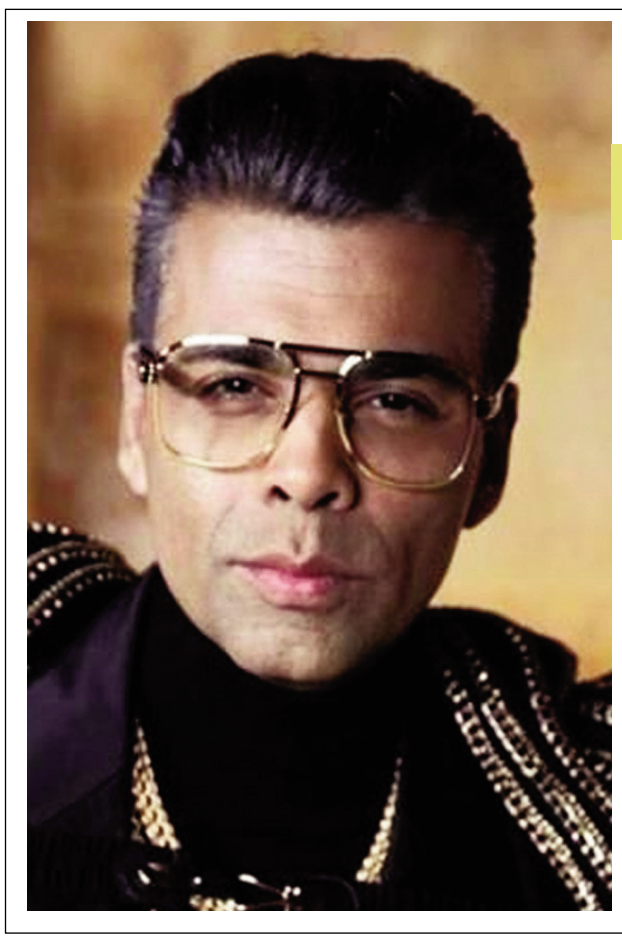

करण जौहर का चर्चित चैट शो 'कॉफी विद करण' अब अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया है. करीब 22 साल तक बॉलीवुड सितारों की जिंदगी से जुड़े दिलचस्प किस्से सामने लाने वाले इस शो का सीजन 9 आखिरी होने वाला है. ऐसे में करण जौहर अपने शो को यादगार अंदाज में विदाई देने की तैयारी कर रहे हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो फिनाले एपिसोड में बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान खास अंदाज में नजर आएंगे. इतना ही नहीं, करण के दोनों बच्चे यश और रूही भी पहली बार इस शो का हिस्सा बनेंगे.

फिनाले में शाहरुख खान की होगी खास एंट्री

रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख खान फिनाले एपिसोड में करण जौहर के साथ कॉफी काउच पर दिखाई देंगे. हालांकि, वह पूरे एपिसोड में नहीं रहेंगे, बल्कि कुछ समय के लिए अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे. शाहरुख के साथ इस खास एपिसोड में करण के जुड़वां बच्चे यश और रूही भी नजर आएंगे. यह दोनों का टेलीविजन डेब्यू होगा. इस एपिसोड को लेकर सबसे खास बात यह है कि शाहरुख खान ही साल 2004 में शुरू हुए 'कॉफी विद करण' के पहले मेहमान बने थे. अब शो के आखिरी सीजन में उनकी वापसी से इसकी शुरुआत और विदाई के बीच एक खूबसूरत कनेक्शन बन जाएगा.

बेटी सुहाना खान भी हो सकती हैं शामिल

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी इस बातचीत का हिस्सा बन सकती हैं. बताया जा रहा है कि इस एपिसोड की शूटिंग उस समय हुई, जब शाहरुख अपनी फिल्म 'किंग' की शूटिंग में व्यस्त थे. काम की व्यस्तता के चलते वह पूरे एपिसोड के लिए समय नहीं निकाल पाए और कुछ देर के लिए शो में शामिल हुए.

सीजन 9 में नजर आए ये सितारे

'कॉफी विद करण 9' के इस सीजन में अब तक कई बड़े बॉलीवुड सितारे अपनी जिंदगी और करियर से जुड़े किस्से साझा कर चुके हैं. इनमें सलमान खान, वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, करीना कपूर, सैफ अली खान, कियारा आडवाणी, सिद्धार्थ मल्होत्रा, विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना जैसे नाम शामिल हैं. वहीं, आने वाले एपिसोड्स के लिए सारा अली खान और इब्राहिम अली खान, समय रैना, दिलजीत दोसांझ और डिंपल कपाड़िया जैसे सितारों के नाम भी चर्चा में हैं. हालांकि, इनकी मौजूदगी को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.

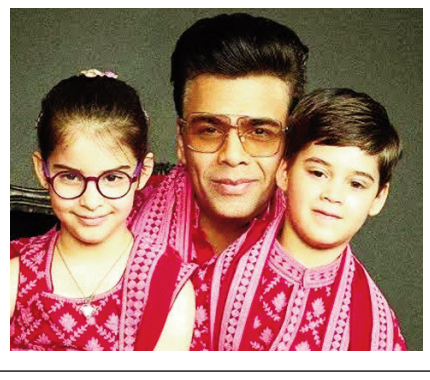

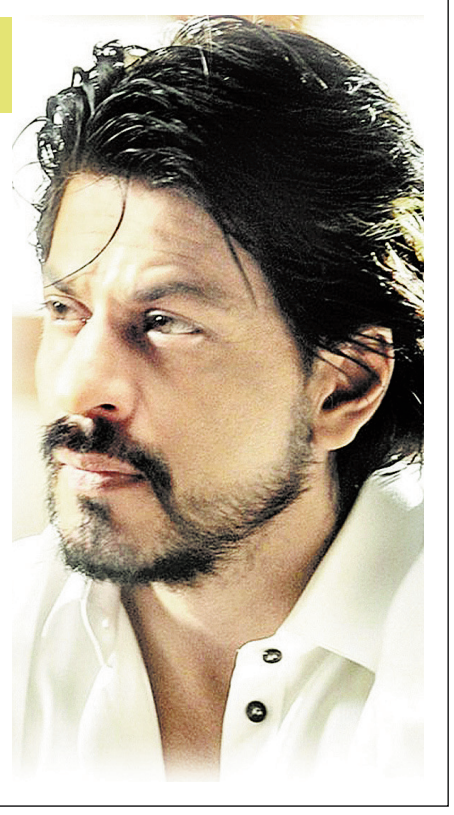



शॉपिंग के दौरान बचाने हैं पैसे तो फॉलो करें ये आसान टिप्स

शॉपिंग के दौरान अक्सर लोग अपने तय बजट से ज्यादा खर्च कर देते हैं, जो उनके बजट पर बुरा असर डालता है। इस स्थिति में उनके लिए महीने को मैनेज करना बड़ा टास्क बन जाता है। आपके साथ ऐसा न हो इसके लिए हम लाए हैं कुछ बेहद काम के टिप्स।

बनाएं लिस्ट

सबसे पहले तो इसकी लिस्ट बनाएं कि आपको क्या लेना है। लिस्ट का तरीका सिर्फ किराना लाने के लिए बल्कि कपड़ों आदि की शॉपिंग के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस आपको अपने कपड़ों को एक बार अच्छे से देखना है और यह लिखना है कि आपके पास क्या नहीं है या किस तरह के कपड़ों की आपको सबसे ज्यादा जरूरत है। यह फिल्टर उन चीजों पर बिना मतलब के खर्चे से बचने में मदद करेगा।

कैरी करें सिर्फ कैश

लोग डिजिटल पैमेंट की ओर जा रहे हैं और हम कैश कैरी करें जी हां, अगर आपको अपने बजट में रहते हुए शॉपिंग करना है तो इससे अच्छा और कोई तरीका नहीं हो सकता। जब खर्च करने के लिए एक्सट्रा पैसे ही नहीं होंगे तो भला आप दूसरी चीजों पर खर्च ही कैसे कर सकेंगे और यही चीज आपको फालतू के खर्चों से बचा लेगी।

एक जगह न अटकें

चाहे कपड़े लेने हों या फिर किराना, किसी एक जगह न अटकें और दूसरी जगहों पर भी इन चीजों को देखे। उदाहरण के लिए कपड़ों पर एक जगह जो जींस आपको 4000 की मिल रही है, वैसी ही जींस दूसरी जगह डिस्काउंट के साथ मिल सकती है या फिर दूसरे ब्रैंड में कम कीमत पर खरीदी जा सकती है। इसी तरह मान लीजिए अगर एक ब्रैंड का लोशन 340 रुपये का मिल रहा है तो हो सकता है दूसरे ब्रैंड के लोशन पर इसी कीमत में एक के साथ एक फ्री मिल रहा है। इसलिए जितना हो सके पहले एक्सप्लोर जरूर करें।

बोरियत में कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं

बोरियत होने पर गेम्स खेलें, मूवी देखें, कुकिंग करें.कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं। सबसे खतरनाक होती है इमोशनल शॉपिंग जो सबसे ज्यादा बिना मतलब का खर्चा करवाती है। इस तरह की शॉपिंग का एक और नुकसान यह भी होता है कि इस दौरान ली गईं ज्यादातर चीजें ऐसी होती है जिनका आप कभी यूज भी नहीं करेंगे।

ऑनलाइन देखें ऑप्शन्स

आजकल ज्यादातर ब्रैंड्स की वेबसाइट्स भी होती हैं जहां से कपड़ों को ऑनलाइन ऑर्डर किया जा सकता है। इन वेबसाइट्स पर अच्छा खासा डिस्काउंट भी उपलब्ध होता है। ऐसे में आप चाहे तो स्टोर में कपड़ों को ट्राई कर सकती हैं और सही साइज मिल जाने पर उसे ऑनलाइन सर्च करें। अगर वहां ये सस्ते में मिल रहे हैं तो फिर वेबसाइट से ही इसे ऑर्डर करें।



शॉपिंग पार्टनर भी है अहम

हमें यकीन है आप में से कई लोगों ने कभी इस बात को सोचा भी नहीं होगा, लेकिन आपकी फिजूलखर्ची के लिए आपके साथ शॉपिंग पर गया शख्स भी जिम्मेदार हो सकता है। अगर वह आपको बार-बार नई चीज दिखाए और कहे कि आप इसे ले लें क्योंकि यह अच्छा लगेगा, या फिर डिस्काउंट के चक्कर में ज्यादा चीजें लेने की सलाह दे तो बेहतर है कि अगली बार आप उसके साथ न जाएं। शॉपिंग पर ऐसे शख्स के साथ जाएं जो आपको फिजूलखर्ची से रोके और आपको जो लेना है उसकी ओर ध्यान केंद्रित करवाए।

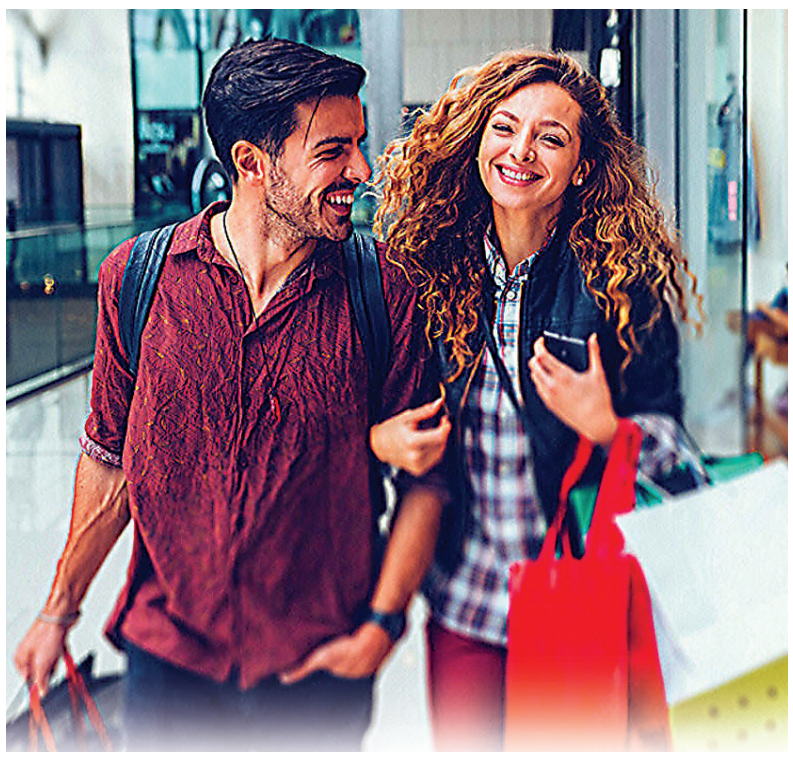



जा रहे हैं सब्जी लेने तो इन बातों का जरूर रखें ध्यान

सब्जी खरीदने की बात आती है तो ज्यादातर लोग बस दाम पर ही ध्यान देते हैं, लेकिन सिर्फ प्राइस कम हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि यह फायदे का सौदा है। बल्कि आपको इन्हें खरीदने के दौरान ऐसी कई चीजों का ध्यान रखना चाहिए जो सब्जी की मौजूदा क्वॉलिटी और वह कितनी जल्दी खराब हो जाएगी यह तय करते हैं।

सब्जी न हो कहीं से डैमेज

सब्जी जब लें तो उसे चारों ओर से पलटकर ध्यान से जरूर देखें। अगर उसमें जरा सा भी छेद या कट दिखाई देता है तो उसे न लें। ऐसी सब्जियों में कीड़े होने के चांस ज्यादा रहते हैं। वहीं अगर जो सब्जियां किसी हिस्से से दबी हुई हों खासतौर से टमाटर जैसी चीज तो इनके जल्दी खराब होने का डर रहता है।

हल्का सा दबाकर देखें

टमाटर हो, प्याज हो, आलू हो, गाजर हो या कोई अन्य सब्जी, उसे दबाकर जरूर देखें। हल्के से दबाव से ही पता चल जाता है कि कहीं वह सब्जी अंदर से खराब तो नहीं है। हालांकि, पत्तेदार सब्जियों पर यह तरीका काम नहीं करता है।

जब बात आए पत्तेदार सब्जियों की

पत्तेदार सब्जियों में इतने वैरायटी होती है कि सभी पर एक तरीका काम नहीं करता है। हालांकि, कुछ कॉमन बातें हैं जिनका इन्हें लेने के दौरान ध्यान रखना जरूरी है। ध्यान में रखें कि ऐसी पत्तेदार सब्जी न लें जो पानी में बहुत ज्यादा भीगी हो, इनके जल्दी खराब होने के डर रहता है। पालक, लाल भाजी जैसी सब्जियों को लेते वक्त एक-एक पत्ते को ध्यान से देख लें क्योंकि इनके बीच में कीड़े हो सकते हैं। पत्ते पीले या बड़े हों तो उन्हें न लें क्योंकि उनमें स्वाद कम होता है।

सूंघकर देखें

मार्केट में पैक्ड मशरूम, कॉर्न्स, स्प्राउट्स जैसी चीजें मिलती हैं। इन्हें जब लें तो पैकेट को नाक से थोड़ी दूर पर रखते हुए उन्हें सूंघें। अगर वे पुराने होंगे तो उनकी स्मेल बदल चुकी होगी। ऐसे पैकेट्स को न लें, नहीं तो बीमार हो सकते हैं।

उतना ही लें जितना इस्तेमाल हो जाए

कई ऐसी सब्जियां होती हैं जिन्हें सिर्फ उतना ही लेना चाहिए जितना आप इस्तेमाल कर पाएं। फ्रिज में भी ये सब्जियां ज्यादा दिन टिक नहीं पाती हैं। उदाहरण के लिए धनिया और टमाटर। ये दोनों ऐसी चीजें हैं जिन्हें आप ज्यादा ले तो लें लेकिन अगर ये सिर्फ फ्रिज में ही रखी हैं तो तीन-चार दिन में ही ये खराब होना शुरू कर देंगीं।





बेड के लिए परफेक्ट चादर खरीदने में काम आएंगी ये टिप्स

क्या आप मार्केट में नई बेडशीट लेने जाने के बारे में सोच रहे हैं अगर हां तो बेहतर होगा कि आप पहले नीचे दी गई जानकारी पढ़ें लें, ऐसा करने पर शायद आप ज्यादा बेहतर चादर का सिलेक्शन कर सकेंगे।

लोग आमतौर पर बेड के गद्दों को लेने से पहले पूरी जानकारी इकट्ठा कर लेते हैं लेकिन जब बात आती है चादर की तो वे इस मामले को हल्के में ले लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अच्छी नींद के लिए जितना जरूरी अच्छा गद्दा है उतनी ही जरूरी चादर भी है। आप अपने बेड के लिए कैसे सही चादर चुन सकते हैं इसमें नीचे दिए टिप्स आपके काफी काम आ सकते हैं।

फैब्रिक का रखें ध्यान

सबसे बड़ी और पहली बात होती है फैब्रिक का सही सिलेक्शन करना। यह इसलिए जरूरी होता है कि क्योंकि बेडशीट का कपड़ा आपके शरीर के संपर्क में आएगा इसलिए चादर का सिर्फ सुंदर होना नहीं बल्कि कंफर्टेबल होना भी जरूरी है। इस लिहाज से कॉटन की चादर बेस्ट फिट कही जा सकती है। कॉटन न सिर्फ स्किन के अगेंस्ट कंफर्टेबल रहता है बल्कि यह ब्रिदेबल फैब्रिक भी माना जाता है, जो नमी इकट्ठा नहीं करता।

साइज

बस यूं ही चादर लेने न निकल पड़ें। आपका बेड कितने साइज का है और आपको साइड में कितनी चादर छोड़नी है इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए बेडशीट सिलेक्ट करें। आमतौर पर अगर आप मार्केट से चादर लेते हैं तो पैकेट पर ही साइज लिखा होता है, जो आपके काम को आसान कर सकता है। हालांकि, अगर आप बिना पैकेट वाली चादर लेते हैं तो नाप का ध्यान जरूर रखें।

वाइट- कलरफुल चादर

वाइट कलर की खासियत होती है कि यह शांत करने में मदद करता है। यही इफेक्ट सफेद चादर भी क्रिएट करती है। यह ज्यादा रिलैक्सिंग फीलिंग के साथ ही मूड को शांत करने में मदद करती है। वहीं कलरफुल चादर रूम में चियरफुल फील क्रिएट करती है। बात करें स्ट्राइप चादर की तो यह रूम को व्यवस्थित दिखाने में मदद करती है।

रिटर्न पॉलिसी

जी हां, इस बात को भूलकर भी इग्नोर न करें। कई बार होता है कि चादर लेने के बाद एक ही वॉश में सारे कलर उड़ जाते हैं। अच्छी कंपनीज अपने ग्राहकों को ऐसी स्थिति में चादर रिटर्न करने का भी ऑप्शन देती है क्योंकि यह क्वॉलिटी में खरे न उतरने वाली बात है। ऐसे में अगर आप ऐसी कंपनी की चादर ले लें जिसमें ऐसी रिटर्न पॉलिसी न हो तब तो आपकी चादर बस एक ही बार बिछाई जा सकेगी।